हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, बुधवार 22 जुलाई 2026

स्कैन करें और हीरो डेस्टिनी जीतने* का मौका पाएं

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

एक्स-शोरूम कीमत	कम डाउन पेमेंट	ब्याज दर	कॉर्पोरेट ऑफ़र
₹75,800~	₹5,999^	6.99%^	₹3,200^

Hero GoodLife जीतने का मौका चांदी का सिक्का और भी बहुत सुनिश्चित बेनिफिट्स$

pine labs PAY LATER CASHBACK UPTO ₹10,000^

Additional Offers On amazon.in Flipkart

TOLL FREE 1800 266 0018

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - IL. New Delhi-110070, India. I CIN: L35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. #As per the internal benchmarking of 110cc scooters in India under standard conditions; may vary as per the riding conditions. ##Basis the data available in public forum for products in 110cc scooter segment. ^Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs. Available at select dealerships. Offer valid for a limited period. Based on the testing report of govt. Certified agency. Actual mileage may vary as per riding conditions. $Offer valid only on purchase of new Hero Two-wheeler. Hero GoodLife Enrollment on the corresponding purchase till 31st July 2026. ~Ex-Showroom Price applicable in Chhattisgarh only. Ex-Showroom price is for the Destini 110 VX variant. Creative Visualization. *T&C apply.

अधिकृत डीलरः बिलासपुरः सत्या हीरो 9289922464, गैलेक्सी हीरो 9289922706, अंबिकापुरः आनंद हीरो 9289922359, सरगुजा हीरो 9289923110, कोरबाः शांति हीरो 9289922813, छत्तीसगढ़ हीरो 9289923057, रायगढ़ः गोयल हीरो 9289922373, आदित्य हीरो 9289923091, जांजगीरः आनंद हीरो 9289922772, बैकुंठपुरः आर.के. हीरो 9289922812, जशपुरः आकाश हीरो 9289922909, एसोशिएट डीलरः खड़गांवः बंसल ऑटो एजेंसी 7000103415, चौराः ओम ऑटो एजेंसीः 7000316070, सरियाः अग्रवाल ऑटो सेण्टर 9993121909, गौरेलाः श्री माँ नर्मदा मोटर्स 7587796622 / 7587796611, सनावलः सोनी ऑटोमोबाइल्स 9479235816, रतनपुरः माँ महामाया मोटर्स 9754240437 / 8839972027, बलोदाः श्री कमला ऑटो 9926515216, मरवाहीः राहुल ऑटोमोबाइल्स 8889467369 / 8719087320, मुगेलीः महावीर मोटर्स 9993855199, मनेन्द्रगढ़ः विवेक ट्रेडर्स 6261178785, कटघोराः श्री शारदा एंटरप्राइज 9809809925, शिवरीनारायणः सुल्तानिया ऑटो केयर 9407600319, सक्तीः गोयल ऑटो 9303571001, 7000490324, खरसियाः विजय ऑटो एजेंसी 9993093829, सीतापुरः श्रीराम हीरो, 7000043001, पत्थलगांवः ज्योति ऑटो 9406399000, सारंगढ़ः गोपाल ऑटो सेंटर 9827893203, सूरजपुरः आशा ऑटोमोबाईल्स 9826440096, अकलतराः श्री ऑटो 9424174274, कोटाः उर्मिला मोटर्स 9340252857, श्री पुष्कर मोटर्सः 6268000180 / 8718888789, रामानुजगंजः प्रीति ऑटोमोबाईल 8827674000, बाराद्वारः दुर्गा ऑटो एजेंसी 8319982160, उदयपुरः बंसत ऑटोमोबाईल्स 9406022927, तपकराः प्रीति ऑटोमोबाईल्स, 7354334545/7999851514, प्रतापपुरः तायल ऑटोमोबाईल्स 9617218005, पटनाः आयुश ऑटोमोबाईल्स 8839141926, पालीः आनंद ऑटोमोबाईल 7089519999, राजपुरः महामाया एजेंसी, 9516209272 / 9340726288, मदनपुरः ओम ऑटो एजेंसी, 7000316070, सीपतः मेसर्स गणेश मोटर्स, 9993194005, महापालीः साहू ऑटोमोबाईल्स, 7746028455, लखनपुरः पीएन ऑटोमोबाइल्स, 8839193005, बटौलीः इच्छा ऑटोमोबाइल्स, 8770232677, कुसमीः बोल्बम ऑटो, 8120191597, विश्रामपुरः खुशी ऑटोमोबाइल, 9826775718, झरगांवः ऐबानी मोटर्स, 7849000000, रामानुजनगरः जयसवाल ऑटो, 9926015773, बलंगीः नमो ऑटोमोबाइल्स, 9977876863, भैयाथानः आनंद ऑटोमोबाइल्स, 9977221111, प्रेमनगरः मानस ऑटोमोबाइल्स, 9131301594, लोरमीः महेश मोटर्स, 7974700929, खैरागढ़ः पुष्पक बिक्री, 9425554343, भानपुरीः अपराशा ऑटोमोबाइल्स, 9981009491, ऐडिशनल वर्कशॉपः अम्बिकापुरः आनंद ऑटोमोबाईल्स, देवीगंज 7771008601/9289922359, जेन्युइन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करेंः अधिकृत स्टॉकिस्टः ओरियन ऑटोव्हील्स 07752-252088, अधिकृत सिटी वर्कस्ः उरगाः बालाजी सर्विस स्टेशन 279600, डीलर एक्सटेंशन काउंटरः बिलासपुर (सकरी) सत्या सर्विसेज़, 9111107951, गैलेक्सी हीरो (जगमल चौक) 8085152612, चम्पाः आनंद हीरो 7909901444, कोरबाः शांति हीरो, 7440299000 **Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler)** बिलासपुरः सत्या हीरो 9289922464, खड़गांवः बंसल ऑटो एजेंसी 7000103415.

RS/Hero/07/26

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

संसद में हंगामा, सड़क पर बवाल, धरनास्थल से हटाए गए राहुल और अखिलेश

- राहुल गांधी प्रदर्शन के दौरान हाथ बांधे नजर आए
- पुलिस अधिकारी भी उन्हें धरना खत्म करने के लिए समझाते दिखे
- कर्नाटक के मुख्यमंत्री शिवकुमार धरने पर पहुंचे

नीट की लड़ाई, पीएम के घर तक आई

प्रधानमंत्री आवास के निकट कांग्रेस का धरना, राहुल और प्रियंका समेत कई नेता हिरासत में लिए गए

नीट और उससे जुड़े मुद्दों पर संसद के मानसून सत्र में सरकार और कांग्रेस के बीच टकराव और गहरा गया है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी नेताओं ने प्रधानमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन किया और संसद में चर्चा की मांग उठाई। पीएम आवास के पास मंगलवार दोपहर साढ़े तीन बजे धरने पर बैठे कांग्रेसियों को पुलिस शाम साढ़े 6 बजे उठाकर ले गई। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव समेत कई नेता को हिरासत में ले लिया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और कई अन्य कांग्रेस नेताओं ने छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई के विरोध में मंगलवार को प्रधानमंत्री आवास के निकट धरना दिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्तीफे की मांग की। बाद में पुलिस ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव और कई अन्य नेताओं को हिरासत में लिया और उन्हें बस में बैठाकर ले जाया गया। बस में बैठाने के दौरान प्रियंका गांधी ने प्रतिरोध भी किया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी इस धरना में ▶▶| शेष पेज 6 पर

फिर जंतर-मंतर पहुंचे छात्र और समर्थक

कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) की ओर से आयोजित संसद मार्च के एक दिन बाद मंगलवार को सैकड़ों छात्र और समर्थक फिर जंतर-मंतर पहुंचे। उनका कहना है कि पुलिस के बल प्रयोग की कार्रवाई ने आंदोलन को कमजोर करने के बजाय और मजबूत किया है तथा वे अपना आंदोलन जारी रखेंगे। दोपहर में जंतर-मंतर का प्रदर्शन स्थल छात्रों, उनके अभिभावकों और समर्थकों से खचाखच भर गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने मेडिकल की प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी में कथित अनियमितताओं को लेकर नारेबाजी की और केंद्रीय शिक्षा ▶▶| शेष पेज 6 पर

खड़गे का जन्मदिन और सीक्रेट प्लानिंग

मंगलवार को सुबह से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जैसे बड़े नेताओं ने सोशल मीडिया पर खड़गे को जन्मदिन की बधाई दी। लेकिन इसके तुरंत बाद खड़गे ने ऐलान किया कि वे छात्र प्रदर्शनकारियों पर हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में जन्मदिन नहीं मनाएंगे। दोपहर में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत कई बड़े कांग्रेस नेता खड़गे के सरकारी आवास पहुंचे। सुरक्षा एजेंसियों और मीडिया को यही लगा कि नेता केवल खड़गे को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए जुटे हैं। खड़गे के आवास से प्रधानमंत्री आवास की दूरी महज 1 किलोमीटर है। बैठक खत्म होते ही सभी नेता गाड़ियों में बैठने के बजाय अचानक पैदल ही मार्च करते हुए सड़क पर निकल पड़े।
दूरी कम होने के कारण जब तक दिल्ली पुलिस और सुरक्षा बल एक्टिव होते और बैरिकेड्स लगाते, तब तक कांग्रेस नेता पीएम

भूपेश-फूलोदेवी भी शामिल: दिल्ली में हुए इस प्रदर्शन में छत्तीसगढ़ की राज्यसभा सांसद फूलोदेवी नेताम, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी शामिल हुए। पूर्व सीएम बघेल ने एक्स पर अपनी फोटो शेयर करते हुए लिखा, नरेंद्र मोदी इस्तीफ़ा दो! प्रधानमंत्री आवास के बाहर से पुलिस ने हमारे वरिष्ठ नेताओं के साथ मुझे भी बस में बैठा लिया है। एयरपोर्ट की तरफ़ कहीं लेकर जा रहे हैं। दिल्ली पुलिस ने मेरा एक जूता भी ले लिया है।

संसद में हंगामा

दोनों सदन दिनभर के लिए स्थगित

मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को भी नीट-यूजी पेपरलीक और राम मंदिर चंदा चोरी जैसे मुद्दों पर संसद के दोनों सदनों में विपक्ष का हंगामा जोरदार अंदाज में जारी रहा। लोकसभा में प्रश्नकाल और शून्यकाल दोनों बाधित हुए और कार्रवाई को दो बार के स्थगन के बाद दोपहर 2 बजकर 4 मिनट पर दिनभर के लिए (बुधवार 11 बजे तक) स्थगित कर दिया गया। सुबह 11 बजे कार्रवाई की शुरुआत के साथ ही कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष के अन्य दलों के सांसदों ने पोस्टर, बैनर लेकर सदन के भीतर लोकसभा ▶▶| शेष पेज 6 पर

वांगचुक मेदांता शिफ्ट

उधर, सोनम वांगचुक को मेदांता हॉस्पिटल शिफ्ट कर दिया गया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में शिफ्ट करने की अनुमति दे दी है। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की खंडपीठ ने वकीलों और डॉक्टरों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि मेदांता के डॉक्टर उनका इलाज करेंगे और सफदरजंग अस्पताल के सभी मेडिकल रिकॉर्ड तुरंत मेदांता को उपलब्ध कराए जाएंगे। मेदांता के डायरेक्टर की ओर से डॉक्टरों का एक पैनल भी गठित किया जाएगा।

एनडीए की बैठक में बोले प्रधानमंत्री

नीट पेपर लीक के जिम्मेदारों को कड़ी से कड़ी सजा मिले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के संसदीय दल की बैठक में परीक्षा पेपर लीक में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और देश के युवाओं के हितों की रक्षा करने के सरकार के संकल्प को दोहराया। प्रत्येक मंगलवार को होने वाली एनडीए की यह बैठक 'मंगल मिलन' के नाम से जानी जाती है। संसद भवन के जीएमसी बालयोगी ऑडिटोरियम में हुई इस बैठक के बारे में जानकारी देते हुए संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मीडिया को प्रधानमंत्री के संबोधन की प्रमुख बातों ▶▶| शेष पेज 6 पर

पेपरलीक के दोषी जेल भेजे गए

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन्होंने पेपरलीक किया है और जो दोषी पाए गए हैं, उनको जेल में डाला गया है। उन्होंने अपील की है कि उनकी जो सजा है उसको सख्त से सख्त सजा कैसे दिया जाए उसमें टॉप क्लास के वकील भी साथ दें, ताकि पेपर लीक का जो पाप उन्होंने किया है उसमें उन्हें सख्त सजा मिले। रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन मुक्त व्यापार समझौतों के बारे में भी बात की जो भारत ने कई देशों के साथ किए हैं। बैठक के दौरान, मोदी ने कहा कि हर मुक्त व्यापार समझौते में भारतीय किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि ऐसे सभी समझौते किसानों के कल्याण और राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर किए गए हैं।

विक्षपी दलों से संसद में मांगा सहयोग

संसदीय कार्य मंत्री ने बताया कि संसद के मॉनसून सत्र का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि एनडीए विधेयकों को पारित कराने में रचनात्मक और सकारात्मक भूमिका निभाएगा। रिजिजू ने विपक्षी दलों से संसद में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि भले ही राजनीतिक मतभेद हों, लेकिन सभी सांसद देश की सेवा करने, उसके भविष्य की रक्षा करने और युवाओं के कल्याण के लिए काम करने के लिए चुने गए हैं। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से व्यापक राष्ट्रीय हित में मिलकर काम करने का आह्वान किया।

शिक्षक का अपहरण

कन्नौज। सरकारी स्कूल के एक शिक्षक का अपहरण कर फिरौती मांगने वाले गिरोह के तीन आरोपियों को कन्नौज जिले की सदर कोतवाली पुलिस, एसओजी एवं सर्विलांस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर लिया है।

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹108488/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹132500/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹144637/-
Live Rate आनंद ज्वेल्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।
aNaND Jewels
Pandri, Raipur
*Conditions apply

खबर संक्षेप

भिलाई संयंत्र की क्षमता 68 लाख से 1.02 करोड़ टन

नई दिल्ली। इस्पात राज्य मंत्री भूपति राजू श्रीनिवास ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने अपनी मुख्य इकाई- भिलाई इस्पात संयंत्र की क्षमता 68 लाख टन प्रति वर्ष से बढ़ाकर 1.02 करोड़ टन प्रति वर्ष करने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इस पर जिस पर अनुमानित लागत 31,000 करोड़ रुपये आएगी। सरकार ने मंगलवार को लोकसभा को यह जानकारी दी।

घर में आग, महिला और दो बेटियों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली में लोधी रोड स्थित बीके दत्त कॉलोनी के एक घर में मंगलवार को आग लगने से एक महिला और उसकी दो नाबालिग बेटियों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान आकांशा शर्मा (40), 12 वर्षीय आराध्या (मित्ज़ी) और आठ वर्षीय मिहिका (रित्ज़ी) के रूप में हुई है। घर में आग लगने की सूचना सुबह करीब 10 बजकर 20 मिनट पर मिली, जिसके बाद दमकल की तीन गाड़ियों को मौके पर भेजा गया।

भाजपा का मिशन 2028- पहली बार बूथ स्तर के पदाधिकारियों को दिया जाएगा आई कार्ड

शिव प्रकाश की दो टूक- जिलों के प्रभारी से समन्वय बनाकर काम करें प्रभारी मंत्री

सत्ता-संगठन पर मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

सत्ता और संगठन के बीच समन्वय को लेकर भाजपा का राष्ट्रीय संगठन बहुत गंभीर है। यही वजह है कि राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश ने प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक में दो टूक कहा, जिलों के प्रभारियों के साथ मिलकर प्रभारी मंत्रियों को काम करना है। प्रभारी मंत्रियों से हर माह जिले की कोर ग्रुप की बैठक में भी रहने को कहा गया है। समन्वय बनाए रखने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और डिप्टी सीएम अरुण साव को जिम्मेदारी भी दी गई है। मिशन 2028 की तैयारी के लिए पहली बार बूथ स्तर के आधा दर्जन पदाधिकारियों को पार्टी का आई कार्ड देने का भी फैसला किया गया है। कोर ग्रुप की बैठक में भी सत्ता और संगठन ▶▶| शेष पेज 6 पर

कोर ग्रुप में भी सत्ता-संगठन के समन्वय पर चर्चा

कोर ग्रुप की बैठक में भी सत्ता और संगठन के बीच तालमेल को लेकर चर्चा की गई। कुछ समय पहले ही मुख्यमंत्री निवास में सभी मंत्रियों की बैठक सत्ता और संगठन में तालमेल को लेकर की गई थी। इस बैठक में संगठन की तरफ से प्रदेश के संगठन महामंत्री पवन साय और क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल शामिल हुए थे। कोर ग्रुप में इस बात को लेकर चर्चा की गई कि सत्ता और संगठन के बीच तालमेल बनाकर काम करना है। संगठन को मजबूत करने के लिए सभी को काम करने ही नसीहत दी गई है। हर घर तिरंगा अभियान को लेकर भी चर्चा की गई कि इसमें सरकार की तरफ से क्या होगा और संगठन की इसमें क्या भूमिका रहेगी। कोर ग्रुप की बैठक में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, मुख्यमंत्री ▶▶| शेष पेज 6 पर

कोर ग्रुप की बैठक में रहें प्रभारी मंत्री

राष्ट्रीय संगठन के निर्देश पर अब हर माह बूथ लेकर जिला और प्रदेश स्तर पर लगातार बैठक करने का फैसला किया गया है। इसको लेकर शिव प्रकाश ने साफ कहा, जिलों के लिए यह जरूरी है कि जिलों के प्रभारियों के साथ वहां के प्रभारी मंत्री समन्वय बनाकर काम करें। कार्यकर्ता का खास ध्यान रखना जरूरी है। कार्यकर्ताओं का काम रुकना नहीं चाहिए, उसको प्राथमिकता से किया जाए। इसी के साथ प्रभारी मंत्रियों से जिलों की कोर ग्रुप की बैठक में अनिवार्य रूप से रहने के लिए कहा गया।

बिटगेट वॉलेट में करा रहे थे निवेश, फरार आरोपियों की तलाश जारी

सरगुजा में क्रिप्टो करंसी के नाम पर ठगी खेल, गिरोह के पांच गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

सरगुजा में क्रिप्टो करेंसी के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। लोगों को सेमिनार में बुलाकर लाखों रूपए की कमाई का लालच देकर क्रिप्टोकरेंसी में निवेश कराया जा रहा है। फिलहाल इस मामले में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। बड़ी बात यह है कि आरोपी नेपाल से ट्रेनिंग लेकर आए हैं और लोगों को सेमिनार में बुलाकर ठगी का शिकार बना रहे हैं। ऐसे में समय रहते पुलिस ने इस गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए आरोपियों को पकड़ा है जबकि अन्य की ▶▶| शेष पेज 6 पर

नेपाल से आए थे ट्रेनिंग करके

पुलिस की जांच में बात सामने आई कि आरोपी नेपाल से ट्रेनिंग करके आए है। नेपाल में उन्होंने अपनी ट्रेनिंग में जो कुछ भी सीखा है उसके आधार पर सरगुजा में सेमिनार कर लोगों से दस दस हजार रूपए का निवेश कराकर अपने नीचे जोड़ने का काम कर रहे है। त्रिपाल के कहे पर विद्याचरण ने भी अपने दस हजार रुपए बिटगेट वॉलेट में लगाए थे। सेमिनार में आरोपियों ने बताया कि आरोपी को त्रिभुवन साहू व रमाशंकर साहू के बताए अनुसार प्लेटफार्म से क्रिप्टो करेंसी खरीदकर होल्ड करके रखते है उससे आरोपियों को बीच-बीच में 1000, 2000, 3500 रुपए 5 दिन व 10 दिन में मुनाफा होता है। इस प्लेटफार्म में अधिकतम समय तक अपने क्वाईन को होल्ड रखने से उतना ही ज्यादा मुनाफा होता है। पुलिस ने ▶▶| शेष पेज 6 पर

इस तरह करा रहे थे निवेश

आरोपियों ने पुलिस को बताया कि बिलासपुर निवासी त्रिभुवन साहू और रमाशंकर साहू द्वारा उन्हें क्रिप्टो करेंसी बिटगेट वालेट में निवेश करने के लिए जानकारी देने के साथ ही बिलासपुर में ही कई प्रशिक्षण दिया गया। इस गिरोह में लोगों को जोड़ने और क्रिप्टो करेंसी खरीदने के लिए राजी करने के बाद उसके मोबाइल फोन पर प्ले स्टोर में जाकर बिटगेट वालेट एप्लीकेशन डाउनलोड करवाकर उससे नकद फोन पे के माध्यम से 100, 200, 1000, 5000 पैसा लेकर उनको उक्त पैसा के बदले में उतने ही कीमत का क्रिप्टो करेंसी खरीदकर न्यू वालेट क्रिएट कर उनके रिसिविंग एड्रेस पर टोकन ट्रांसफर करता है तथा जिसमें बिनांस आईडी के माध्यम से रजिस्टर कर केवाईसी वैरिफाइड कर क्रिप्टो करेंसी से आईएनआर इंडियन रूपीस आई एनआर से क्रिप्टो करेंसी में कन्वर्ट होता है तथा क्वाईन को होल्ड करके रखता है, जब उसको जरूरत पड़ने पर बेच सकता है या पैसा निकाल सकता है, जिसमे कोई लॉकिन पीरियड नहीं रहता है।

चिंतन

अधिक संवेदनशील बने सरकार और विपक्ष

देश में पेपर लीक की घटनाओं को लेकर छात्र कई दिनों से जंतर-मंतर पर आंदोलनरत हैं। वहीं, किसानों ने भी अमेरिका से प्रस्तावित कृषि व्यापार समझौता (इंडिया-यूएस ट्रेड डील) को लेकर दिल्ली के किसान घाट पर महापंचायत का ऐलान किया है। इन आंदोलनों पर सरकार और विपक्ष को और अधिक संवेदनशील होना होगा। हालांकि सरकार द्वारा पेपर लीक के दोषियों पर सख्त कार्रवाई के संकेत मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसे 'घोर पाप' और 'राष्ट्रीय चिंता' का विषय बताया है। एनडीए संसदीय दल की बैठक में उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ कोई खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। हालांकि केवल कार्रवाई की घोषणा भर पर्याप्त नहीं है। छात्रों का विश्वास तभी लौटेगा, जब भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, सुरक्षित और समयबद्ध होगी। बार-बार पेपर लीक होने से लाखों युवाओं की मेहनत, समय और मानसिक संतुलन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वर्षों तक तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा रद्द होने, दोबारा परीक्षा कराने और भर्ती प्रक्रियाओं में देरी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए सरकार को तकनीकी सुरक्षा बढ़ाने, परीक्षा एजेंसियों की जवाबदेही तय करने और दोषियों को शीघ्र एवं कठोर दंड दिलाने की दिशा में निरंतर प्रयास करने होंगे। इससे युवाओं में व्यवस्था के प्रति भरोसा मजबूत होगा। वहीं, लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। उसकी जिम्मेदारी केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि जनता की वास्तविक समस्याओं को रचनात्मक ढंग से उठाना भी है। छात्रों और किसानों जैसे संवेदनशील वर्गों के मुद्दों पर विपक्ष को तथ्यों के आधार पर सरकार से जवाब मांगना चाहिए और समाधान के लिए सकारात्मक सुझाव भी देने चाहिए। किसानों की चिंताओं को भी गंभीरता से समझने की आवश्यकता है। अमेरिका के साथ प्रस्तावित कृषि व्यापार समझौते को लेकर किसानों के मन में यह आशंका है कि इससे उनकी आय, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), कृषि बाजार और घरेलू उत्पादन प्रभावित हो सकते हैं। यदि किसानों के मन में किसी प्रकार की शंका है, तो सरकार का दायित्व है कि वह उनसे सीधे संवाद करे, समझौते के प्रावधानों की स्पष्ट जानकारी दे और यह भरोसा दिलाए कि किसी भी निर्णय में किसानों के हितों की अनदेखी नहीं होगी। दूसरी ओर, किसानों को भी अपनी मांगों को लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से रखने के साथ-साथ वार्ता को प्राथमिकता देनी चाहिए। आंदोलन लोकतंत्र का अधिकार है, लेकिन स्थायी समाधान बातचीत, आपसी विश्वास और सहमति से ही निकलते हैं। सरकार और किसान संगठनों के बीच नियमित संवाद की व्यवस्था बने, ताकि किसी भी विवाद को समय रहते सुलझाया जा सके और टकराव की स्थिति पैदा न हो। युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति और उम्मीद हैं, वहीं किसान देश के अन्नदाता। यदि इन दोनों वर्गों में असंतोष बढ़ता है, तो उसका असर केवल राजनीति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था, सामाजिक स्थिरता और विकास पर भी पड़ता है। इसलिए सरकार और विपक्ष दोनों को अपने राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर इन वर्गों की भावनाओं, अपेक्षाओं और समस्याओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। जब सरकार, विपक्ष, छात्र और किसान सभी संवाद तथा सहयोग का मार्ग अपनाएंगे, तभी लोकतंत्र मजबूत होगा और देश का विकास अधिक संतुलित एवं समावेशी बन सकेगा।

मुद्दा
प्रमोद भार्गव

बलूचिस्तान में स्वघोषित आजादी

बलूच नेता मीर यार बलूच और कुछ पाकिस्तान से आजादी की लड़ाई लड़ रहे संगठनों ने बलूचिस्तान को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया है। अपना नया झंडा और राष्ट्रगान जारी करते हुए सरकार बना लेने का दावा भी किया है। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाकों ने 27 पुलिसकर्मियों का अपहरण कर हत्या कर दी है। इससे बलूच आंदोलन उत्साहित हुआ है और वे जल्द कानूनी रूप में आजादी मिलने की उम्मीद करने लगे हैं। पाक के सामने अब बड़ी दिक्कत यह आ रही है कि बीएलए को इजरायली खुफिया एजेंसियों से धन, तकनीक और आधुनिक संचार उपकरण मिल रहे हैं। बलूच कार्यकर्ताओं ने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देने की अपील भी कर दी है।

रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान के नाम से सोशल मीडिया पर एक स्वघोषित बयान और पत्र वायरल हुए हैं, जिसमें बलूच नेता मीर यार बलूच और कुछ पाकिस्तान से आजादी की लड़ाई लड़ रहे संगठनों ने बलूचिस्तान को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया है। अपना नया झंडा और राष्ट्रगान जारी करते हुए सरकार बना लेने का दावा भी किया है। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाकों ने 27 पुलिसकर्मियों का अपहरण कर हत्या कर दी है। इससे बलूच आंदोलन उत्साहित हुआ है और वे जल्द कानूनी रूप में आजादी मिल जाने की उम्मीद करने लगे हैं। हालांकि इस हत्याकांड के बाद पाक सेना ने बलूचिस्तान में फ्रंटियर कोर, पुलिस व आतंकवाद निरोधक बल के साथ ऑपरेशन शाबान शुरू कर दिया है।

पाक के सामने अब बड़ी दिक्कत यह आ रही है कि बीएलए को इजरायली खुफिया एजेंसियों से धन, तकनीक और आधुनिक संचार उपकरण मिल रहे हैं। पाक सेना ने लड़कों के पास से स्टारलिंग उपकरण जब्त किए हैं। पाक सेना का यह भी आरोप है कि अफगानिस्तान बीएलए को विद्रोही बलूचों ने करीब 85 प्रतिशत बलूचिस्तान की भूमि पर काबिज होने का दावा किया है। बलूच कार्यकर्ताओं ने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देने की अपील भी कर दी है। यह पाकिस्तान का वह प्रमुख क्षेत्र है, जहां से चीन-पाक आर्थिक गलियारा गुजर रहा है। इसकी सुरक्षा और भविष्य को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। यही वह क्षेत्र है, जहां अत्यंत दुर्लभ खनिज एवं प्राकृतिक गैसें उपलब्ध हैं। यही पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। बलूचिस्तान प्रांत में लंबे समय से स्वतंत्रता की जो लड़ाई चल रही है, वह अब सफलता के शिखर पर है। बलूचिस्तान को नए देश के रूप में मान्यता मिल जाती है तो 1971 के बाद पाकिस्तान की भूमि पर दूसरा बड़ा विभाजन दिखाई देगा। 1971 में भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश की मुक्ति वाहिनी सेना को सैनिक मदद देकर पाक के दो टुकड़े कर दिए थे। अब बलूच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप की मांग करते हुए दिल्ली में बलूचिस्तान का दूतावास खोलने की मांग कर रहे हैं। प्रसिद्ध लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता मीर यार बलूच वहां के लोगों के अधिकारों की वकालत के लिए जाने जाते हैं। बलूचों ने संयुक्त राष्ट्र से बलूचिस्तान में शांति रक्षक बल भेजने और पाक सेना को बलूच सीमा क्षेत्र से बाहर कर देने का आग्रह भी किया है। बलूचों की स्वतंत्रता की संभावना का अहसास पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी ने भी जताया है। उनका कहना है कि बलूचिस्तान पर अब सेना और सरकार का नियंत्रण ढीला पड़ रहा है। यहां के हालात इतने खराब हैं कि सरकारी मंत्री तक बाहरी सुरक्षा के बिना बाहर नहीं निकल सकते हैं। सेना के जवान अपने ही देश में बंकरों में छिपे हैं। बलूचिस्तान में विद्रोह की आग चरम पर है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी आजादी की मांग करने वाला सबसे पुराना सशस्त्र अलगाववादी संगठन है। यह संगठन पहली बार 1970 में अस्तित्व में आया था। इसने जुल्फिकार अली भुट्टो के कार्यकाल में बलूचिस्तान प्रांत में सशस्त्र विद्रोह का शंखनाद कर किया था। कालांतर में सैनिक तानाशाह जिया उल हक द्वारा सत्ता हथियाने के

बाद बलूच नेताओं के साथ बातचीत हुई, जिसके परिणामस्वरूप संघर्ष विराम की स्थिति बन गई थी। नतीजतन बलूचिस्तान में सशस्त्र विद्रोह खत्म हो गया था और बीएलए का भी कोई वजूद नहीं रह गया था। किंतु कारगिल युद्ध के बाद सैन्य तानाशाह जनरल परवेज मुशर्रफ ने नवाज शरीफ का तख्तापलट कर सत्ता हथिया ली। इसके बाद मुशर्रफ के संकेत पर साल 2000 में बलूचिस्तान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नवाबमिरी की हत्या कर दी गई और मुशर्रफ ने कुटिल चतुराई बरतते हुए पाक सेना से इस मामले में आरोपी के रूप में बलूच नेता खेरबक्ष मिरी को गिरफ्तार करा दिया। इसके बाद फिनिक्स पक्षी की तरह बीएलए फिर उठ खड़ा हुआ। जगह-जगह हमले शुरू हो गए।

साल 2020 में एकाएक बीएलए की ताकत बढ़ गई और बलूचिस्तान के सरकारी प्रतिष्ठानों तथा सुरक्षाबलों पर हमलों की संख्या बढ़ती चली गई। बीएलए बलूचिस्तान में चीन के प्रभाव को किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करता है। उसका मानना है कि चीन बलूचिस्तान की प्राकृतिक संपदा को हड़पने का काम कर रहा है। इसी नजरिए से ग्वादर बंदरगाह को विकसित करने के साथ एक बड़ा चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा भी बना रहा है। दरअसल, भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के समय बलूचिस्तान को बलूचों की इच्छा के बिना बंदूक के जोर पर पाकिस्तान ने कब्जा कर लिया था। जबकि वे स्वयं को एक स्वतंत्र देश के रूप में देखना चाहते थे। अतएव पाक की स्वतंत्रता के समय से ही बलूचों का संघर्ष पाक सरकार और सेना से निरंतर बना हुआ है। बीएलए जब साल 2000 में वजूद में आया था, तब इसके लड़ाकों की संख्या 6000 से भी ज्यादा थी। सरदार अकबर खान बुगती एक समय बलूचिस्तान के सर्वमान्य नेता रहे हैं। इसीलिए वे बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री भी रहे थे। 26 अगस्त 2006 को पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने उनकी हत्या कर दी थी। तभी से यह संगठन पाक सेना से लोहा ले रहा है। वर्तमान में बलूच अलगाववादी और तालिबान के बीच निरंतर निकटता बढ़ रही है। वैसे भी अफगानिस्तान में तालिबानी शासन के काबिज होने के बाद से पाकिस्तान में आतंकी घटनाएं बढ़ गई हैं। पाक सरकार ने भी स्वीकार किया है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ही बलूच लड़ाकों को प्रशिक्षित कर रहा है। बलूचिस्तान प्रांत में अब महिलाओं ने भी बीएलए के साथ कंधे से कंधा मिलाकर बलूच नागरिकों के दमन चक्र के विरुद्ध मोर्चा खोल लिया है। इस सच्चाई को पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी स्वीकारा है। पाक की कुल भूमि का 43.6 फीसदी हिस्सा केवल बलूचिस्तान का है, लेकिन इसका विकास नहीं हुआ है। करीब 1 करोड़ 30 लाख की आबादी वाले इस हिस्से में सर्वाधिक बलूच हैं, पाक की कुल आबादी में इनकी छह प्रतिशत की भागीदारी है। इसका कुल क्षेत्रफल 3,47,190 वर्ग किमी है। यहां हिंदू, सिख और ईसाई भी रहते हैं। 1999 में परवेज मुशर्रफ सत्ता में आए तो उन्होंने बलूच भूमि पर सैनिक अड्डे खोल दिए। इसे बलूचों ने अपने क्षेत्र पर कब्जे की कोशिश माना और फिर से संघर्ष तेज हो गया। इसके बाद यहां कई अलगाववादी आंदोलन वजूद में आ गए। इनमें सबसे प्रमुख बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी है। वाशिंगटन में कार्यरत संस्था गिलगित-बलूचिस्तान नेशनल कांग्रेस के सेंग सिरिंग ने मोदी द्वारा उठाए, इस सवाल का समर्थन किया है कि 'पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और बलूचिस्तान में लोगों पर होने वाले जुल्म एवं अत्याचार के बाबत पाक को दुनिया के समक्ष जवाब देना होगा ? पाक तो जवाब देने वाला नहीं है, लेकिन भारत की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह बलूचिस्तान की स्वतंत्रता में भागीदार बने ?

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

राष्ट्रीय ध्वज दिवस
मोहित सिंगला

जब तिरंगे को मिली स्वतंत्र भारत की राष्ट्रीय पहचान

भारत का राष्ट्रीय ध्वज केवल तीन रंगों का कपड़ा नहीं, बल्कि स्वतंत्रता, स्वाभिमान, बलिदान और राष्ट्रीय एकता का जीवंत प्रतीक है। आज जिस तिरंगे के नीचे पूरा देश गर्व से एकजुट होता है, उसे स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में आधिकारिक मान्यता 22 जुलाई 1947 को मिली थी। इसी दिन संविधान सभा ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्वराज ध्वज को कुछ महत्वपूर्ण परिवर्तनों के साथ स्वतंत्र भारत का राष्ट्रीय ध्वज स्वीकार किया। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन था ध्वज के मध्य स्थित चरखे के स्थान पर अशोक चक्र को अपनाना, जिसने राष्ट्रध्वज को व्यापक, सार्वभौमिक और लोकतांत्रिक पहचान प्रदान की। यह निर्णय स्वतंत्रता प्राप्ति से मात्र तीन सप्ताह पहले लिया गया था, लेकिन इसका महत्व आज भी उतना ही प्रासंगिक है। यह केवल ध्वज का चयन नहीं था, बल्कि उस नए भारत की विचारधारा का चयन था, जो लोकतंत्र, समानता, न्याय और निरंतर प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध था। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज की यात्रा लंबे संघर्ष और अनेक राष्ट्रभक्तों के प्रयासों से होकर गुज़री है। वर्ष 1906 में कलकत्ता में पहली बार राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इसके बाद 1907 में सुश्री भीकाजी कामा ने जर्मनी के स्टुटगार्ट में अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय ध्वज को प्रदर्शित कर विश्व का ध्यान भारत की स्वतंत्रता की आकांक्षा की ओर आकर्षित किया। वर्ष 1921 में आंध्र प्रदेश के स्वतंत्रता सेनानी पिंगली वेंकैया ने महात्मा गांधी के समक्ष राष्ट्रीय ध्वज का प्रारूप प्रस्तुत किया। गांधीजी के सुझाव पर उसमें चरखे को स्थान दिया गया, जो स्वदेशी, आत्मनिर्भरता और श्रम की गरिमा का प्रतीक था। बाद में 1931 में कांग्रेस ने केसरिया, सफेद और हरे रंग वाले तिरंगे को अपने आधिकारिक ध्वज के रूप में स्वीकार किया। यही ध्वज स्वतंत्रता आंदोलन का सबसे सशक्त प्रतीक बना और लाखों स्वतंत्रता सेनानियों ने इसे हाथों में लेकर अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष किया। जब भारत की स्वतंत्रता निश्चित हो गई, तब यह आवश्यक समझा गया कि राष्ट्रीय ध्वज किसी राजनीतिक संगठन का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करे। इसी उद्देश्य से 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा में राष्ट्रीय ध्वज संबंधी प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने इस प्रस्ताव को सभा के समक्ष रखते हुए कहा कि यह ध्वज स्वतंत्र भारत की आत्मा, उसकी एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतीक होगा। संविधान सभा ने सर्वसम्मति से इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। राष्ट्रीय ध्वज को अंतिम रूप देते समय चरखे के स्थान पर सारनाथ स्थित सम्राट अशोक के सिंह स्तंभ से प्रेरित अशोक चक्र को अपनाया गया। गहरे नीले रंग के इस चक्र की 24 तीलियां धर्म, न्याय, नैतिकता, सतत कर्म और निरंतर प्रगति का संदेश देती हैं। यह चक्र इस बात का प्रतीक है कि राष्ट्र को कभी ठहरना नहीं चाहिए, बल्कि निरंतर विकास और गतिशीलता की ओर अग्रसर रहना चाहिए। तिरंगे के प्रत्येक रंग का अपना विशिष्ट संदेश है। केसरिया रंग साहस, त्याग और बलिदान का प्रतीक है।

सफेद रंग सत्य, शांति और पारदर्शिता का संदेश देता है, जबकि हरा रंग समृद्धि, कृषि, पर्यावरण और विकास का प्रतीक माना जाता है। इन तीनों रंगों के मध्य स्थित अशोक चक्र राष्ट्र के जीवन में संतुलन, न्याय और निरंतर गति का संदेश देता है। 15 अगस्त 1947 को जब भारत स्वतंत्र हुआ, तब यही तिरंगा पहली बार स्वतंत्र राष्ट्र के ध्वज के रूप में फहराया गया। तभी से लेकर आज तक यह ध्वज देश की संप्रभुता, अखंडता और राष्ट्रीय गौरव का सर्वोच्च प्रतीक बना हुआ है। सीमाओं पर डटे सैनिकों का साहस, खिलाड़ियों की उपलब्धियां, वैज्ञानिकों की सफलताएं और प्रत्येक भारतीय की देशभक्ति इसी तिरंगे से प्रेरणा प्राप्त करती है। 22 जुलाई 1947 भारतीय इतिहास का वह स्वर्णिम दिवस है, जिसने भारत को केवल एक राष्ट्रीय ध्वज ही नहीं, बल्कि उसकी लोकतांत्रिक चेतना, सांस्कृतिक विरासत और भविष्य की दिशा का प्रतीक भी प्रदान किया। तिरंगा आज भी प्रत्येक भारतीय को यह संदेश देता है कि स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति कर्तव्य, समर्पण और निरंतर प्रगति का संकल्प भी है। जब-जब तिरंगा आकाश में लहराता है, वह हमें उन लाखों अमर बलिदानों की याद दिलाता है, जिनकी बदौलत भारत आज विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में गर्व से खड़ा है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

गलत सोच का चश्मा जल्दी उतार देना चाहिए

संकलित
दर्शन

जब सोच निषेधात्मक या गलत होती है, तब वह सुख को भी दुख में परिवर्तित कर देती है। गलत सोच का चश्मा जितनी जल्दी हो, उतार देना चाहिए। बुरे विचार जितना दूसरों का नुकसान करते हैं, उतना ही स्वयं का भी करते हैं। कारण अपनी ही सुरक्षा को लेकर डरा दिमाग ढंग से नहीं सोच पाता। हम स्वार्थी हो जाते हैं, केवल अपने बारे में ही सोचते हैं। कहा गया है कि आपके विचार वहां तक ले जाते हैं, जहां आप जाना चाहते हैं। पर कमजोर विचारों में दूर तक ले जाने की ताकत नहीं होती। हम जो हैं वह सब विचारों का फल है। जो हम सोचते हैं, वही बन जाते हैं। मनुष्य अपने कार्यों से दूसरों को नुकसान पहुंचाता है और अपने विचारों से स्वयं को। गलत सोच एवं अनैतिक कार्यों में लिप्त लोगों को धनवान और प्रतिष्ठित होते देख आदमी में नकारात्मक चिंतन जागता है। अपनी ईमानदारी उसे मूर्खतापूर्ण लगती है। वह पुनर्चिंतन करता है-क्या मिला मुझे आदर्शों पर चलकर? यह नकारात्मक चिंतन उसे भी गलत सोच के दलदल में उतार देता है। समाज में भ्रष्ट और बेईमान लोगों की उत्पत्ति इसी तरह के गलत विचारों के संक्रमण से हुई। इस तरह का गलत सोच हमारी दुनिया को छोटा कर देता है। भीतर और बाहरी दोनों ही दुनिया सिमट जाती हैं। तब हमारी छोटी-सी सफलता अहंकार बढ़ाने लगती है। थोड़ा-सा दुख अवसाद का कारण बन जाता है। कुल मिलाकर सोच ही गड़बड़ हो जाता है। अपने ही बोले हुए को सुनते रहना ज्यादा सीखने नहीं देता। हमारा चिंतन गुणों की ओर केंद्रित रहना चाहिए।

अच्छे कार्य करने से गुरु शिष्य को कभी न रोके

संकलित
प्रेरणा

दैत्यों के गुरु शुक्राचार्य बताए गए हैं। भगवान शिव ने शुक्राचार्य को मृत संजीवन विद्या दी थी। इस विद्या से शुक्राचार्य मरे हुए दैत्यों को फिर से जीवित कर देते थे। जब दैत्यराज बलि का राज था। तब एक दिन भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया और बलि के पास पहुंचे। बलि अपनी दानवीरता की वजह से बहुत प्रसिद्ध थे। वे किसी भी मांगने वाले को खाली हाथ नहीं जाने देते थे। राजा बलि उस समय यज्ञ कर रहे थे। बलि ने वामन देव को देखा तो वह उनके पास पहुंचा। वामन देव ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी। शुक्राचार्य वामन देव को पहचान गए थे कि ये विष्णु जी हैं। इसलिए उन्होंने बलि को दान देने से रोकना चाहा। राजा बलि ने अपने गुरु की बात नहीं मानी और वामन देव को दान देने के लिए तैयार हो गए। तब शुक्राचार्य राजा बलि के कमंडल में सूक्ष्म रूप में बैठ गए, जिससे की पानी बाहर न आए और राजा बलि भूमि दान करने का संकल्प न ले सकें। वामन भगवान जानते थे कि शुक्राचार्य बलि के कमंडल में बैठे हैं। उन्होंने बलि के कमंडल में एक तिनका डाल दिया, जिससे शुक्राचार्य की एक आंख फूट गई। इसके बाद शुक्राचार्य कमंडल से बाहर आ गए और बलि ने वामन देव को भूमि दान दे दी। अगर कोई गुरु अपने शिष्य को नेक काम करने से रोकता है तो उसे इसका बुरा फल भोगना पड़ता है।

अंतर्मन

आज की पाती

पेट की भूख मिटाने कोई गोली इजाद नहीं?

आधुनिक विज्ञान के इस युग में मानव ने अपने जीवन को सुखमय बनाने के लिए विलासिता की हर छोटी-बड़ी वस्तु का आविष्कार कर लिया है और जीवन को लगातार अधिक सुविधाजनक बनाता जा रहा है। लेकिन शरीर को तंदुरुस्त रखने के लिए पेट की भूख मिटाने वाली कोई चमत्कारी गोली आज तक नहीं खोजी जा सकी है। यही कारण है कि भोजन की आवश्यकता की पूर्ति के लिए मनुष्य को निरंतर कर्म करना पड़ता है। आधुनिक विज्ञान के इस युग में जब हर क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है, तब कृषि क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा। आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने से दुनिया के अनेक देशों में फसलों की बंपर पैदावार हो रही है। इसके बावजूद सवाल यह है कि भुखमरी के खिलाफ जंग कब जीतेगी दुनिया?

– रविंद्र चौहान, भाटापारा

करंट अफेयर

शुल्क नीति बहुत सफल रही और उपाय आएंगे सामने: ग्रीर

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने कहा कि देश की शुल्क (टैरिफ) नीति 'बेहद सफल' रही है और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन उन शुल्क उपायों की जगह नए उपाय लाने की योजना बना रहा है जिन्हें अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने रद्द कर दिया था। ग्रीर ने 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' को दिए साक्षात्कार में कहा कि ट्रंप प्रशासन ने पिछले एक साल में अमेरिका की 70 साल पुरानी व्यापार नीति को बदल दिया है और इन नए उपायों से व्यापार घाटा कम हुआ है और कारोबारों को दोबारा अमेरिका लाने में मदद मिली है। यह पूछे जाने पर कि क्या शुल्क प्रणाली से अच्छे नतीजे मिल रहे हैं, इस पर ग्रीर ने कहा, ' हां, बिल्कुल। मेरा मानना है कि हम बेहद सफल रहे हैं।' ग्रीर ने कहा कि प्रशासन ने इस संबंध में तेजी से कदम उठाए। प्रशासन ने अमेरिका के बढ़ते व्यापार घाटे को एक ऐसी आर्थिक आपात स्थिति माना जिसके लिए कड़े फैसले लेने की जरूरत थी। उन्होंने कहा, 'आखिरकार, हम व्यापार नीति बदलने में कामयाब हो रहे हैं। हम व्यापार घाटा कम करने में सफल हो रहे हैं। हम कारोबार को दोबारा अमेरिका वापस लाने में कामयाब हो रहे हैं। हम वेतन के मोर्चे पर भी बढ़त बना रहे हैं। हम इन सभी मोर्चों पर जीत रहे हैं।

ऑफ बीट

नींद में खलल से पक्षियों की आवाज में आता है बदलाव

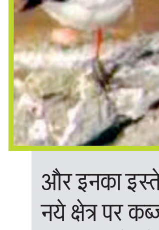

पक्षियों को भी नींद में खलल पड़ने पर तकलीफ होती है, और यह उनके गायन में भी दिखाई देता है। पक्षियों की आवाज असाधारण रूप से विविध होती है। यह साधारण आवाज, जैसे मुर्गा के कुकड़ू-कु, से लेकर अन्य ध्वनियों की जटिल नकल, कभी-कभी तो मानव आवाज की नकल तक होती है। यह आवाज पक्षियों के लिए अपने और अपने परिवेश के बारे में जानकारी साझा करने के वास्ते महत्वपूर्ण है। यह आमतौर पर छोटी और सरल होती है। इसका इस्तेमाल अक्सर सामाजिक संवाद के लिए किया जाता है, जैसे खतरे या भोजन का संकेत देना, रिश्तेदारों की पहचान के लिए या सामाजिक जुड़ाव बनाए रखने के लिए। गीत ज़्यादा जटिल और मधुर होते हैं और इनका इस्तेमाल साथी को आकर्षित करने, किसी क्षेत्र की रक्षा करने या नये क्षेत्र पर कब्जा करने के लिए किया जाता है। ऐसी ध्वनियां उत्पन्न करने के लिए, पक्षियों को मस्तिष्क, फेफड़े और गले की मांसपेशियों सहित कई शारीरिक प्रणालियों का समन्वय करना पड़ता है। चूंकि स्वर-निर्माण जटिल होते हैं और सटीक समय की आवश्यकता होती है, इसलिए उनमें त्रुटियां होने की संभावना अधिक होती है। कई प्रजातियों में, जो पक्षी अधिक बार और अधिक जटिलता से गाते हैं, वे बेहतर साथी आकर्षित कर सकते हैं।

ट्रेंड

मेरी संवेदनाएं

सिक्किम के नामची ज़िले में बन रही सुरंग के पास भूस्खलन से हुई कीमती जानों के नुकसान से मुझे गहरा दुख हुआ है। मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है।

- राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

भर्ती परीक्षा

झारखंड के युवाओं के भविष्य के साथ कब तक खिलवाड़ होता रहेगा? हेमंत सरकार के कार्यकाल में शायद ही कोई ऐसी भर्ती परीक्षा हुई हो जो बिना किसी विवाद के पूरी हुई हो। हर बार युवाओं की मेहनत, उम्मीदों और भविष्य के साथ अन्याय होता है।

- बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम, झारखंड

संवेदनहीनता

केंद्र सरकार एक महीने तक असंवेदनशील बनी रही और कोई बातचीत नहीं की। जब युवाओं ने सरकार तक अपनी बात पहुँचाने के लिए संसद तक मार्च करने का फैसला किया, तो पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले भी छोड़े।

- अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

सार्थक बातचीत

मुझे उम्मीद है कि हमारी सरकार सोनम वांगचुक और छात्र संगठनों के साथ सार्थक बातचीत शुरू करेगी ताकि उनकी सेहत और न बिगड़े! सोनम, कृपया अपना अनशन खत्म करें। आपकी सेहत भी उतनी ही ज़रूरी है जितनी कि यह लड़ाई।

- प्रीति ज़िंटा, फिल्म अभिनेत्री

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

बिलासपुर
बुधवार 22 जुलाई 2026
आषाढ़, शुक्ल पक्ष अष्टमी
वर्ष : 26, अंक : 121
पृष्ठ : 12+6 = 18 मूल्य : 4.00***

मौसम
अधि. 28.08
न्यून. 25.03

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

7 10 खेलों में सिमटा कॉमनवेल्थ हॉकी...

विचार पेज
2 बलूचिस्तान में स्वघोषित आजादी

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

नक्सल प्रभाव से मुक्त जिलों के सुरक्षा कैंप बनेंगे गुंडाधुर सेवा डेरा, यहां होगी जनसेवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

नक्सलवाद की काली छाया से मुक्त होने के बाद अब छत्तीसगढ़ के उन जिलों में हालात बदलने की तैयारी है जो कभी एलडब्ल्यूई यानी लेफ्ट एक्सट्रीम (वामपंथी उग्रवाद) से बुरी तरह जूझ रहे थे।

इन जिलों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए सुरक्षा कैंप (सीएपीएफ कैंप) बनाए गए थे। अब इन सुरक्षा कैंपों को गुंडाधुर सेवा डेरा बनाने की योजना पर राज्य सरकार ने काम शुरू किया है। इन सेवा डेरों में एक ही स्थान पर विभिन्न नागरिक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। बताया गया है कि सुरक्षा कैंपो की जगह गुंडाधुर सेवा डेरा बनाने के लिए 151 कैंपों का चयन किया गया है। यहां स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार समन्वित सेवा केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इसकी योजना बनाकर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को सौंपा गया है। यह विभाग शिविरों को गुंडाधुर सेवा डेरा के रूप में विकसित करने के लिए प्रारूप गाइडलाइन बना चुकी है। उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें तो इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय से ▶▶|शेष पेज 6 पर

वामपंथी उग्रवाद प्रभावित रहे जिलों की बदलेगी तस्वीर

ये है एक नई अवधारणा

शहीद वीर गुंडाधुर सेवा डेरा' छत्तीसगढ़ सरकार की एक नई अवधारणा है, जिसका उद्देश्य नक्सल प्रभावित और नक्सलवाद से मुक्त हो रहे बस्तर क्षेत्र में सुरक्षा कैंपों को जनसेवा केंद्रों में बदलना है। इस योजना का मूल विचार यह है कि जिन सुरक्षा कैंपों की स्थापना कभी नक्सलवाद से मुकाबले के लिए की गई थी, उन्हें अब धीरे-धीरे शहीद वीर गुंडाधुर सेवा डेरा के रूप में विकसित किया जाए, ताकि वे ग्रामीणों को सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराने के केंद्र बन सकें।

सेवा डेरा में क्या-क्या सुविधाएं होंगी?

सरकार की अवधारणा के अनुसार इन सेवा डेरों में एक ही स्थान पर विभिन्न नागरिक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जैसे—बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं। आधार कार्ड और अन्य पहचान दस्तावेजों से जुड़ी सेवाएं। आय, जाति, निवास सहित अन्य प्रमाण-पत्रों के लिए सहायता। राशन, पेंशन और अन्य सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं लाभ।स्वास्थ्य सेवाएं और चिकित्सा शिविर।शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार संबंधी सेवाएं।प्रशासनिक विभागों की नियमित जनसेवा गतिविधियां।

खबर संक्षेप

राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक के लिए पहुंचे सदस्य

अयोध्या। भगवान श्री रामलला मंदिर के दान में गबन के विवाद के बीच श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास (ट्रस्ट) की बुधवार को होने वाली दूसरी बैठक के लिए इसके सदस्य मंगलवार को अयोध्या पहुंचने लगे हैं। बैठक में शामिल होने के लिए ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देवगिरि और सदस्य विश्व तीर्थ प्रपन्नाचार्य, वासुदेवानंद सरस्वती और कार्यवाहक महासचिव कृष्ण मोहन मंगलवार दोपहर अयोध्या पहुंच गए हैं। ट्रस्ट के अनुसार, राम मंदिर परिसर में दोपहर तीन बजे एक विशेष बैठक तय की गई है।

एक-दूसरे को बचाने की कोशिश में दो भाई डूबे

जयपुर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में मंगलवार को एक कृत्रिम जलाशय (डिग्गी) में दो सगे भाइयों की डूबने से मौत हो गई। यह घटना सुबह रायसिंहनगर क्षेत्र के 56 एनपी गांव में हुई, जहां दोनों भाई खेत में काम कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि पाइप ठीक करते समय 20 वर्षीय राजदीप सिंह का पैर फिसल गया और वह पानी से भरी डिग्गी में गिर गया। छोटे भाई राजदीप के डिग्गी में गिरते ही बड़ा भाई 24 वर्षीय गुरजीत सिंह उसे बचाने के लिए तुरंत पानी में कूद गया, लेकिन गहरे पानी में दोनों डूब गए।''

बिजली कंपनी के अधीक्षण यंत्री के ठिकानों पर छापे

इंदौर। लोकायुक्त पुलिस ने सरकारी क्षेत्र की मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के एक अधीक्षण यंत्री के इंदौर, धार और मुरैना स्थित ठिकानों पर मंगलवार को छापे मारे। उनके तथा परिजनों से जुड़ी करीब 7.16 करोड़ रुपये की संपत्तियों एवं व्यय का खुलासा किया। पुलिस अधीक्षक राजेश सहाय ने बताया कि विद्युत वितरण कंपनी के इंदौर स्थित मुख्यालय में पदस्थ अधीक्षण यंत्री शिवराम सेमिल के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत मिली थी। शिकायत की जांच के बाद सेमिल के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम 2018 के तहत मामला दर्ज करके इंदौर, धार और मुरैना जिलों में नौ ठिकानों पर एक साथ छापे मारे गए। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि छापे के दौरान इंदौर में अधीक्षण यंत्री का तीन मंजिला आवास मिला जिसकी कीमत 1.20 करोड़ रुपये आंकी गई है।

गांजा तस्करों से संबंध महिला टीआई निलंबित

भुवनेश्वर। ओडिशा के डीजीपी वाई. बी. खुरानिया ने गांजा तस्करों से संबंधों के आरोप में बौध जिले की एक महिला पुलिस निरीक्षक को निलंबित कर दिया है। बौध जिले के मानमुंडा थाने की पूर्व प्रभारी निरीक्षक तथा वर्तमान में जिले में तैनात पुलिस निरीक्षक सुष्मिता मागर के खिलाफ गंभीर कदाचार और कर्तव्य में लापरवाही के आरोपों को लेकर विभागीय कार्यवाही प्रस्तावित है। उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। मानमुंडा थाने की प्रभारी निरीक्षक के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान सुष्मिता मागर पर गांजा तस्करों के साथ सांठगांठ रखने के आरोप लगे थे। आरोप सामने आने के बाद महिला पुलिस निरीक्षक का तबादला बौध जिला पुलिस कार्यालय कर दिया गया था। अब डीजीपी ने उन्हें निलंबित कर दिया है।

हिमाचल में अब तक 66 की मौत, गुवाहाटी में लैंडस्लाइड, असम में लाखों प्रभावित

उत्तरभारत में बारिश का कहर, सिक्किम के टनल में फंसे 10 मजदूरों की मौत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली/जम्मू/गंगटोक

देशभर में मानसून सक्रिय है। कई राज्यों में आफत की बारिश हो रही है। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश से हालात गंभीर बने हुए हैं। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश से मंगलवार को जनजीवन बुरी तरह प्रभावित रहा। राज्य में अब तक 66 लोगों की मौत हो चुकी है। 145 सड़कें बंद हैं। असम के गुवाहाटी में लैंडस्लाइड हुई। राज्य के 12 जिलों में 1.70 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। इधर, सिक्किम के नामची जिले में निर्माणाधीन सुरंग ढहने से 10 मजदूरों की मौत हो गई।

एक दिन पहले भूस्खलन से सिक्किम के नामची जिले में निर्माणाधीन सुरंग ढह गई थी। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने कहा कि झोलुंगे के समरडुंग में एनएचपीसी (नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन) तीस्ता चरण-छह जल विद्युत परियोजना के तहत निर्माणाधीन सुरंग भूस्खलन के कारण ढह गई। घटना के वक्त परियोजना अधिकारी और श्रमिकों समेत कुल 25 लोग सुरंग के अंदर फंसे हुए थे। तमांग ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उनसे फोन पर बात की और बचाव अभियान के बारे में जानकारी ली। नामची पुलिस ने एक बयान में कहा, मंगलवार सुबह साढ़े नौ बजे तक 10 शव बरामद किए गए। मृतकों में से छह की पहचान हो गई है, जबकि तीन अज्ञात शवों को जिला अस्पताल सिंगतम और सर थुटोब नामग्याल मेमोरियल (एसटीएनएम) अस्पताल ले जाया गया। जिन सात ▶▶|शेष पेज 6 पर

■ उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में चीन बॉर्डर तक जाने वाली सड़क पर अचानक पहाड़ी टूटी

सेना ने किया रेस्क्यू

सेना ने असम के बाढ़ प्रभावित गांवों में फंसे 571 लोगों को बचाया। ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों का जलस्तर बढ़ने से बड़े इलाके में पानी घुस आया है। असम के सिबसागर जिले में दारिका नदी के बाढ़ के पानी कई इलाकों तक पहुंच गया है। सड़कें पानी में डूब गई हैं और निचले इलाकों में दो-दो फीट तक पानी भर गया है।

छत्तीसगढ़ समेत इन राज्यों में अलर्ट

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ और ईस्ट उत्तर प्रदेश, गोवा और सेंट्रल महाराष्ट्र में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, उत्तराखंड, ओडिशा, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, दिल्ली, यूपी, बिहार, असम, मेघालय और सिक्किम में बारिश का यलो अलर्ट है। अरुणाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, झारखंड, केरलम के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

हिमाचल में भारी बारिश का कहर

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश को लेकर मौसम विभाग ने 'रेड' अलर्ट जारी किया, जिसके मद्देनजर मंगलवार को कांगड़ा, मंडी और सिरमौर जिलों में सभी स्कूल और कॉलेज बंद रहे। लगातार बारिश के कारण शिमला जिले के ठियोग, चंबा के सलूणी और कुल्लू के निरमंड में भी सभी शिक्षण संस्थान बंद कर दिए गए। मंगलवार को कांगड़ा जिले के शाहपुर उप-संभाग की बोह घाटी में भारी बारिश के कारण छह घर बह गए। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। खबरों के अनुसार, बादल फटने से सपेड़ी और गरुड़ गांवों में छह घर बह गए। लाम गांव पर भी खतरा मंडरा रहा है। गांवों तक जाने वाले कई रास्ते प्रभावित हुए हैं।

अमरनाथ यात्रा तीसरे दिन भी स्थगित

जम्मू-कश्मीर में लगातार बारिश और खराब मौसम के कारण बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों पर अमरनाथ यात्रा तीसरे दिन भी स्थगित रही।

ईरान के दावे से मचा हड़कंप

अमेजन के डेटा सेंटर पर क्रूज मिसाइल से हमला

एजेंसी ▶▶| दुबई

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया है कि उसने बहरीन में मौजूद अमेजन के एक बड़े डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर पर क्रूज मिसाइलों से हमला किया है। किसी भी कंपनी के डेटा सेंटर पर अटैक होता है तो सिर्फ उसका ही नुकसान नहीं होता, बल्कि उन कंपनियों पर भी असर पड़ता है, जो एडब्ल्यूएस की सर्विसेज यूज कर रही हैं। इससे पहले भी अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर अटैक किया था तो जवाबी कार्यवाई करते हुई कई अमेरिकी टेक कंपनियों को निशाना बनाया गया था। ज्यादातर बार टारगेट डेटा सेंटर्स ही होते हैं, क्योंकि इससे ज्यादा सर्विस डिसरप्शन होता है। अब तक इस दावे की किसी इंडिपेंडेंट एजेंसी ने पुष्टि नहीं की है। बहरीन सरकार, अमेरिका और अमेजन की ओर से भी इस पर ऑफिशियल बयान जारी नहीं किया गया है।

ईरान बोला- अमेरिका को जवाब

ईरान का कहना है कि यह हमला अमेरिका की हालिया सैन्य कार्रवाई के जवाब में किया गया है। आईआरसीजी के अनुसार अमेरिका ने एक दिन पहले ईरान के डारखोविन इलाके में बन रहे परमाणु संयंत्र से जुड़े ठिकानों पर हमला किया था। इसी के जवाब में उसने अमेरिकी हितों से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाया। ऐमेजॉन, बहरीन सरकार और अमेरिकी अधिकारियों ने भी खबर लिखे जाने तक कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं दिया है।

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव

यह घटना ऐसे समय सामने आई है, जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। हाल के दिनों में दोनों देशों के बीच कई सैन्य हमले हुए हैं। ईरान ने बहरीन, जॉर्डन और कुवैत में अमेरिकी हितों से जुड़े कई ठिकानों को निशाना बनाने का भी दावा किया है। दूसरी ओर अमेरिका ने भी जवाबी कार्रवाई जारी रखने की बात कही है।

बहरीन एक महत्वपूर्ण लोकेशन

बताते चलें कि बहरीन अमेजन वेब सर्विसेज के लिए एक महत्वपूर्ण लोकेशन है। कंपनी का मिडिल ईस्ट रीजन इसी देश से संचालित होता है, जिसका यूज कई कंपनियां अपनी वेबसाइट, ऐप और क्लाउड सेवाओं के लिए करती हैं। अगर इस तरह के किसी डेटा सेंटर को नुकसान पहुंचता है तो उसका असर कई ऑनलाइन सर्विसेज पर पड़ सकता है। फिलहाल ऐसे किसी असर की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

भारी हंगामे के बीच मप्र में यूसीसी बिल पास

'अवैध संतान' शब्द पर रोक निकाह-हलाला पर कानून

एजेंसी ▶▶| भोपाल

खास खबर

मध्य प्रदेश विधानसभा में मंगलवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक ध्वनिमत से पारित हो गया। सदन में विपक्ष के हंगामे के बीच मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सरकार का पक्ष रखते हुए कहा, जो हिंदू की बात करेगा, वही राज करेगा। समानता भारतीय संस्कृति का मूल है और भगवान की दृष्टि में सभी समान हैं, इसलिए कानून भी सभी नागरिकों के लिए एक जैसा होना चाहिए। यूसीसी लागू होने के बाद विवाह, तलाक, लिव-इन रिलेशनशिप, उत्तराधिकार और महिलाओं व बच्चों के अधिकारों से जुड़े कई नए प्रावधान लागू होंगे। कांग्रेस के लगातार हंगामे के बीच मुख्यमंत्री ने कहा कि यह विधेयक महिला सशक्तिकरण, सामाजिक समरसता और सामाजिक समानता का कानून है तथा सभी दलों से इसका समर्थन करने की अपील की।

नए बिल में शादी-तलाक को लेकर प्रावधान

समान नागरिक संहिता सभी समुदायों में केवल एक ही शादी (मोनोगैमी) को अनिवार्य बनाती है। कोई भी व्यक्ति एक समय में केवल एक ही जीवित जीवनसाथी के साथ शादीशुदा रह सकता है। मौखिक तलाक या अनौपचारिक पंचायत के फैसलों को पूरी तरह गैरकानूनी घोषित किया गया है। शादी और तलाक दोनों का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया गया है। तलाक के बाद उसी जीवनसाथी से दोबारा शादी करने के लिए 'निकाह-हलाला' जैसी अपमानजनक या नीचा दिखाने वाली शर्तों को मानना, बढ़ावा देना या मजबूर करना एक दंडनीय अपराध माना जाएगा।

अवैध संतान की अवधारणा समाप्त

बच्चों के अधिकार और कस्टडी को लेकर संहिता में 'अवैध संतान' की अवधारणा समाप्त कर दी गई है। विवाह, लिव-इन, गोद लेने, सरोगेसी या असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी (एआरटी) से जन्मे सभी बच्चों को समान कानूनी दर्जा मिलेगा। अभिरक्षा के मामलों में अदालत बच्चे के सर्वोत्तम हित को प्राथमिकता देगी।

लिव-इन का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य

लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़ों के लिए साथ रहने की शुरुआत के एक महीने के भीतर रजिस्ट्रार के पास लिव-इन रिलेशनशिप का बयान जमा करना कानूनी रूप से अनिवार्य होगा। पार्टनर्स की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए। बिना रजिस्ट्रेशन एक महीने से ज़्यादा साथ रहने पर 3 महीने तक की जेल या 10,000 जुर्माना हो सकता है। गलत जानकारी देने पर 3 महीने की जेल और 25,000 जुर्माना तथा रजिस्ट्रार के नोटिस के बाद भी बयान न देने पर 6 महीने तक की जेल और 25,000 का जुर्माना हो सकता है। लिव-इन से पैदा हुए बच्चों को वैध माना जाएगा और उन्हें पूर्ण उत्तराधिकार मिलेगा।

तीन तलाक बोलकर पत्नी व बच्चों को घर से निकाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजपुर

पत्नी को तीन तलाक बोलकर बच्चों सहित घर से निकालने वाले पति के खिलाफ राजपुर पुलिस ने जुर्म दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार भटगांव थाना अंतर्गत ग्राम मलगा निवासी 27 वर्षीय महिला का विवाह बरियो पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम आरा निवासी इस्तेयाक अंसारी आ. निशार अहमद (30 वर्ष) के साथ 16 मार्च 2017 को हुआ था। ग्राम आरा में पति एवं सास ससुर, जेठ-जेठानी का संयुक्त परिवार था। विवाह के एक वर्ष बाद पति तथा सास ▶▶|शेष पेज 6 पर

■ राजपुर पुलिस ने किया अपराध दर्ज

तीसरी बार गर्भवती होने पर विवाद

इस वर्ष जब तीसरी बार गर्भवती हुई, तो पति सहित परिवार के लोग गर्भ गिराने के लिए जबरन बोलने लगे और जब मना किया तो 7 फरवरी को पति इस्तेयाक अंसारी ने मारपीट करने के साथ एक साथ तीन बार तलाक बोलकर दोनों बच्चों सहित उसे घर से बाहर कर दिया। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने पति इस्तेयाक अंसारी, सास जैतून निशा एवं ससुर नेशार अहमद के विरूद्ध मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण अधिनियम 2019 की धारा 4 एवं धारा 85 के तहत अपराध दर्ज किया है।

सरेंडर करो या रद्द कर देंगे जमानत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2025 में मेघालय में हनीमून के दौरान अपने पति की हत्या के मामले में आरोपी सोनम रघुवंशी के आचरण पर मंगलवार को सवाल उठाए और सुझाव दिया कि वह आत्मसमर्पण कर मुकदमे का सामना करे। इंदौर की रहनेवाली सोनम रघुवंशी को उसके कारोबारी पति राजा रघुवंशी की हत्या के सिलसिले में पिछले वर्ष जून में गिरफ्तार किया गया था। दंपति 23 मई, 2025 को मेघालय के सोहरा क्षेत्र में घूमने के दौरान लापता हो गया था। दो जून, 2025 को राजा रघुवंशी का शव खाई से बरामद हुआ था।

■ राजा रघुवंशी हत्याकांड : सुप्रीम कोर्ट ने सोनम को दी वार्निंग

सोनम रघुवंशी पर आरोप

सोनम रघुवंशी पर मई 2025 में पूर्वी खासी हिल्स में हनीमून के दौरान अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या की साजिश रचने का आरोप है। सोनम को जून 2025 में गिरफ्तार किया गया और बाद में हत्या सहित कई अपराधों के लिए उनके खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया। फिलहाल मुकदमा चल रहा है।

दौसा बस ब्लास्ट केस में फांसी की सजा रद्द

दौसा। राजस्थान के दौसा जिले में वर्ष 1996 में हुई भीषण बस बम विस्फोट की घटना, जिसमें 14 लोगों की मौत हो गई थी, उससे जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने मौत की सजा पाए दोषी अब्दुल हमीद की फांसी की सजा रद्द करते हुए उसके खिलाफ नए सिरे से सुनवाई के आदेश दिए हैं। अदालत ने माना कि मामले की सुनवाई के दौरान उसे प्रभावी कानूनी सहायता नहीं मिल सकी थी। इसके साथ ही उम्रकैद की सजा काट रहे एक अन्य दोषी को बरी कर दिया गया।

केसला के मांड नदी में कई दिनों से चल रहा था रेत उत्खनन

अवैध उत्खनन, आई बाढ़ तो ट्रैक्टर छोड़कर भागे तस्कर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सीतापुर

खास खबर

प्रतिबंध के बावजूद क्षेत्र में नदियों से रेत उत्खनन का काम बदस्तूर जारी है। आलम यह है कि बारिश और बाढ़ की संभावनाओं के बीच बी रेत का उत्खनन बेखौफ होकर किया जा रहा है। इस बीच मंगलवार की सुबह मांड नदी में उस समय एक ट्रैक्टर चालक की जान खतरे में पड़ गई जब अवैध रेत उत्खनन के कारण नदी का जल स्तर बढ़ गया और बाढ़ आ गई। इस दौरान लोगों के साथ ही ट्रैक्टर चालक ने भागकर जान बचाई लेकिन ट्रैक्टर बाढ़ में फंस गया। इस घटना के बाद जिला प्रशासन और खनिज विभाग के दावों पर सवाल खड़ा हो गया है।

बता दें कि सरगुजा में नदियों से रेत के अवैध उत्खनन का कार्य जोर शोर से चल रहा है। जिले में प्रतापगढ़, जजगा और मोहनपुर ▶▶|शेष पेज 6 पर

अचानक नदी का जल स्तर बढ़ने लगा

बताया जा रहा है कि मंगलवार की सुबह ग्राम केसला स्थित मांड नदी से रेत के उत्खनन और परिवहन का कार्य चल रहा था। इस दौरान क्षेत्र में हुई बारिश के कारण अचानक ही नदी का जल स्तर बढ़ने लगा और नदी में बाढ़ जैसे हालत बन गए। सुबह 9 से 10 बजे के बीच हुई इस घटना के दौरान नदी के बीच में 4 से 5 ट्रैक्टर मौजूद थे। बाढ़ आने पर उत्खनन करने वाले लोगों के साथ ही खाली ट्रैक्टर को लेकर चालक भाग निकले।

ट्रैक्टर डूबा, चालक ने भागकर बचाई जान

इसी बीच, ठेलसारा नवाटोली निवासी चालक रामदेव के ट्रैक्टर में रेत लोड था और वह तेजी से नदी से निकल नहीं पाया। मौत को सामने से आता देख चालक ट्रैक्टर को बीच में ही छोड़कर भाग निकला। इस दौरान देखते ही देखते ट्रैक्टर बाढ़ में समा गया। इस घटना के बाद हड़कंप मच गया। वहीं घटना के बाद जिला प्रशासन और खनिज विभाग की कार्रवाई सवालों के घेरे में आ गई है।

ऐतिहासिक

डा. टी. आर. रामटेके

छत्तीसगढ़ के छत्तीस गढ़ों में पामगढ़

बिलासपुर जिला मुख्यालय से 40 कि मी दूरी पर बिलासपुर - शिवरीनारायण मुख्य मार्ग पर पामगढ़ जांजगीर जिला मुख्यालय से 21कि मी दूरी पर स्थित है। पामगढ़ उत्तरी अक्षांश 21-40' तथा पूर्वी देशान्स 82-30' पर स्थित है। पामगढ़ के मुरुम मिट्टी से निर्मित बाहरी परकोटा की परिधि लगभग 1400 मीटर है। भूतल पर प्राकार की चौड़ाई 50 मी व ऊंचाई 10 मी है। इस प्राकार के बाहर की ओर वृत्ताकार खाई है, जिसकी परिधि 450 मी तथा भूतल पर चौड़ाई 25 मी व ऊंचाई 7 मी है। बाहरी खाई के भीतर पामगढ़ का व्यास लगभग 300 मी है। जनश्रुति के अनुसार पामगढ़ के केंद्रीय स्थल से बाहर की ओर 2 कि मी लंबी एक गुप्त सुरंग थी तथा गढ़ की पूर्व दिशा में सिंह द्वार था, जिसके कोई भी अवशेष वर्तमान में उपलब्ध नहीं है। गढ़ के भीतर पेयजल हेतु एक कुंआ भी था।

कला जगत

डा. अर्चना पाठक

फिंगेश्वर जमींदारी में रही सांगीतिक गतिविधियां

फिंगेश्वर जमींदारी में प्रारम्भ से ही संगीत एवं साहित्य के प्रति उदार दृष्टिकोण था। यहां विभिन्न सांस्कृतिक - साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किया जाता था। कलावंतों को आमंत्रित करके उनका यथायोग्य सम्मान किया जाता था। पर्वों एवं उत्सवों में संगोष्ठी का आयोजन किया जाता था। काशी, कोलकाता, पटना, ग्वालियर, बनारस के प्रसिद्ध कलाकारों को आमंत्रित किया जाता था। जनता में साहित्य व संगीत के प्रति रुझान था। जमींदार वर्ग स्वयं संगीत विद्या में पारंगत थे। यहां के जमींदार ठाकुर दलगंजन सिंह संगीत एवं कला के विशेष प्रेमी थे। ठाकुर महेंद्र बहादुर सिंह के पुत्री के पुत्र थे। यहां दशहरा पर्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम होते थे, प्रति वर्ष रामनवमी पर एक महीने तक संगीतमय रामलीला का बड़ा आयोजन किया जाता था।

लोक साहित्य

डा. हीरालाल शुक्ल

आंचलिक बोलियों में कुरुख का प्रभाव जशपुर और सरगुजा में

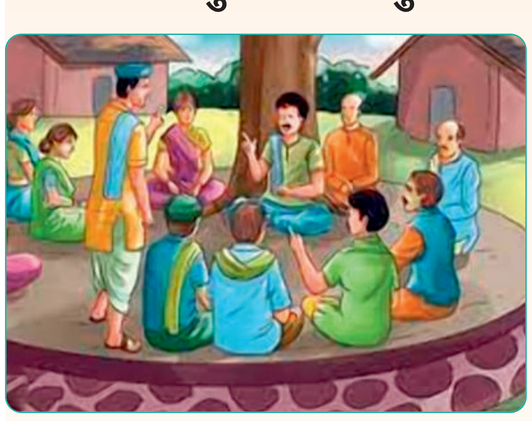

छत्तीसगढ़ में द्रविड़ परिवार की भाषाओं में कुरुख का स्थान सर्वोपरि है। इनकी गणना द्रविड़ भाषाओं के मध्यवर्ती वर्ग में गोंडी, कोलामी और कुई के साथ की जाती है। उरांव या ओराव लोग स्वयं को कुरुख कहना अधिक पसंद करते हैं। कुरुख बोली रायगढ़, जशपुर, सरगुजा और कोरिया जिलों में बोली जाती है। कहा जाता है कि यह कर्नाटक से आकर यहां बसे हैं, इसलिए कुरुख Sbse और कन्नड़ में भाषा शास्त्रीय समानताएं परिणाम में दिखाई देती है। उरांव भाषी लोग छत्तीसगढ़ और छोटा नागपुर के क्षेत्रों में रहते हैं। झारखण्ड में भी इनकी बड़ी संख्या निवास करती है। जशपुर अंचल की बोली पर मुंडारी और सरगुजा की कुरुख पर सरगुजिहा का प्रभाव पड़ रहा है। उरांव, कुरुख बोली का घर परिवार में तथा हाट बाजार में व्यवहार होता है। वर्तमान में अंचल विशेष में बोली जाने वाली इस बोली का प्रभाव कम होता जा रहा है।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

प्राचीन धरोहरों में सिरपुर का राजमहल

ऐतिहासिक

ललित शर्मा

शिरपुर में पुरातात्विक उतखनन (2000-2001) के प्रामाणिक आधार पर महानदी के तट पर पूर्वाभिमुख राजमहल के अवशेष प्राप्त हुए हैं। राजमहल सिरपुर में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के समीप है। राजमहल की दीवारों को देखने से लगता है कि यह इमारत बहुमंजिला रही होगी। पक्की ईंटो से निर्मित राजमहल का प्रथम कक्ष प्रहरियों के लिए रहा होगा। इसके बाद स्वागत कक्ष, राजसभा कक्ष के बाद चारों ओर गालियारा है। राजसभा में प्रवेश के लिए उत्तर की तरफ भी एक द्वार बना हुआ है। राजसभा में राजा का विश्राम कक्ष तथा अन्य कक्ष बने हुए हैं। सभा गृह दो भागों में विभक्त है। पहले भाग में राजा के समीप मंत्री, महामंत्री एवं विशेष सभा कक्ष प्रतीत होता है। राजसभा के प्रथम खंड में 20 प्रस्तर स्तम्भ के अवशेष दिखाई देते हैं। राजसभा के गालियारे के बाद मुख्य महिषी, पट्टमहिषी व अन्य परिचारिकाओं के कक्ष हैं। उत्तर दिशा में पाक शाला के अवशेष दिखाई देते हैं। महल का पश्चिम हिस्सा महानदी के कटाव में ध्वस्त हो गया है।

छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में महानदी के तट पर स्थित सिरपुर (प्राचीन नाम - श्रीपुर) एक प्रमुख ऐतिहासिक और पुरातात्विक स्थल है। यह स्थान 6वीं से 12वीं शताब्दी के दौरान दक्षिण कोसल की राजधानी था। खुदाई में यहाँ विशाल राजमहल (पैलेस कॉम्प्लेक्स) के अवशेष, प्राचीन बाजार और समृद्ध जल प्रबंधन प्रणालियों के साक्ष्य मिले हैं। राजमहल और दुर्ग के अवशेषः सिरपुर में खुदाई के दौरान प्राचीन राजमहलों की नींव, मंडप और विशाल आवासीय परिसरों के खंडहर मिले हैं। इनसे तत्कालीन राजाओं की भव्य जीवनशैली और उत्कृष्ट वास्तुकला का पता चलता है।

परंपरा: चेतन भारती

अंचल में असाढ़ महीना के महत्ता

असाढ़ महीना म रथदुतिया के दिन सब फुरसुदहा म गजामूंग झोकथें अउ भगवान जगन्नाथ के दर्शन करथे। ए दिन पानी गिरना अउ भगवान के रथ पानी म भिजना बने माने जाथे। पानी गिरना ल अच्छा फसल होय के संकेत माने जाथे। रथ यात्रा तक धान के खेत ह अतका सुगघर लागथे जेला देखके किसान के मन मगन हो जथे। गर्मी घरी के आख़री म लोगन मन ल वर्षा के अगोरा रहिथे। कौआ ह बीच काड़ी धर के खोन्दरा छाथे जेला देख के किसान मन जान डारथे ए बछर अच्छा बरसा होही। ये बेरा गिरत पानी म चीला, भजिया खाय के मजा लेथे। कहू कहू जंगल पट्टी के मन फोटू खाय के मजा घलो लेथे। कतको मन ल येहा अइसने मिल जाथे त उही लोगन मन बजार म महँगी म लेके खाय म घलो कमी नी करें। लोग लइका अउ सियान मन घरी घलो खेलत दिख जाथे। दूर दराज गांव के मन गर्मी दिन म साग भाजी के सुखाय खुला रांध के खाय के घलो मजा लेथे।

सुरता

आचार्य डा. महेशचंद्र शर्मा

जन सेवा के लिए समर्पित रहे दाऊ उदय प्रसाद 'उदय'

स्वाधीनता संग्राम सेनानी एवं वरिष्ठ साहित्यकार दाऊ उदय प्रसाद उदय जी का जन्म 12 सितंबर 1898 में एक किसान परिवार के घर धमधा जिला दुर्ग में हुआ। 1932 से 1947 तक महात्मा गांधी और आचार्य विनोबा भावे और महात्मा के संपर्क में आए। आदिकाव्य वाल्मीकीय रामायण का जो समश्लोकी पदयानुवाद दाऊ उदय जी ने किया है वह अदभुत व अद्वितीय है।

संस्कृत साहित्य के गंभीर अध्ययन और लेखन ने उन्हें बड़ी जिजीविषा दी। श्रीनारदोतक्य वाल्मीकि रामायण आपकी अमूल्य अप्रकाशित कृति है। अभी भी आपकी दर्जनों क़ृतियां अप्रकाशय हैं। हिन्दी, छत्तीसगढ़ी और संस्कृत पर बराबर आप लेखन करते रहे। इसके साथ ही हैहयवंशी ताम्रकार समाज को आगे बढ़ाने के लिए भी लगे रहे। उन्नत खेती करने के लिए प्रयोग भी करते थे।

आपकी प्रतिभा का सम्मान करते हुए शासकीय हाई स्कूल धमधा तथा शास. पोलिटेक्निक का नाम पर किया गया है। 10 जुलाई 1967 को आपका निधन हो गया।

गांव की कहानी : विजय शर्मा

गांजने के कारण गांव का नाम गांजर

ग्राम के नामकरण के बारे में बताया जाता है कि गांजना से इस गांव का सम्बन्ध रहा है, एक स्थान पर किसी वस्तु को इकट्ठा किया जाता है उसे गांजना कहा जाता है। यहां प्राचीन तालाब कमल सागर को इतिहास का साक्षी बताया जाता है। बताया जाता है गोंड मालगुजार करम सिंह ने कमल सागर का मरम्मत कराया था। 19 वीं शताब्दी में गांजर एक बड़ी और सभ्य बस्ती रही।

प्राचीन ग्रामों में एक गांजर का अपना अलग ही महत्व है। सुअरमार जमींदारी में चार बड़े ग्रामों का उल्लेख होता है जिसमें से एक गांजर है। इस ग्राम के नामकरण के बारे में बताया जाता है कि गांजना से इस गांव का सम्बन्ध रहा है, एक स्थान पर किसी वस्तु को इकठ्ठा किया जाता है उसे गांजना कहा जाता है। यहां प्राचीन तालाब कमल सागर को इतिहास का साक्षी बताया जाता है। बताया जाता है गोंड मालगुजार करम सिंह ने कमल सागर का मरम्मत कराया था। 19 वीं शताब्दी में गांजर एक बड़ी और सभ्य बस्ती रही। यहां गुरुवार को साप्ताहिक बड़ा बाजार लगता था, जिसमें जंगली कंद मूल, फल, लासा और जंगली वनस्पति का खूब व्यापार होता था। यहां का जनजीवन ओड़िशा से लगे होने के कारण लरिया भाषा का प्रयोग होता

था। यहां के गोंड परिवार का सम्बन्ध बस्तर से रहा, उनकी इष्ट देवी बस्तरहीन की स्थापना ग्राम के बीच चौक में की गई है। प्राचीन गांव के अवशेष यहां मिलते रहते हैं। यहां की उपजाऊ भूमि चारों तरफ नाला से घिरा है जिसमें दक्षिण पश्चिम में मेचका नाला, पश्चिम उत्तर में चमरा नाला, उत्तर पूर्व में करमा नाला बहती है। सुविधाविहीन इस ग्राम में अब बैंक, हायर सेकेण्डरी स्कूल, पोस्ट ऑफिस, आदिम जाति भवन, पंचायत भवन, मनोरंजन भवन और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित हो चुके हैं।

मान्यता मिली पर नए मेडिकल कालेजों के लिए फैकल्टी का टोटा, देशभर से आवेदन का ट्रिक भी काम नहीं आ रहा

प्रमोशन के बाद प्राध्यापकों की पोस्टिंग, एसोसिएट और असिस्टेंट प्रोफेसरों का पता नहीं

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

राज्य में पांच नए कालेजों की 50-50 सीटों को एनएमसी से मान्यता तो मिल गई है, मगर वहां पढ़ाने वाले शिक्षकों की व्यवस्था चिकित्सा शिक्षा विभाग के सामने बड़ी चुनौती बनी हुई है। प्रमोशन का लाभ लेने वाले प्रोफसरों की वहां पोस्टिंग की गई है, मगर एसोसिएट और असिस्टेंट प्रोफेसरों का पता नहीं है। निराश करने वाली बात यह भी है कि फैकल्टी के इंतजाम के लिए देशभर से चिकित्सा शिक्षकों का आवेदन बुलाने का ट्रिक भी कारगर होता नहीं दिख रहा है।

काफी कोशिशों के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग ने कबीरधाम, जांजगीर-चांपा, मनेन्द्रगढ़, जशपुर और दंतेवाड़ा के शासकीय मेडिकल कालेजों को इस साल शुरू करने के लिए अनुमति हासिल कर ली है, मगर वहां एडमिशन लेने वाले एमबीबीएस के विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए चिकित्सा शिक्षकों की भर्ती करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। इन कालेजों में प्राध्यापकों की व्यवस्था करने के लिए एसोसिएट से प्रोफेसर बनाए गए दो दर्जन डाक्टरों की नियुक्ति इन नए कालेजों में की गई थी, मगर महीनेभर बीतने के बाद भी ज्वाइनिंग में सफलता नहीं मिली। असिस्टेंट प्रोफेसर की पदोन्नति नहीं होने की वजह से यहां एसोसिएट प्रोफेसर पदस्थ नहीं किए जा सके हैं। वहीं सीजीपीएससी से सीधी भर्ती की प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण सहायक प्राध्यापकों को भी नए कालेज नहीं भेजा जा सका है। सूत्रों का कहना है कि इन सबसे ज्यादा निराशा करने वाली बात यह है कि चिकित्सा शिक्षकों की कमी को दूर करने ऑल इंडिया लेवल पर संविदा भर्ती का प्रयास सफल होता नहीं दिख रहा है।

सीजी के टॉपर्स के खाते में आएगी जेएनएम, सिम्स जैसे बड़े कालेजों की सीट- ऑल इंडिया कोटे से सीट आवंटन के बाद सीजी के टॉपर्स के खाते में रायपुर के जेएनएम और बिलासपुर से सिम्स जैसे सरकारी मेडिकल कालेज आएंगे।निजी कालेजों में पढ़ाई करने वाले एक विशेष वर्ग को छोड़ दिया जाए तो ज्यादातर राज्य के तीन-चार मेडिकल कालेज में सीट पाना चाहते है। नीट सीजी का परीक्षा परिणाम लाने चिकित्सा शिक्षा विभाग के अफसर दिल्ली जाएंगे। नीट का रिजल्ट आने के बाद अब कालेजों में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग प्रक्रिया शुरू होने का इंतजार किया जा रहा है जो संभवतः अगले माह प्रारंभ होगा। इसके लिए एनएमसी शेड्यूल जारी करेगी। पहले ऑल इंडिया कोटे की सीट पर एडमिशन होगा और उसके पीछे राज्य स्तर स्टेट एवं मैनेजमेंट कोटे की सीट पर प्रवेश देने काउंसिलिंग की जाएगी। इसके पहले नीट में राज्य स्तर पर सफलता पाने वाले परीक्षार्थियों का परिणाम लाया जाएगा। जानकारों का कहना है कि ज्यादातर अभ्यर्थियों की पहली पसंद रायपुर का जेएनएम मेडिकल कालेज होता है। इसके बाद बिलासपुर के सिम्म, राजनांदगांव, जगदलपुर के मेडिकल कालेजों को प्राथमिकता दी जाती है। इस बार रायपुर औरप जगदलपुर में एमबीबीएस की सीटों में इजाफा हुआ है। राज्य में इस बार शासकीय कालेजों में एमबीबीएस की 1725 और निजी कालेजों में 1200 यानी कुल 2925 सीट हो चुकी है।

शिक्षा की गुणवत्ता और स्वास्थ्य व्यवस्था पर असर

मेडिकल सीटों की अनियंत्रित वृद्धि केवल विद्यार्थियों की शिक्षा की गुणवत्ता ही नहीं, बल्कि देश की स्वास्थ्य व्यवस्था को भी प्रभावित करती है। हम सीट वृद्धि के विरोध में नहीं हैं, लेकिन यह वृद्धि एनएमसी के निर्धारित मानकों, पर्याप्त फैकल्टी, अस्पताल, मरीजों की उपलब्धता और आवश्यक संसाधनों के अनुरूप होनी चाहिए। नए मेडिकल कॉलेज खोलने में जितनी राशि खर्च की जा रही है, उसके आधे निवेश से ही वर्तमान संचालित मेडिकल कॉलेजों को आधुनिक संसाधनों, पर्याप्त फैकल्टी, उन्नत इंफ्रास्ट्रक्चर और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण से सशक्त बनाया जा सकता है।

- डा. रेशम सिंह, प्रदेश अध्यक्ष, जूनियर डाक्टर्स एसोसिएशन सीजी

व्यवस्था की जा रही है

हाल ही में पदोन्नत होकर प्राध्यापक बने शिक्षकों को इन कालेजों में पदस्थ किया गया है। आने वाले दिनों में एसोसिएट और असिस्टेंट प्रोफेसरों की नियुक्ति की जाएगी। इसके लिए विभिन्न तरीके से प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

- डा. यूएस पैकरा, संचालक चिकित्सा शिक्षा

खबर संक्षेप

मंगल दास बने राज्य एसटी आयोग के उपाध्यक्ष

रायपुर। राज्य शासन द्वारा मंगल दास ठाकुर ग्राम छुरिया डोंगरी, जिला-राजनांदगांव को छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया है। इस आशय का आदेश आदिम जाति विकास विभाग मंत्रालय से जारी किया गया है।

काव्य संध्या राहगीरी का आयोजन 26 को

रायपुर। नवरंग काव्य मंच द्वारा 26 जुलाई को भव्य काव्य संध्या राहगीरी का आयोजन सिविल लाइंस स्थित वृंदावन सभागार में शाम 5 बजे से प्रारंभ होगा। इस दौरान नवोदित एवं मूर्धन्य कवि अपने काव्य पाठ से विविध रसों की बौछार करेंगे। कार्यक्रम में कवि राजेश जैन राही द्वारा राहगीरी जीवन का सफर कविताओं के साथ की एकल प्रस्तुति भी होगी। शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं का सम्मान भी होगा।

101 चिकित्सकों को दिया आरोग्य शिरोमणि सम्मान

रायपुर। शकुंतला फाउंडेशन छत्तीसगढ़ द्वारा चिकित्सकों के सम्मान में भव्य आरोग्य शिरोमणि सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों के चिकित्सकों ने बड़ी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में फाउंडेशन की वरिष्ठ समाजसेवी स्मिता सिंह ने निस्वार्थ भाव से सेवाकार्य कर रहे 101 से भी अधिक चिकित्सकों को सम्मानित किया। संस्था द्वारा सभी सम्मानित चिकित्सकों को मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके योगदान को सराहा गया। इस मौके पर फाउंडेशन की संस्थापिका स्मिता सिंह ने कहा कि समाज में सेवाभाव रखने वाले चिकित्सकों को सम्मानित करना हमारा कर्तव्य है। ऐसे आयोजन से समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और अधिक से अधिक लोग निस्वार्थ सेवा के लिए प्रेरित होंगे। कार्यक्रम को चिकित्सकों और उपस्थित नागरिकों द्वारा खूब सराहा गया। इसी दौरान लोरमी मेडिकल टीम को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। यह सम्मान टीम के के प्रेसिडेंट मिंटू छाबड़ा, राजेंद्र साहू, अवधेश राजपूत, मुकेश कश्यप, जीवन साहू ने ग्रहण किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. अजय सहाय, डॉ. प्रतीक पांडे, डॉ. प्रतीक धावलिया, डॉ. जावेद परवेज एवं डॉ. प्रतीक पांडे, डॉ. ए. सुरेश कुमार, अशोक, डॉ. कृष्णकांत साहू, डॉ. रूपेंद्र, गो-सेवक श्याम प्रकाश साहू, विशाल मिश्रा, अनामिका गुहा एवं संजना सिंह आदि उपस्थित रहे।

नशीली सिरप की तस्करी 20 साल कैद की सजा

रायपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र में पांचच वर्ष पूर्व 74 शीशी कफ सिरप के साथ गिरफ्तार आरोपी को विशेष न्यायाधीश किरण थवाईत की एनडीपीएस कोर्ट ने 20 वर्ष कैद के साथ दो लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक भुवनलाल साहू के अनुसार, कोर्ट ने नवीन नायक को कैद तथा जुर्माने की सजा सुनाई है। पुलिस ने उसके कब्जे से नेहरू नगर ढाल के पास से कफ सिरप जब्त की थी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के तीनों मंडलों में चल रहा काम, कई सेक्शन में जल्द होगी कमीशनिंग

238 इंजनों में लगा 'कवच'

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन को और मजबूत बनाने के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में स्वदेशी ट्रेन सुरक्षा प्रणाली कवच का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। रेलवे के अनुसार जोन के 2,430 रूट किलोमीटर नेटवर्क पर कवच प्रणाली लागू किया जाना है। परियोजना के तहत अब तक 238 लोकोमोटिवों में कवच के ऑनबोर्ड उपकरण लगाए जा चुके हैं, जबकि संचार अवसंरचना विकसित करने का कार्य भी प्रगति पर है। रेलवे के मुताबिक मुंबई-हावड़ा रेल कॉरिडोर पर संचार टावरों की स्थापना लगभग पूरी हो चुकी है, जबकि ऑप्टिकल फाइबर केबल, ओएफसी बिछाने का कार्य जारी है। तीनों रेल मंडलों में चरणबद्ध तरीके से फील्ड परीक्षण, लोको ट्रायल और कमीशनिंग का कार्य किया जा रहा है। बता दें कि कवच भारतीय रेल की स्वदेशी ट्रेन सुरक्षा प्रणाली है। इसका उद्देश्य ट्रेनों के संचालन को अधिक सुरक्षित बनाना और ट्रेनों के आपस में टकराने जैसी दुर्घटनाओं की संभावना को कम करना है।

दुर्ग से मांढर के बीच इस वर्ष कवच प्रणाली होगी लागू

रेलवे से मिली जानकारी मुताबिक रायपुर मंडल के दुर्ग-मांढर 49 रूट किमी सेक्शन में चालू वित्तीय वर्ष के दौरान कवच प्रणाली लागू करने की योजना है। दुर्ग-रायपुर सेक्शन में आरएफआईडी टैग लगाने का कार्य पूरा हो चुका है। रेलवे ने सितंबर तक लोकोमोटिव ट्रायल शुरू करने और इसी माह इस सेक्शन में कवच प्रणाली की कमीशनिंग का लक्ष्य निर्धारित किया है।

बिलासपुर-चांपा सेक्शन में फील्ड परीक्षण पूरा

बिलासपुर मंडल में बिलासपुर-रायगढ़ 132 रूट किमी सेक्शन पर कवच की एसआईएल-0 कमीशनिंग की योजना बनाई गई है। बिलासपुर-चांपा सेक्शन में फील्ड परीक्षण पूरा हो चुका है और जुलाई माह में कमीशनिंग प्रस्तावित है। वहीं अन्य सेक्शनों में ऑटोमेटिक सिग्नलिंग का कार्य पूरा होने के बाद कवच प्रणाली की कमीशनिंग की जाएगी।

नागपुर से दुर्ग के बीच फील्ड इंस्टॉलेशन कार्य पूरे

नागपुर-दुर्ग 260 रूट किमी सेक्शन को चालू वित्तीय वर्ष में एसआईएल-4 कमीशनिंग के लिए चिन्हित किया गया है। नागपुर-गोंदिया सेक्शन में सभी फील्ड इंस्टॉलेशन कार्य पूरे हो चुके हैं। वर्तमान में साइट एक्सेप्टेंस टेस्ट और लोकोमोटिव ट्रायल जारी हैं। वहीं गोंदिया-दुर्ग सेक्शन में फील्ड इंस्टॉलेशन का कार्य प्रगति पर है।

कवच का काम तेजी से आगे बढ़ रहा

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में स्वदेशी ट्रेन सुरक्षा प्रणाली कवच का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। जोन के 2,430 रूट किलोमीटर नेटवर्क पर कवच प्रणाली लागू किया जाना है। परियोजना के तहत अब तक 238 लोकोमोटिवों में कवच के ऑनबोर्ड उपकरण लगाए जा चुके हैं।

- शेख रहमान, सीपीआरओ

आबकारी आरक्षक की नौकरी लगी, लेकिन ज्वाइनिंग नहीं, 29 की नियुक्ति निरस्त

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ आबकारी विभाग में 200 आबकारी आरक्षकों की भर्ती के तहत चयनित 29 अभ्यर्थियों की नियुक्ति निरस्त कर दी गई है। आबकारी आयुक्त कार्यालय ने आदेश जारी करते हुए कहा है कि चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति आदेश जारी होने के बाद निर्धारित समय सीमा में कार्यभार ग्रहण करने का अवसर दिया गया था, लेकिन उनके उपस्थित नहीं होने के कारण उनकी नियुक्ति समाप्त की गई है।

आदेश के अनुसार आबकारी आरक्षक भर्ती-2026 के तहत 200 पदों पर नियुक्ति के लिए 23 अप्रैल 2026 को आदेश जारी किया गया था। इसके बाद 26 मई 2026 को कुछ अभ्यर्थियों को अतिरिक्त समय भी दिया गया, लेकिन इसके बावजूद 29 चयनित अभ्यर्थियों ने विभाग में ज्वाइन नहीं किया। इस स्थिति में विभाग ने सभी 29 अभ्यर्थियों के नियुक्ति आदेश निरस्त करने का निर्णय लिया।

29 अभ्यर्थियों की सूची भी जारी

आदेश के साथ उन सभी 29 अभ्यर्थियों के नाम, आवेदन क्रमांक, पता तथा संबंधित जिले की सूची भी जारी की गई है, जिन्होंने निर्धारित अवधि में कार्यभार ग्रहण नहीं किया। विभाग ने इन्हें नियुक्ति का पर्याप्त अवसर दिए जाने का उल्लेख करते हुए नियुक्ति निरस्त करने की कार्रवाई की है। इन नियुक्तियों के निरस्त होने के बाद आबकारी आरक्षक भर्ती में 29 पद रिक्त रह गए हैं। आदेश में आगे की भर्ती प्रक्रिया या प्रतीक्षा सूची (वेटिंग लिस्ट) से नियुक्ति के संबंध में कोई निर्देश नहीं दिया गया है।

चार सप्ताह में पूरी करें साइबर एक्सपर्ट की भर्ती प्रक्रिया

बिलासपुर। प्रदेश में साइबर एक्सपर्ट नहीं होने के मामले में बुधवार को हाईकोर्ट ने केंद्र और राज्य शासन दोनों से साफ कहा कि हर हाल में चार सप्ताह में नियुक्ति पूरी करें और अगली सुनवाई से पहले रिपोर्ट पेश करें। ध्यान रहे कि प्रदेश में साइबर अपराध के प्रकरणों में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य का कोई विशेषज्ञ नहीं होने को लेकर शिरीन मालेवर ने अधिवक्ता रुद्र प्रताप दुबे और गौतम खेत्रपाल के माध्यम से याचिका दायर की है। पहले हुई सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि देश भर में 16 जगह पर एक्सपर्ट की नियुक्ति की गई है। यह नियुक्ति केंद्र सरकार के द्वारा की जाती है।

सुनवाई में कहा गया कि फिलहाल छत्तीसगढ़ प्रदेश में किसी एक्सपर्ट की नियुक्ति नहीं हुई है। कोर्ट ने सुनवाई करते हुए कहा कि आईटी अधिनियम राज्य के लिए धारा 79 के तहत इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य का कोई परीक्षक नहीं है, इस पद पर नियुक्ति की जाए। चीफ जस्टिस ने सुनवाई के दौरान टिप्पणी की कि यह एक गंभीर चिंता का विषय है। साइबर अपराध हो रहे हैं, इसलिए ऐसे एक्सपर्ट की नियुक्ति बहुत जरूरी है। गंभीरता को समझकर तत्काल निर्णय लें। केंद्र के वकील रमाकांत मिश्रा ने कहा कि एक के बाद एक तीन चरणों को पूरा कर ही सायबर विशेषज्ञ की नियुक्ति की जा सकती है।

हज-2027 के ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ी

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के माध्यम से हजयात्रा पर जाने के इच्छुक आवेदक अब 24 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमेन मिर्जा एजाज बेग ने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया मुंबई के सर्कुलर नंबर-3 से प्राप्त सूचना के अनुसार हज 2027 के लिए ऑनलाइन हज आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 जुलाई को बढ़ाकर 24 जुलाई कर दिया गया है। अब 24 जुलाई रात्रि 11.59 बजे तक ऑनलाइन फॉर्म भरने की समयसीमा निर्धारित है। इसके बाद अंतिम तिथि नहीं बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि अंतिम तिथि के बाद हाजियों के चयन के लिए 30 जुलाई को कुर्राह का आयोजन हज कमेटी आफ इंडिया मुंबई में सुबह 11 बजे से आयोजित किया जाएगा। कुर्राह में चयनित होने वाले हज आवेदकों द्वारा हजयात्रा की पहली किश्त राशि प्रति आवेदक 10 अगस्त तक जमा कराई जाएगी।

तहसीलदार के पास जाति प्रमाण पत्र जारी करने का अधिकार नहीं

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के जाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए तहसीलदार सक्षम प्राधिकारी नहीं हैं। कोर्ट ने कहा कि सामान्यतः अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओ-राजस्व) ही जाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए अधिकृत प्राधिकारी हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति पार्थ प्रतीम साहू की एकलपीठ ने बिलासपुर निवासी शैली सोनकर की ओर से दायर याचिका का निपटारा करते हुए पारित किया।

याचिकाकर्ता शैली सोनकर ने जाति प्रमाण पत्र जारी कराने के लिए बिलासपुर तहसीलदार के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया था। आवेदन पर प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई भी शुरू की गई, लेकिन लंबे समय तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया और न ही जाति प्रमाण पत्र जारी किया गया। इससे परेशान होकर उन्होंने हाईकोर्ट की शरण ली। सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता ने सक्षम प्राधिकारी के बजाय तहसीलदार के समक्ष आवेदन किया था। नियमों के अनुसार जाति प्रमाण पत्र जारी करने का अधिकार कलेक्टर, अतिरिक्त कलेक्टर, उप-कलेक्टर और अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओ-राजस्व) को है। याचिकाकर्ता यह भी नहीं बता सकीं कि उन्होंने सक्षम प्राधिकारी के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया था। हाई कोर्ट ने याचिका का निपटारा करते हुए याचिकाकर्ता को संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओ-राजस्व) के समक्ष नए सिरे से आवेदन प्रस्तुत करने की स्वतंत्रता दी। साथ ही निर्देश दिया कि यदि निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन किया जाता है, तो सक्षम प्राधिकारी कानून के अनुरूप शीघ्र निर्णय लें।

वन विकास निगम के पदोन्नति नियमों में बदलाव अवैध, हाईकोर्ट ने लगाई रोक

प्रोजेक्ट रेंज अधिकारियों ने 16 अप्रैल व 12 जून 2026 के सरकारी आदेशों को दी थी चुनौती

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम में डिप्टी मैनेजर (फारेस्ट्री) जूनियर के पद पर पदोन्नति के लिए 'सीनियरिटी-कम-सूटेबिलिटी' की जगह 'मेरिट-कम-सीनियरिटी' लागू करने के राज्य सरकार और निगम के फैसले को अवैध ठहराते हुए निरस्त कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि सेवा विनियम में संशोधन किए बिना केवल प्रशासनिक आदेश से पदोन्नति का मापदंड नहीं बदला जा सकता। जस्टिस बिभू दत्ता गुरु ने विनीत कुमार सिंह सहित अन्य प्रोजेक्ट रेंज अधिकारियों की दो याचिकाओं पर यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया।

याचिकाकर्ता भिलाई निवासी विनीत कुमार सिंह, विवेक देवांगन, महेश खटकर, शिल्पी नरेड़िया, जागेश कुमार गोंड, जयपाल सिंह पवार, सरिता सिदार, अभिनंदन गोस्वामी ने 16 अप्रैल 2026 के निगम के प्रस्ताव और 12 जून 2026 को राज्य सरकार द्वारा दी गई प्रशासनिक स्वीकृति को चुनौती दी थी, जिसके जरिए प्रत्यक्ष भर्ती के रिक्त पदों को पदोन्नति से भरते समय मेरिट-कम-सीनियरिटी का सिद्धांत अपनाने की अनुमति दी गई थी।

याचिकाकर्ताओं ने बताया कि वे वर्ष 2017 में प्रत्यक्ष भर्ती से प्रोजेक्ट रेंज अधिकारी नियुक्त हुए थे और 2022 से पदोन्नति के लिए पात्र हैं। सेवा विनियम, 1984 के विनियम 21(2)(स) के अनुसार पदोन्नति का आधार सीनियरिटी-कम-सूटेबिलिटी है। इसके बावजूद बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने बिना नियम बदले पदोन्नति का आधार बदल दिया, जिससे वरिष्ठ अधिकारियों के अधिकार प्रभावित हो रहे थे।

कोर्ट ने कहा कि यदि किसी कार्य को करने की प्रक्रिया कानून में निर्धारित है तो उसे उसी तरीके से किया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि जब तक विनियम 21(2)(स) में विधिवत संशोधन नहीं होता, तब तक पदोन्नति का आधार सीनियरिटी-कम-सूटेबिलिटी ही रहेगा। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने 16 अप्रैल 2026 का निगम का पत्र और 12 जून 2026 की प्रशासनिक स्वीकृति को निरस्त कर दिया। हालांकि अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि सरकार चाहे तो विधि अनुसार सेवा विनियमों में संशोधन कर भविष्य में नए नियमों के तहत पदोन्नति प्रक्रिया शुरू कर सकती है।

विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के लिए दिशा-निर्देश जारी

दिव्यांग विद्यार्थियों को महाविद्यालयों में मिलेंगी विशेष सुविधाएं, उपलब्ध कराए जाएंगे हेल्पिंग टूल्स

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन ने देश के कॉलेजों और यूनिवर्सिटीज में पढ़ रहे दिव्यांग छात्रों के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। यूजीसी ने बौद्धिक दिव्यांगता, सीखने की खास कठिनाई और ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर जैसी चुनौतियों से जूझ रहे छात्रों के लिए नई गाइड लाइंस जारी की हैं। इसका मकसद यह पक्का करना है कि इन छात्रों को पढ़ाई के दौरान हर तरह की जरूरी मदद और सुविधाएं मिल सकें। यूजीसी का मानना है कि पढ़ाई को आसान और सबके लिए बराबर बनाना बेहद जरूरी है।

यूजीसी ने उच्च शैक्षिक संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे अपनी टीचिंग और तौर-तरीकों में बदलाव करें, ताकि दिव्यांग छात्रों को अपनी पढ़ाई पूरी करने में कोई दिक्कत न आए। यूजीसी ने कहा है कि छात्रों को क्लास के कामों, लिखने में मदद करने वाले टूल्स, फ्लेक्सिबल असाइनमेंट और पढ़ाई के दौरान तय समय पर ब्रेक देने जैसी सुविधाएं मिलनी चाहिए।

संवेदनशील हो स्टाफ

कॉलेज के टीचरों और अन्य स्टाफ के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम चलाए जाएंगे, ताकि वे इन छात्रों की जरूरतों को समझ सकें और उनके साथ सही व्यवहार करें। बिना दिव्यांगता वाले सामान्य छात्रों के लिए वीडियो-आधारित प्रोग्राम चलाए जाएंगे, जिससे वे दिव्यांग साथियों की मदद के लिए जागरूक हो सकें। छात्रों की व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने के लिए विशेष ध्यान देने कहा गया है। जहां जरूरत होगी, वहां छात्रों की संख्या के हिसाब से ज्यादा स्टाफ तैनात किया जाएगा।

कोर्स और ट्रेनिंग

सीखने की अलग-अलग जरूरतों को पूरा करने के लिए नए कोर्स, काम-आधारित शिक्षा और अप्रेंटिसशिप के मौके दिए जाएंगे। जिन छात्रों के लिए रोज कैंपस आना मुश्किल है, उन्हें ई-लर्निंग और डिस्टेंस एजूकेशन के जरिए घर बैठे पढ़ने की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा रेसिडेंशियल ट्रेनिंग का विकल्प भी होगा। स्कॉलरशिप, फीस में छूट और केंद्र व राज्य सरकारों की वित्तीय योजनाओं का लाभ इन छात्रों तक आसानी से पहुंचाया जाएगा। साथ ही कॅरियर काउंसलिंग और प्लेसमेंट में भी मदद दी जाएगी। यूजीसी के मुताबिक, दिव्यांग छात्रों की जरूरतों के हिसाब से उन्हें विशेष सहायक उपकरण और सुविधाएं मिलना जरूरी है। अलग-अलग कैटेगरी के लिए गाइड लाइंस भी जारी किए गए हैं। शारीरिक रूप से दिव्यांग छात्रों के लिए बैठने, चलने-फिरने और एक जगह से दूसरी जगह आने-जाने में पूरी मदद की जाएगी। कक्षा में बैठने के लिए खास व्यवस्था होगी।

छत्तीसगढ़ के सभी नगरीय निकायों में पीडब्ल्यूडी की नई एसओआर दरें लागू

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

सड़क, पुल, भवन तथा विद्युत-यांत्रिक कार्यों के लिए संशोधित दरों से होंगे निर्माण

छत्तीसगढ़ सरकार के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने राज्य के सभी नगर निगम, नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा जारी नवीन शेड्यूल ऑफ रेट्स (एसओआर) को तत्काल प्रभाव से लागू करने के आदेश जारी कर दिए हैं। इसके बाद नगरीय निकायों में सड़क, पुल, भवन तथा विद्युत एवं यांत्रिक कार्यों के सभी नए निर्माण और विकास कार्य संशोधित दरों के अनुसार कराए जाएंगे।

विभाग के उप सचिव द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह निर्देश राज्य के सभी नगर निगम आयुक्तों तथा नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को भेजा गया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि लोक निर्माण विभाग द्वारा 10 जून 2026 को जारी नई एसओआर दरों को नगरीय निकायों के ब्रिज, रोड एवं बिल्डिंग वर्क्स से संबंधित कार्यों में तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए।चार श्रेणियों की नई दरें लागू आदेश के तहत संशोधित दर सूची लागू की गई है उनमें ब्रिज वर्क्स, रोड वर्क्स,बिल्डिंग वर्क्स और इलेक्ट्रिकल एवं मैकेनिकल वर्क्स शामिल हैं। नई एसओआर लागू होने के बाद नगरीय निकायों में तैयार होने वाले निर्माण कार्यों की प्राक्कलन (इस्टीमेट), निविदा प्रक्रिया और लागत निर्धारण संशोधित दरों के अनुरूप किया जाएगा। इससे निर्माण कार्यों की लागत का आकलन वर्तमान बाजार दरों के अनुसार किया जा सकेगा तथा विभिन्न नगरीय विकास परियोजनाओं में एकरूपता आएगी। यह आदेश राज्यभर के सभी शहरी स्थानीय निकायों पर लागू होगा।

वाइब्रेंट एकेडमी के होनहारों ने फिर लहराया सफलता का परचम, कुशल ने 634 अंकों के साथ मारी बाजी

बिलासपुर। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (NEET) के परिणाम घोषित होते ही हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी वाइब्रेंट एकेडमी के विद्यार्थियों ने अपनी सफलता की परंपरा को बरकरार रखा है। एकेडमी के छात्र-छात्राओं ने कड़े परिश्रम और उत्कृष्ट मार्गदर्शन के दम पर परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम रोशन किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस साल भी वाइब्रेंट एकेडमी ने नीट परीक्षा में सफलता का नया कीर्तिमान स्थापित किया है।होनहारों ने बटोरे शानदार अंकसंस्थान के कुशल सोनी ने कुल 634 अंक अर्जित कर एकेडमी में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। उनके इस बेहतरीन प्रदर्शन से संस्थान डायरेक्टर रत्नेश केसरी ,शिक्षकगण और उनके परिवार में जश्न का माहौल है। वहीं मानसी साहू ने भी 630 अंक लाकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। ऑल इंडिया कैटेगरी रैंक में मारी बाजीएकेडमी की छात्रा अंजना सिदार ने परीक्षा में अपनी श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उन्होंने ऑल इंडिया कैटेगरी रैंक 1866 हासिल कर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है।

संस्थान के अन्य सफल छात्र और उनके प्राप्तांक:

कुशल सोनी:634अंक
अंकित गिरी: 631 अंक
मानसी साहू: 630 अंक
अनिमेष सिंह:616 अंक
रमेश सिंह:608 अंक
रंजीत सिंह:598 अंक
वेदांत भोय: 584 अंक
हर्षल सिंह: 547 अंक
आकांक्षा सिंह तिवारी: 530 अंक
आशीष पाट: 530 अंक
सुप्रिया खादिम:510 अंक
अंकिता कुर्रे: 435 अंक

तथा अन्य 15 छात्रों को गवर्नमेंट कॉलेज मिलने की पूर्ण संभावना है JEE में भी सर बधाईयों का तांता

वाइब्रेंट एकेडमी के ब्रांच हेड रौशन पाण्डेय और शिक्षकों ने सभी सफल विद्यार्थियों को उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी है। संस्थान के निदेशक ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, अनुशासित पढ़ाई और शिक्षकों के सही मार्गदर्शन का परिणाम है। इस गौरवमयी उपलब्धि पर सफल छात्रों के घरों में मिठाइयां बांटी जा रही हैं और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं मिल रही हैं।

अब नो-नेटवर्क जोन में भी फेल नहीं होगा यूपीआई! एनपीसीआई ला रहा नया फीचर

नई दिल्ली। आम लोगों के लिए यूपीआई से जुड़ी खास खबर सामने आई है। अब जल्द ही बिना इंटरनेट के यूपीआई पेमेंट आसानी से हो सकेगा। इस मामले की जानकारी रखने वालों का कहना है कि भारत एक ऐसी यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) सुविधा विकसित कर रहा है, जिससे ग्राहक मर्चेंट के पॉइंट-ऑफ-सेल (पीओएस) टर्मिनल पर तब भी पेमेंट कर सकेंगे, जब दोनों डिवाइस में इंटरनेट न हो। रिपोर्ट के मुताबिक, नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) 2026 में प्रमुख टर्मिनल बनाने वाली कंपनियों के पीओएस डिवाइस को सर्टिफाई करना शुरू कर सकता है।

कार्यालय प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग
नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, निर्माण भवन, नवा रायपुर अटल नगर (छत्तीसगढ़)

चतुर्थ (4th) काउंसिलिंग हेतु सूचना

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल नवा रायपुर अटल नगर (छत्तीसगढ़) द्वारा विभाग के प्रस्ताव पर दिनांक 13.07.2025 को उपअभियंता (सिविल) तथा उपअभियंता (विद्युत/यॉंत्रिकी) के पद पर भर्ती हेतु लिखित परीक्षा (PWSE25) आयोजित की गई तथा परीक्षा का परिणाम व्यापम की वेबसाईट पर दिनांक 03.09.2025 को प्रदर्शित किया गया। परीक्षा परिणाम घोषित होने के पश्चात विज्ञप्ति में दी गई कंडिकाओं के अनुरूप मेरिट आधार पर अभ्यर्थियों के मूल प्रमाण पत्रों की जांच हेतु विभाग द्वारा विज्ञापित रिक्त पदों हेतु काउंसिलिंग किया जाना है।

अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि वे निम्नांकित मूल प्रमाण पत्रों एवं उसकी स्वयं अथवा राजपत्रित अधिकारी से सत्यापित छायाप्रतियाँ सहित दिनांक 27.07.2026 को समय प्रातः 11.00 बजे कार्यालय प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, निर्माण भवन, नवा रायपुर अटल नगर (छत्तीसगढ़) में उपथित होवें :-

(1) ऑनलाईन प्रदर्शित अभ्यर्थी का बायोडाटा (फोटो राजपत्रित अधिकारी से सत्यापित) (2) संयुक्त भर्ती परीक्षा का प्रवेश पत्र (Admit Card), (3) हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा (10+2), (4) हायर सेकेण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा (10+2), (5) निर्धारित शैक्षणिक अर्हता संबंधी प्रमाण पत्र / समस्त सेमेस्टर की अंकसूची / उपाधि, (6) स्थाई जाति प्रमाण पत्र, (7) जाति सत्यापन प्रमाण पत्र, (8) संलग्न प्रारूप (एक) अनुसार शपथ-पत्र (यदि जाति सत्यापन प्रमाण पत्र नहीं हो तो), (9) छत्तीसगढ़ का मूल निवास प्रमाण पत्र, (10) रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र, (11) अनापत्ति प्रमाण पत्र (यदि शासकीय सेवा में हो तो), (12) दिव्यांग प्रमाण पत्र, (13) भूतपूर्व सैनिक प्रमाण पत्र, (14) अन्य प्रमाण पत्र/दस्तावेज (यदि कोई हो तो)।

इस हेतु अभ्यर्थियों को डाक के माध्यम से सूचना नहीं दी जावेगी। काउंसिलिंग हेतु बुलाये जाने वाले अभ्यर्थियों का नाम, अनुक्रमांक (रोल नं.) एवं अन्य विवरण का अवलोकन हेतु लोक निर्माण विभाग के वेबसाईट https://pwd.cg.nic.in एवं कार्यालय के सूचना पटल पर प्रदर्शित किया गया है।

प्रमुख अभियंता
लोक निर्माण विभाग
नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.)

जी. 262702262/1

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय पॉलीटेक्निक, पथरिया (छ.ग.)
ग्राम व पोस्ट धरमपुरा, तहसील जरहागांव, जिला-मुंगेली (छ.ग.)
Email:- gppathriya@gmail.com

क्रमांक/शापॉप./स्था./2026-27/355/ पथरिया,
दिनांक: 20-07-2026

Walk in Interview for Part Time Lecturer

शासकीय पॉलीटेक्निक पथरिया में रिक्त व्याख्याता पद के विरूद्ध अध्यापन कार्य हेतु अंशकालीन व्याख्याता के रूप में कार्य करने हेतु इच्छुक उम्मीदवारों को वाक-इन-इन्टरव्यू के लिये आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक उम्मीदवार दिनांक 27.07.2026 को समय 11.00 बजे अपने बायोडाटा, मूल दस्तावेजों एवं 01 सेट छायाप्रतियों के साथ शासकीय पॉलीटेक्निक, मुंगेली परिसर, ग्राम-धरमपुरा, जिला-मुंगेली (छ.ग.) में उपस्थित हो सकते है।

अंशकालीन व्याख्याता हेतु पदों का विवरण

स.क्र.	विषय	रिक्तियां	न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता	वाक-इन-इंटरव्यू स्थान
1	इलेक्ट्रीकल	01	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से संबंधित विषय में प्रथम श्रेणी में बी.ई./बी.टेक. की उपाधि।	शासकीय पॉलीटेक्निक, मुंगेली परिसर, ग्राम-धरमपुरा, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

अंशकालीन व्याख्याता का पद पूर्णतः अस्थाई है। उपरोक्त सारणी में पदों की संख्या संस्था के आवश्यकता अनुसार परिवर्तनीय होगी। चयन हेतु उपयुक्त पाये जाने की स्थिति में तत्काल संस्था में कार्यभार ग्रहण करना होगा।

प्राचार्य
शासकीय पॉलीटेक्निक, पथरिया
जिला-मुंगेली (छ.ग.)

जी-262702246/1

अब नो-नेटवर्क जोन में भी फेल नहीं होगा यूपीआई! एनपीसीआई ला रहा नया फीचर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आम लोगों के लिए यूपीआई से जुड़ी खास खबर सामने आई है। अब जल्द ही बिना इंटरनेट के यूपीआई पेमेंट आसानी से हो सकेगा। इस मामले की जानकारी रखने वालों का कहना है कि भारत एक ऐसी यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) सुविधा विकसित कर रहा है, जिससे ग्राहक मर्चेंट के पॉइंट-ऑफ-सेल (पीओएस) टर्मिनल पर तब भी पेमेंट कर सकेंगे, जब दोनों डिवाइस में इंटरनेट न हो। रिपोर्ट के मुताबिक, नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) 2026 में प्रमुख टर्मिनल बनाने वाली कंपनियों के पीओएस डिवाइस को सर्टिफाई करना शुरू कर सकता है। प्रस्तावित सिस्टम में नियर-फील्ड कम्युनिकेशन (एनएफसी) टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल होगा और एनएफसी-इनेबल्ड फोन को ऑफलाइन टर्मिनल पर टैप करके 2,000 रुपए तक का पेमेंट किया जा सकेगा।

फीचर हवाई जहाज अंडरग्राउंड ट्रेन में उपयोगी

रिपोर्ट में कहा गया है कि यह फीचर उन जगहों के लिए बनाया गया है जहां कनेक्टिविटी उपलब्ध नहीं है या भरोसेमंद नहीं है, जिसमें हवाई जहाज के केबिन और अंडरग्राउंड ट्रेन नेटवर्क शामिल हैं। ग्राहक पहले इंटरनेट से कनेक्ट होने पर अपने डिवाइस पर मौजूद यूपीआई लाइट वॉलेट में पैसे लोड करेंगे। इसके बाद, वे बिना यूपीआई पिन डाले ऑफलाइन टर्मिनल पर उस बैलेंस का इस्तेमाल कर सकेंगे।

पीसीआई से सर्टिफिकेशन की जरूरत

इस मामले की जानकारी रखने वाले एक फिनटेक फर्म के व्यक्ति ने मीडिया रिपोर्ट में कहा कि ऑफलाइन सेटिंग में यूपीआई पेमेंट स्वीकार करने के लिए पीओएस कंपनियों को एनपीसीआई से सर्टिफिकेशन की जरूरत होगी। सर्टिफिकेशन मिलने के बाद वे इसके आधार पर एक एप्लीकेशन बना सकती हैं। पीओएस टर्मिनल मर्चेंट की तरफ का हार्डवेयर होता है, जिसका इस्तेमाल आमतौर पर डेबिट और क्रेडिट कार्ड, प्रीपेड कार्ड और मोबाइल-वॉलेट पेमेंट स्वीकार करने के लिए किया जाता है। प्रस्तावित सिस्टम के तहत, टर्मिनल पेमेंट ऑथराइजेशन को स्टोर करेगा और कनेक्टिविटी वापस आने पर उसे आगे भेज देगा।

ऐप का इस्तेमाल करने टैप करना होगा: एक रिपोर्ट में कहा कि यह यूपीआई ऐप्स के लिए एनएफसी -बेस्ड यूज-केस है। आप ऐप का इस्तेमाल करके टैप करेंगे। भले ही टर्मिनल ऑफलाइन हो।

बजाज ऑटो के लाभ में 42 प्रतिशत की वृद्धि

मुंबई। बजाज ऑटो लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में एकल आधार पर शुद्ध लाभ 42 प्रतिशत बढ़कर 2,982.84 करोड़ रुपये रहा है। पुणे स्थित वाहन विनिर्माता कंपनी का वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में शुद्ध लाभ 2,095.98 करोड़ रुपये था।

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय पॉलीटेक्निक, कोरबा (छ.ग.)

क्रमांक / शापाको / स्था/2026/416 — कोरबा, दिनांक 20-07-26

// आवश्यकता है //

शासकीय पॉलीटेक्निक, कोरबा के डिप्लोमा पाठ्यक्रम इलेक्ट्रिकल इंजी, इंस्ट्रूमेंटेशन इंजी. एवं गणित विषय में अंशकालीन व्याख्याता की आवश्यकता है। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता इलेक्ट्रिकल इंजी. एवं इन्स्ट्रूमेंटशन इंजी में संबंधित / प्रासंगिक संकायों में प्रथम श्रेणी में स्नातक उपाधि तथा गणित विषय में प्रथम श्रेणी में स्नातकोत्तर उपाधि है। इच्छुक उम्मीद्वार बायोडाटा एवं शैक्षणिक, अनुभव एवं अन्य प्रमाण पत्रों की स्व-अभिप्रमाणित छायाप्रति सहित आवेदन रजिस्टर्ड डाक / स्पीड पोस्ट से अथवा स्वयं उपस्थित होकर दिनांक 07.08.2026 तक कार्यालयीन समय में जमा कर सकते हैं। उक्त तिथि पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा तथा किसी भी प्रकार के विलम्ब की जिम्मेदारी इस कार्यालय की नहीं होगी। पूर्व में कार्यरत अथवा आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को पुनः विज्ञापन पश्चात की तिथि में आवेदन करने पर ही विचार किया जाएगा। चयन हेतु निर्धारित मापदंड निम्नानुसार होंगे-

चयन के कुल 100 अंक निर्धारित किये गये हैं, जो निम्नलिखित अनुपात में दिये जायेंगे-

1	विहित न्यूनतम अर्हता (अर्हकारी परीक्षा में 50 प्रतिशत प्राप्तांकों के लिये 10 अंक, 50 प्रतिशत से अधिक के लिए प्रत्येक एक प्रतिशत के लिये एक अंक)	60 अंक (अधिकतम)
2	उच्चतर अर्हता (संबंधित विषय में एम.ई/ एम.टेक./ एमफिल उपाधि) (अभ्यर्थी के पास आवेदन जमा करने की निर्धारित अंतिम तिथि को होनी चाहिए)	05 अंक
3	पी.एच.डी. उपाधि (संबंधित विषय में आवेदन जमा करने की निर्धारित अंतिम तिथि को होनी चाहिए)	10 अंक
4	गेट (इंजीनियरिंग विषयों के लिए) / NET/SET वैध स्कोर कार्ड प्रस्तुत करने पर	05 अंक
5	1. एनसीसी/एनएसएस / (बी/सी सर्टिफिकेट पास) बी-02 अंक 2. एनसीसी/एनएसएस / (सी प्रमाण पत्र प्राप्त) सी-05 अंक	05 अंक (अधिकतम)
6	खेलकूद में राज्य स्तर / राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व, राज्य शासन अथवा भारत सरकार के मोनो वाले प्रमाण-पत्र ही मान्य किये जायेगें।	05 अंक (अधिकतम)
7	शैक्षणिक अनुभव, न्यूनतम अपेक्षित अनुभव के अतिरिक्त (इंजी. महाविद्यालय / पॉलीटेक्निक स्तर पर 01 अंक प्रति सेमेस्टर अधिकतम 02 अंक प्रतिवर्ष)	10 अंक (अधिकतम)

संस्था में आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 07.08.2026 सायं 05:00 बजे तक।
संस्था के वेबसाईट www.gpkorba.in में भी अवलोकन कर सकते है।

प्राचार्य
शासकीय पॉलीटेक्निक, कोरबा (छ.ग.)

जी. 262702268/3

कार्यालय, प्रबंध संचालक, छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मण्डी) बोर्ड
"सरदार वल्लभ भाई पटेल भवन" सेक्टर-24, कयाबांधा, अटल नगर, नवा रायपुर-492018
फोन-0771-2990592, email-mdcgmandiboard@gmail.com, website-www.agriportal.cg.nic.in

क्र./बी-6/वि.स. क्षेत्र बिलासपुर/29-2/26-27/2376 — रायपुर, दिनांक 20/07/2026

ई-प्रोक्यूरमेंट द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना
Main Portal:http://eproc.cgstate.gov.in

कृषि उपज मंडी समिति बिलासपुर जिला बिलासपुर अंतर्गत छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड द्वारा ऑनलाईन निविदाएँ छ.ग. लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत, सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो से प्रपत्र 'अ' प्रतिशत दर पर अधोलिखित निर्माण कार्यो हेतु निविदाएँ आमंत्रित की जाती है :-

ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि-07.08.2026, फिजिक्ल सबमिशन की अंतिम तिथि-17.08.2026

क्र.	कार्य का नाम / स्थल	अनुमानित लागत (लाख में)	एस.ओ.आर विवरण
1	कृषि उपज मंडी समिति बिलासपुर के उपमंडी बिल्हा क्षेत्रातंर्गत ग्राम पत्थरखान में आदिवासी भवन के बाउण्ड्रीवाल गेट के दाहिने तरफ 04 नग एवं बाये तरफ 04 नग दुकान निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	36.50	लो.नि.वि. भवन कार्य हेतु दिनांक 01.01. 2015 एवं विद्युत कार्य हेतु दिनांक 01.07. 2015 से प्रभावशील एस.ओ.आर.

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य एवं विशेष शर्ते, धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in वेबसाईट पर निर्धारित तिथि तक देखे जा सकते है।

सही/-
सचिव
कृषि उपज मंडी समिति बिलासपुर, जिला-बिलासपुर

सही/-
भारसाधक अधिकारी
कृषि उपज मंडी समिति बिलासपुर, जिला-बिलासपुर

संवाद-48507

वन विभाग छत्तीसगढ़ बस्तर (सामान्य) वनमंडल, जगदलपुर

ई-ऑक्शन विज्ञापन

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि, बस्तर सामान्य वनमंडल जगदलपुर के सरगीपाल काष्ठागार में दिनांक 04.08.2026 को इमारती काष्ठ का ई-ऑक्शन द्वारा निम्नानुसार किया जावेगा। इच्छुक व्यापारियों से अनुरोध है कि, ई-ऑक्शन में भाग लेकर डिपो में रखी वनोपज की भली-भांति अवलोकन कर ई-ऑक्शन से संबंधित जानकारी वनमंडल कार्यालय जगदलपुर अथवा काष्ठागार सरगीपाल से कार्यालयीन दिवसों में प्राप्त किया जा सकता है। प्रस्तावित मात्रा में कमी या अधिकता हो सकती है, कृपया ई-ऑक्शन में बीड लगाने के पूर्व वनोपज का निरीक्षण करने के बाद बीड लगावें।
1. क्रेताओं को ई-ऑक्शन से पूर्व एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। 2. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है। 3. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आई.डी से लॉग इन करके देख सकते है। 4. ई-ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओ द्वारा 30 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 20 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा।

काष्ठागार सरगीपाल ई-ऑक्शन समय 9.00 बजे दिनांक 04.08.2026
काष्ठागार सरगीपाल नीलाम में रखे गये वनोपज की मात्रा

प्रजाति	वनोपज की मात्रा					
	नया काष्ठ			पुराना काष्ठ		
	घनमीटर (अनुमानित)	बल्ली	डेंगरी	घनमीटर	बल्ली	डेंगरी
सागौन	2.000	0	0	1115.075	9928	3409
साल	1032.000	0	37	3852.681	33	98
बीजा	8.000	0	0	116.833	14	15
साजा	4.000	0	0	44.822	0	4
हल्दु	4.000	0	0	76.805	0	0
शीशम	0.000	0	0	0.000	0	0
सिवना	0.000	0	0	2.264	0	0
तिंसा	0.000	0	0	5.776	2	0
नीलगिरी	0.000	0	0	0.000	0	0
धावड़ा	2.000	0	0	9.597	0	0
अन्य	4.000	0	0	55.732	0	8
पाईन	0.000	0	0	0.000	0	0
अकेशिया	0.000	0	0	110.593	721	829
मुलायम काष्ठ	0.000	0	0	3.977	0	0
योग	**1056.000**	**0**	**37**	**5394.155**	**10698**	**4363**

नया व्यापारिक बांस- 24.815 नो.टन, अविक्रित व्यापारिक बांस- 12.775 नो.टन, अविक्रित सागौन चट्टा- 06 चट्टा
अविक्रित मिश्रित जलाऊ चट्टा - 100 चट्टा, अविक्रित औधोगिक बांस - 75.181 नो.टन

वन मंडलाधिकारी
बस्तर वन मंडल, जगदलपुर

जी. 262702251/2

Chhattisgarh State Industrial Development Corporation Limited
(A Government of Chhattisgarh Undertaking) (ISO 9001: 2015 Certified)
1st Floor, Udyog Bhawan, Ring Road No.1, Telibandha, Raipur (C.G.)-492006
CIN: U45203CT1981SG001853, PAN AABCM6288N, GST Regn. No. 22AABCM6288NSZY
Phone: 0771-6621000, Fax: 0771-2583794
Website: www.csidc.in, Email address: csidc.cg@nic.in, cside_raipur@yahoo.com

NOTICE INVITING TENDER 2nd Call
(Through e-Procurement Portal Only)

NIT No. 06 & 07/CSIDC/E.E./Division-II/2026-27/ — Raipur, Dated 17/07/2026

Chhattisgarh State Industrial Development Corporation Ltd., Raipur (CSIDC), a Government of Chhattisgarh Undertaking constituted under the Companies Act, engaged in Industrial Infrastructure Development & Other Related Activities in the State invites online tender for the following work :-

NIT No. & System No.	Name of Work	Registered Contractor in CGPWD or in appropriate class in other dep't.	Probable Amount of Contract (PAC) (INR Lacs)	Time allowed (includin g rainy season)	EMD (INR Lacs)	Cost of Tender Document (Including GST 18%)
06 195710	Corporate Tower (Phase-01) of 2nd & 3rd floor Interior work & Electrfication work at Udyog Bhawan, Raipur, (C.G.).	'Class-B & Above	208.19	06 Months	104100/-	3540/-
07 195713	"Infrastructure development of Proposed New Industrial area at village Matiya, Block-Kasdol District Baloda bazar Bhatapara (C.G.)"	'Class-B & Above	692.00	09 Months	692000/-	11800/-

The tender document containing detailed terms & conditions, scope of works and other details can be downloaded from the web portal (website) https: eproc.egstate.gov.in from 17/07/2026 Time 17:01 and shall be submitted online only. Amendment in tender, if any, will only be uploaded on the website and shall not be published in any newspaper.
NOTE: The interested tenderers for online submission of tender may contact CG e-Proc Helpdesk. Operated by Mjunction Services Limited, they may reach Helpdesk using 18004199140 (therein press 2 for CG e-Proc) or you can email them at Helpdesk eproc@cgswan.gov.in.

Executive Engineer
Division-II

S-48509

राशिफल

मेष: मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृष: पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन: संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं।

कर्क: आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

सिंह: आत्मसंयत रहें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

कन्या: मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकता है। भागदौड़ बढ़ सकती है। खर्च बढ़ेंगे।

तुला: आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु शान्ति बताये रखने के लिए प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

वृश्चिक: मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

धनु: आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें।

मकर: मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि हो सकते हैं। तनाव रहेगा।

कुंभ: मन शान्त तो रहेगा, परन्तु फिर भी संयत भी रहें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की अधिकता रहेगी।

मीन: मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

शब्द पहेली - 6294

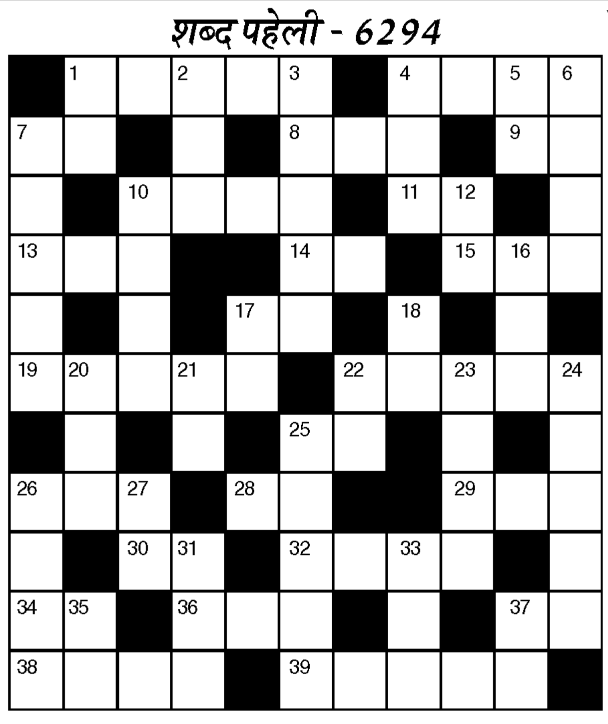

बाएँ से दाएँ
1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पतंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.खैरात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फ्रूट-2
36.सचेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे
1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.वाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली- 6293 का हल

सूडोकु नवताल - 6304

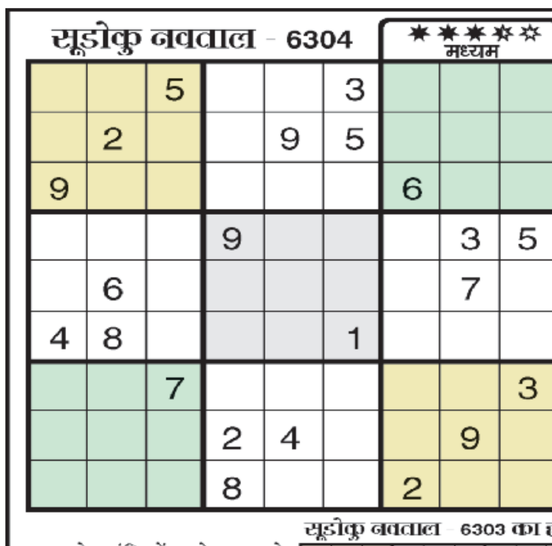

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6303 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

आइए जानते हैं, क्या है 'वंदे मातरम' बिल और पहले राज्यसभा में ही क्यों होगा पेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नई दिल्ली

संसद का मानसून सत्र चल रहा है और इसमें केंद्र सरकार वंदे मातरम बिल 2026 (राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण संशोधन विधेयक,2026) पेश करेगी। केंद्र सरकार का मकसद इस बिल को कानून बनाना है, ताकि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को राष्ट्रीय गान की तरह कानूनी सुरक्षा मिले। वंदे मातरम का अपमान करने वालों को सजा मिले। वर्तमान में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है, इसलिए केंद्र सरकार 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम 1971' में संशोधन करके राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' को भी राष्ट्रीय प्रतीक बनाकर कानूनी दर्जा देना चाहती है। अब तक अधिनियम में राष्ट्रीय ध्वज (धारा 2), राष्ट्रगान (धारा 3) और संविधान (धारा 1ए) का अपमान करने पर सजा का प्रावधान है, लेकिन बिल पारित होने के बाद इस सूची में वंदे मातरम भी शामिल हो जाएगा।

'वंदे मातरम' का 'जानबूझकर' अपमान करने पर होगी सजा

संसद के चल रहे मौजूदा मानसून सत्र में पेश किया जाएगा इससे जुड़ा विधेयक

पहले राज्यसभा में ही क्यों पेश होगा बिल?

बता दें कि आमतौर पर संसद में धन विधेयकों को छोड़कर कोई भी बिल पहले लोकसभा में पेश किया जाता है और यहां पारित होने के बाद राज्यसभा में पेश किया जाता है, लेकिन केंद्र सरकार वंदे मातरम बिल को पहले राज्यसभा में पेश करेगी। हालांकि बिल को पहले राज्यसभा में पेश करने के पीछे कोई नियम या संवैधानिक कानून नहीं है, बल्कि कोई भी बिल किसी भी सदन में पहले पेश किया जा सकता है। लेकिन वंदे मातरम बिल को पहले राज्यसभा में पेश करने का कारण विशेष रणनीति, ज्यादा कार्यभार, बिल का विवादित होना और बिल पर चर्चा के लिए ज्यादा समय की जरूरत है।

अपमान पर सजा के लिए प्रावधान

वंदे मातरम् कानून लागू होने के बाद इसका अपमान करने पर या इसके गायन में रुकावट डालना दंडनीय अपराध होगा। प्रस्तावित बिल की धारा 3 के तहत दोषी को 3 साल तक की जेल या जुर्माना या जेल-जुर्माना दोना हो सकता है। ऐसे मामले में एक बार दोषी साबित होने के बाद दोबारा वही गलती करने पर कम से कम एक साल की सजा का प्रावधान बिल में किया गया है। इसी तरह की सजा वर्तमान में राष्ट्रगान के अपमान पर दी जाती है।

अनजाने में गलती पर नहीं होगी सजा

वंदे मातरम बिल में प्रावधान किया गया है कि गलती से या अनजाने में हुए अपमान के लिए सजा नहीं दी जाएगी, बल्कि अपमान जानबूझकर किया गया है, यह साबित करना होगा। वंदे मातरम के गायन में बाधा डालना, खलल डालना या अन्य किसी रूप में उसक अपमान करना दंडनीय अपराध होगा और पुलिस इन मामलों में सीधे एफआईआर दर्ज कर सकेगी। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने 3 महीने पहले एक मामले में फैसला दिया था कि वंदे मातरम नहीं गाना दंडात्मक अपराध नहीं है। इस फैसले के बाद और वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने के मौके पर केंद्र सरकार यह बिल लेकर आई है।

गायन के होंगे नियम

वंदे मातरम बिल में इसके कुछ नियमों का प्रावधान भी किया गया है, यानी वंदे मातरम गाते समय कुछ नियमों का पालन करना होगा। जैसे वंदे मातरम के 6 अंतरे ही गाए जाएंगे। सरकारी कार्यक्रमों में इसका गायन अनिवार्य होगा। स्कूलों में प्रार्थना से पहले और सरकारी कार्यक्रम की शुरुआत में गया जाएगा। 3 मिनट 10 सेकंड में गाया जाएगा और गायन के दौरान सावधान मुद्रा में रहना होगा।

वंदे मातरम को लेकर क्यों हो रही सियासत?

वंदे मातरम बिल को लेकर विवाद भी जारी है, क्योंकि भाजपा जहां इस बिल को राष्ट्रीय सम्मान बता रही है, वहीं कांग्रेस ने इस बिल को मोदी सरकार की जेल भरो नीति बताया है। कांग्रेस सांसद मणिक्कम टैगोर ने बिल को आरएसएस से प्रेरित शक्ति का दुरुपयोग बताया है। प्रियंका गांधी ने पीएम मोदी पर वंदे मातरम से जुड़े तथ्यों को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाया है। वहीं भाजपा का कहना है कि कांग्रेस को वंदे मातरम से नफरत है। कांग्रेस ने इसे छोटा करके इसका अपमान किया है। मुस्लिम लीग और मोहम्मद अली जिन्ना को खुश करने की कोशिश की थी। इसलिए कांग्रेस नहीं चाहती कि भाजपा इसे कानूनी दर्ज दिलाए।

खबर संक्षेप

महुआ को हाई कोर्ट से अंतरिम राहत

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ

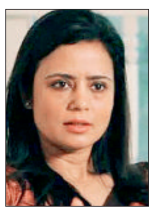

मोइत्रा को कथित 'हेट स्पीच' मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट से अंतरिम राहत मिली है। अदालत ने उनके खिलाफ 5 अक्तूबर तक किसी भी तरह की सख्त पुलिस कार्रवाई पर रोक लगा दी है।अदालत ने साफ किया कि यह राहत तभी तक लागू रहेगी, जब तक महुआ मोइत्रा जांच में पूरा सहयोग करें और अदालत की ओर से तय सभी शर्तों का पालन करें। इस आदेश के बाद फिलहाल उनकी गिरफ्तारी या अन्य सख्त कार्रवाई पर रोक लग गई है। किन जांच जारी रहेगी। मोइत्रा ने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर दावा किया था कि उनके खिलाफ नदिया जिले के होगलबेरिया थाने में दर्ज मामला मनगढ़ंत आरोपों पर आधारित है। उन्होंने अदालत से पुलिस की किसी भी सख्त कार्रवाई पर रोक लगाने और पूरे मामले को रद्द करने की मांग की थी। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने उन्हें 14 अगस्त को जांच अधिकारी के सामने पेश होने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि मामले की अगली सुनवाई 1 अक्तूबर को होगी, जबकि अंतरिम राहत 5 अक्तूबर तक या अगले आदेश तक लागू रहेगी।

ट्रम्प ने कनाडा पर लगाया 50% टैरिफ

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कनाडा से आयात होने वाले कई उत्पादों पर

50% नया टैरिफ लगाने का आदेश दिया है। ट्रंप ने आरोप लगाया कि कनाडा अमेरिकी शराब, ऑटोमोबाइल और डेयरी उत्पादों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार कर रहा है। नया टैरिफ 30 दिन बाद लागू होगा। व्हाइट हाउस के मुताबिक एनर्जी, पोटाश और पहले से सेक्टर-विशेष टैरिफ के दायरे में आने वाले उत्पादों को इससे बाहर रखा गया है। सबसे अहम बात यह है कि USMCA (अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा मुक्त व्यापार समझौता) के तहत आने वाले कई उत्पाद भी अब इस नए टैरिफ के दायरे में आएंगे।

शंभू, सिंघु बार्डर पर लगा लंबा जाम | हरियाणा सरकार के आश्वासन के बाद दिल्ली कूच फिलहाल किया स्थगित | देश बचाओ मोर्चा का है यह आंदोलन

ट्रेड डील के विरोध में शंभू बॉर्डर पर उमड़ा किसानों का हुजूम, रोका गया दिल्ली जाने से

भारत के अन्नदाता एक बार फिर से बड़ी संख्या में दिल्ली कूच करने की कोशिश की। अमेरिका-भारत फ्री ट्रेड डील के विरोध में देश के विभिन्न राज्यों से किसान संगठनों ने दिल्ली के किसान घाट पर महापंचायत आयोजित करने का आह्वान किया। इसके लिए बड़ी संख्या में शंभू बॉर्डर पर किसान एकत्रित हुए, हालांकि शंभू बार्डर पर इन्हें रोक दिया गया। जानकारी के अनुसार, बाद में हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के साथ हुई बैठक के बाद किसानों ने दिल्ली कूच फिलहाल स्थगित कर दिया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नई दिल्ली

'देश बचाओ मोर्चा' के बैनर तले मंगलवार को प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के विरोध में दिल्ली के किसान घाट पर एक दिवसीय 'किसान महापंचायत' आयोजित की जा रही है। किसान नेताओं ने पहले कहा था कि पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों से किसान महापंचायत में शामिल होंगे। इस योजना के तहत पंजाब से करीब एक हजार किसान अपने-अपने संगठनों के झंडे लेकर मंगलवार को शंभू सीमा पहुंचे, जहां से उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया गया। प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों के हिस्सों पर भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। वहीं, किसान नेताओं ने कहा कि बड़ी संख्या में किसानों को खनौरी सीमा, कुरुक्षेत्र के शाहाबाद और करनाल में भी रोका गया। कुरुक्षेत्र में किसानों ने दावा किया कि उन्हें ज्योतिसर के पास रोक दिया गया। पंजाब के किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने नायब सिंह सैनी सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि किसान शांतिपूर्ण ढंग से दिल्ली जाना चाहते थे, लेकिन उन्हें हरियाणा सीमा पर रोक दिया गया। उन्होंने कहा कि किसान प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को पूरी तरह रद्द किए जाने की मांग कर रहे हैं।

- पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी, अतिरिक्त पुलिस बल तैनात

ट्रेड डील को लेकर किसानों का डर

किसान संगठनों का कहना है कि उनका विरोध प्रस्तावित भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर है। उनका आरोप है कि इस समझौते के कई अहम पहलुओं को सार्वजनिक नहीं किया गया है और इससे भारतीय कृषि क्षेत्र पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। प्रदर्शनकारी किसानों का दावा है कि अगर कृषि और डेयरी क्षेत्र से जुड़े उत्पादों पर आयात के रास्ते आसान किए गए तो देश के किसानों की आय और बाजार दोनों प्रभावित होंगे।

चढ़ूनी को किया गया रिहा, मांगों पर सहमति के बाद वापस लौटे किसान

जानकारी के अनुसार, अमेरिका-भारत फ्री ट्रेड डील के विरोध में पंजाब और हरियाणा के किसानों ने मंगलवार को प्रस्तावित दिल्ली कूच और किसान घाट महापंचायत फिलहाल स्थगित कर दी है। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के साथ हुई बैठक के बाद किसान वापस लौट गए हैं। कुरुक्षेत्र पुलिस ने किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी को भी रिहा कर दिया। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश सचिव दिलबाग सिंह दिराजके ने बताया कि हिरासत में लिए गए किसान नेताओं की रिहाई और केंद्र सरकार से वार्ता कराने पर सहमति बनने के बाद धरना स्थगित करने का फैसला लिया गया।

ये हैं वे दो मांगे

पहली मांग किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी की रिहाई की थी, जबकि दूसरी मांग केंद्र सरकार के साथ औपचारिक वार्ता शुरू कराने की थी। बैठक के बाद हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि सरकार ने दोनों मांगों को स्वीकार करते हुए गुरनाम सिंह चढ़ूनी को जल्द रिहा करने और एक सप्ताह के भीतर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ किसानों की बैठक कराने का आश्वासन दिया है।

गल्फ देशों में भीषण 'महासंकट'

ईरान का पूर्ण युद्ध का ऐलान अमेरिका के लगातार हमले

एजेंसी ▶▶। नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच 10 दिन से जारी संघर्ष अब पूर्ण युद्ध में बदल गया है। खुद ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजे पेजेशकियन ने युद्ध का ऐलान किया है। इस बीच अमेरिका ने लगातार 10वें दिन ईरान पर हमले किए तो ईरान ने भी कुवैत में अमेरिका के सैन्य ठिकानों पर मिसाइलें दागीं।

अमेरिका के हमलों से बंदर अब्बास समेत कई इलाकों में धमाके सुनाई दिए। होर्मुज स्ट्रेट बंद है और अमेरिकी नौसेना ने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी की हुई है। अमेरिका की सेंट्रल कमांड के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप के निर्देश पर ईरान पर 10 दिन से हमले किए जा रहे हैं। 10वें दिन भी होर्मुज स्ट्रेट से सटे दक्षिणी ईरान में हमले किए गए। बमबारी और मिसाइल अटैक के बाद बंदर अब्बास, बुशहर, इस्फाहान, चाबहार, कोनारक समेत कई इलाकों में धमाके सुनाई दिए। वहीं ईरान पर ताजा हमले अमेरिका के सैनिक की मौत के बाद और कुवैत, जॉर्डन और बहरीन में ईरान के ड्रोन-मिसाइल अटैक के जवाब में किए गए हैं।

ईरानी राष्ट्रपति का बड़ा ऐलान

दूसरी ओर, अमेरिका के हमलों का जवाब देते हुए ईरान की सेना ने मंगलवार सुबह कुवैत स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे को निशाना बनाकर मिसाइलें दागीं। इस बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने घोषणा की है कि अमेरिका के साथ अब पूर्ण जंग शुरू हो चुकी है। कुवैत के आरिफजान अड्डे पर तैनात अमेरिकी सेना पर हमला किया गया है। सैन्य अड्डे पर तैनात अमेरिका के हिमर्स मिसाइल सिस्टम पर सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों से हमला किया गया।

आंध्र और महाराष्ट्र के बाद बिहार तक मिले केस

भागलपुर में बाप-बेटी निकले कोरोना पॉजिटिव, अलर्ट जारी

एजेंसी ▶▶। नई दिल्ली

आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में कोरोना के मामले सामने आने के बाद बिहार में भी मामले सामने आ रहे हैं। बिहार के भागलपुर जिले में एक 65 साल के बुजुर्ग और उनकी 35 साल की बेटी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं।

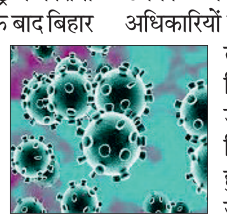

दोनों को जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज और अस्पताल यानी जेएलएनएमसीएच में भर्ती कर इलाज दिया जा रहा है। अस्पताल अधीक्षक एचपी दुबे ने सोमवार को इसकी जानकारी दी. शुरुआत में दुबे ने दूसरे मरीज को बुजुर्ग की पत्नी बताया था, लेकिन बाद में उन्होंने साफ किया कि वह उनकी बेटी हैं। अस्पताल अधिकारियों के मुताबिक बुजुर्ग की तबीयत 15 जुलाई को बिगड़ी थी। शुरुआत में उनका इलाज एक निजी क्लिनिक में हुआ, लेकिन कोरोना जैसे लक्षण दिखने पर उन्हें जेएलएनएमसीएच रेफर किया गया। रविवार को उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया और आरटी-पीसीआर जांच में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई। इसके बाद जब उनके संपर्क में आए लोगों की जांच की गई तो उनकी बेटी भी पॉजिटिव पाई गईं।

शिंदे सेना में विलय को दी गई है मंजूरी

बागी सांसद मामले में उद्धव सेना की सुनवाई पर सुप्रीम कोर्ट राजी

एजेंसी ▶▶। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उद्धव ठाकरे की शिवसेना की उस याचिका पर जल्द सुनवाई के लिए सहमति दे दी है, जिसमें पार्टी के 6 सांसदों के एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल होने को चुनौती दी गई है। शिवसेना (यूबीटी) की ओर से वरिष्ठ वकील देवदत्त कामत ने कोर्ट में कहा कि लोकसभा अध्यक्ष का फैसला मौजूदा संसद सत्र को प्रभावित करने के उद्देश्य से लिया गया है। इसलिए मामले की तत्काल सुनवाई जरूरी है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले को जल्द सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। हालांकि, सुनवाई की तारीख अभी तय नहीं की गई है। 22 जून को उद्धव के 9 लोकसभा सांसदों में से बागी 6 सांसद शिंदे गुट में शामिल हो गए थे।

सीजेआई ने दिया आश्वासन

कामत ने पीठ से आग्रह किया कि याचिका को बुधवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए। इस पर प्रधान न्यायाधीश ने कहा, 'हम देखेंगे।' कामत ने पीठ को बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ने 18 जुलाई को शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसदों के शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में विलय को मंजूरी दे दी थी। उन्होंने कहा, 'अध्यक्ष ने छह सांसदों के विलय को मान्यता दे दी है।' कामत ने दलील दी कि यह राष्ट्रीय स्तर पर एक नई प्रवृत्ति बन गई है, जिसमें सांसद उन दलों में शामिल हो रहे हैं जिनके खिलाफ उन्होंने चुनाव लड़ा और जीत हासिल की थी।

बिरला ने दी थी मंजूरी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मानसून सत्र शुरू होने से पहले 18 जुलाई को शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसदों के शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में विलय को मंजूरी दी थी। मॉनसून सत्र से पहले बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में भी उद्धव सेना ने स्पीकर के फैसले का विरोध किया था और वॉकआउट कर दिया था। स्पीकर ने टीएमसी के बागी सांसदों को भी एक छोटी पार्टी में शामिल होने की मंजूरी दे दी थी।

ब्रिटेन में 2 भारतवंशियों को मिला मंत्री पद

लंदन। ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम ने सोमवार को पद संभालते ही अपनी नई कैबिनेट का गठन किया। BBC के मुताबिक, बर्नहैम ने अपनी नई टीम में कई पुराने मंत्रियों को बनाए रखा है, जिनमें कनिष्क नारायण और लीजा नंदी भी शामिल हैं। कनिष्क नारायण को कृत्रिम मेधा (एआई) मंत्री बनाया गया है, जबकि लीजा नंदी को संस्कृति मंत्री के पद पर बरकरार रखा गया है। कनिष्क का जन्म बिहार के मुजफ्फरपुर में हुआ था। 12 साल की उम्र में वह अपने

परिवार के साथ ब्रिटेन के कार्डिफ चले गए। राजनीति में आने से पहले उन्होंने तकनीक और वित्त क्षेत्र में काम किया। इस दौरान उन्होंने एआई, फिनटेक और जलवायु से जुड़े कारोबारों के साथ काम किया। 2025 में कीर स्टार्मर सरकार ने उन्हें एआई और ऑनलाइन सुरक्षा मंत्री बनाया था।

कार्यालय नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

क्रमांक 1754/न.पा.नि./लो.नि.वि./26-27 अम्बिकापुर दिनांक 21/07/2026

-: ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना (प्रथम/द्वितीय) :-

नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर द्वारा बांकी नाला से तकिया फिल्टर प्लांट तक रॉ वॉटर ग्रेवेटी पाईप लाईन विस्तार एवं कम्पनी बाजार में वेडिंग जोन निर्माण कार्य हेतु प्रथम ई-निविदा (195846 एवं 195856) एवं सुभाषनगर सब्जी मण्डी में दुकान निर्माण कार्य हेतु द्वितीय ई-निविदा (195870) आमंत्रित की गई है।

विस्तृत निविदा सूचना छ.ग. शासन के ई- प्रोक्यूरमेंट पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in & https://uad.cg.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

आयुक्त
नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर

चोनहार चेकपॉइंट पर किया बड़ा हमला

यूक्रेन ने ड्रोन से उड़ाया रूसी ट्रकों को, पुतिन को झटका

कीव। यूक्रेन-क्रिमिया को जोड़ने वाले चोनहार चेकपॉइंट पर एक ड्रोन हमला हुआ। वीडियो फुटेज में दिखा कि ड्रोन रूसी भारी ट्रकों के काफिले पर टकराया। कुछ ट्रक रूसी सैन्य चिह्नों जैसे '17RK' से मार्क्ड थे। कुछ ईंधन टैंकर बताए जा रहे हैं। हमले के बाद आग की लपटें उठीं और लोग भागते दिखे। हालांकि दृश्य में ड्राइवरों के बीच कैजुअल्टीज की कोई पुष्टि नहीं हुई है। यूक्रेनी सूत्रों का कहना है कि यह हमला केर्च ब्रिज को हुए नुकसान के बाद रूसी सप्लाई लाइनों को बाधित करने का हिस्सा है। दोनों पक्षों ने घटना की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन यह यूक्रेन-रूस युद्ध में ड्रोन हमलों के बढ़ते पैटर्न को दिखाता है। चोनहार हमले से रूसी लॉजिस्टिक्स पर दबाव बढ़ेगा। क्रिमिया रूसी सेना के लिए महत्वपूर्ण आधार है। अगर सप्लाई प्रभावित हुई तो मोर्चे पर सैनिकों को समस्या हो सकती है। यूक्रेन की यह रणनीति युद्ध को लंबा खींचने और रूस को आर्थिक-सैन्य नुकसान पहुंचाने की है।

वीडियो में भागते दिखे रूसी लोग

चोनहार चेकपॉइंट क्रिमिया को यूक्रेन के मुख्यभूमि से जोड़ने वाले इस्तह्मस पर स्थित है। यह सड़क मार्ग रूसी सेना के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। केर्च ब्रिज पर पहले हो चुके हमलों के बाद यह रूट और भी जरूरी हो गया था। ड्रोन ने काफिले के बीच हमला किया, जिसमें ईंधन और सामान ले जा रहे ट्रक शामिल थे। वीडियो में आग लगने और लोगों के भागने के दृश्य साफ दिख रहे हैं। यह हमला रियर एरिया में हुआ, जहां आमतौर पर सुरक्षा कम होती है। यूक्रेन अब रूसी लॉजिस्टिक्स को निशाना बनाने की रणनीति अपना रहा है। ईंधन टैंकरों पर हमला करने से रूसी सेना की मोबिलिटी और सप्लाई प्रभावित होती है।

श्रीलंका : 76 हजार लोग डेंगू से संक्रमित, 53 मौतें

कोलंबो। श्रीलंका में मच्छरों से फैलने वाली बीमारी डेंगू का करीब एक

दशक में सबसे गंभीर प्रकोप सामने आया है। जनवरी से अब तक 76,044 लोग संक्रमित हो चुके हैं और 53 मौतें हुई हैं। बीमारी के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं और अस्पतालों के साथ अब देश की सेना भी अभियान में जुट गई है। श्रीलंका की एयरफोर्स ड्रोन की मदद से मानसून की बारिश के बाद छतों पर जमा पानी की पहचान कर रही है। वहीं सेना और पुलिस के जवान घरों, निर्माण स्थलों और स्कूलों की जांच कर रहे हैं।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला बलरामपुर-रा.गंज (छ.ग.)

cmhobalrampur@gmail.com

क्रमांक /1700/अंधत्व/2026-27 बलरामपुर दिनांक...............

चश्मा हेतु निविदा सूचना

राष्ट्रीय जिला अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बलरामपुर में जिला अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत स्कूली छात्र-छात्राओं एवं वृद्धजनों हेतु प्रेसबायोपिक चश्मा के क्रय हेतु इच्छुक निविदाकारों से निविदा प्रपत्र बिक्री की अंतिम तिथि 04/08/2026 को संध्या 3.00 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। जिससे निविदा खोले जाने की तिथि 04/08/2026 को संध्या 04.00 बजे तक निर्धारित किया गया है। जिसकी विस्तृत जानकारी हेतु बलरामपुर की वेबसाइट www.balrampur.gov.in का अवलोकन किया जा सकता है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
बलरामपुर जिला बलरामपुर रा.गंज (छ.ग.)

कार्यालय, नगर पंचायत खरोरा
जिला - रायपुर (छ.ग.)
E-mail-npkharora@gmail.com

क्रमांक/ 919/न.प./लो.नि.वि./2026-27 खरोरा, दिनांक 21/07/2026

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

नगर पंचायत खरोरा द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

सिस्टम टेंडर क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	ऑनलाईन निविदा डाऊनलोड की अंतिम तिथि
195891	वार्ड क्र. 03 स्थित मुक्तिधाम का विकास एवं उन्नयन कार्य।	27.37	11/08/2026 (Time 5:00 PM)

उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http://uad.cg.gov.in से भी डाऊनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत खरोरा, जिला-रायपुर (छ.ग.)

स्टेट बैंक फंड्स के आईपीओ ने 13 कर्मचारियों को बनाया करोड़पति

एजेंसी »» नई दिल्ली

देश के सबसे बड़े फंड मैनेजर एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट की मंगलवार को लिस्टिंग हो गई। कंपनी का शेयर करीब 7 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्ट हुआ। यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल था।

इसका मतलब है कि कंपनी को इस इश्यु से कोई पैसा नहीं मिलेगा लेकिन इस साल के सबसे बड़े आईपीओ ने कंपनी के कम से कम 13 कर्मचारियों को करोड़पति बना दिया।

इन कर्मचारियों को सालों पहले ईसॉप्स के रूप में शेयर मिले थे। इसका इश्यू प्राइस 574 रुपए था और यह बीएसई पर 610 रुपए पर लिस्ट हुआ जबकि एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 613.30 रुपए पर हुई। कंपनी के 9,795.31 करोड़ रुपए के आईपीओ को करीब 42 गुना बोलियां मिली थीं।

सिंह के पास मौजूद कंपनी के शेयरों की वैल्यू लगभग 121 करोड़ रुपए

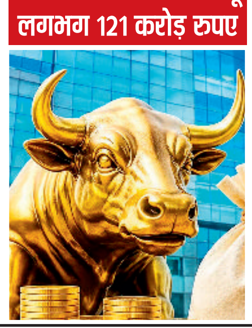

13 कर्मचारियों के पास 1 करोड़ से ज्यादा की इक्विटी

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के प्रॉस्पेक्टस के अनुसार 574 रुपए प्रति शेयर के इश्यू प्राइस पर 13 कर्मचारियों के पास 1 करोड़ रुपए से ज्यादा की इक्विटी हिस्सेदारी थी। इनमें डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर देवेंदर पाल सिंह को सबसे ज्यादा फायदा मिला है। उनके पास मौजूद कंपनी के शेयरों की वैल्यू लगभग 121 करोड़ रुपए है। इसके बाद फंड हाउस के चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर श्रीनिवासन रामा अय्यर का नंबर है जिनके पास लगभग 105 करोड़ रुपए की हिस्सेदारी है।

SBI फंड्स के आईपीओ से किसे हुआ फायदा?

सिंह के 21.14 लाख वेस्टेड शेयरों की वैल्यू आईपीओ प्राइस पर लगभग 121 करोड़ रुपए है। उनके पास अनवेस्टेड ऑप्शन भी हैं, जिनकी वैल्यू भविष्य में इस्तेमाल किए जाने पर लगभग 30 करोड़ रुपए हो सकती है। अय्यर के 18.25 लाख वेस्टेड शेयरों की वैल्यू लगभग 105 करोड़ रुपए है, जबकि उनके बाकी अनवेस्टेड ऑप्शन की अनुमानित वैल्यू आईपीओ प्राइस पर लगभग 51 करोड़ रुपए है।

पश्चिम एशिया संकट से सेंसेक्स 238 अंक टूटा

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट जारी रही और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे। एचडीएफसी बैंक में बिकवाली के दबाव के साथ अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने से बीएसई सेंसेक्स 238 अंक टूटा, जबकि एनएसई निफ्टी में 51 अंक की गिरावट आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 238.41 अंक यानी 0.31 प्रतिशत टूटकर 77,470.11 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 371.19 अंक की गिरावट के साथ 77,337.33 अंक पर आ गया था। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 50.80 अंक के नुकसान के साथ 24,187.70 अंक पर बंद हुआ। विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार निकासी ने शेयर बाजारों में जोखिम से बचने का माहौल बना दिया है। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में एचडीएफसी बैंक में लगातार दूसरे दिन गिरावट आई और यह दो प्रतिशत नीचे आ गया। तिमाही वित्तीय परिणाम में मार्जिन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहने से बैंक का शेयर नुकसान में रहा। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस और ट्रेंट में भी प्रमुख रूप से गिरावट आई। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में बजाज फिनसर्व, इंटरग्लोब एविएशन, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाइटन शामिल हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष

नीट की लड़ाई,...

शामिल हुए थे। कांग्रेस नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्तीफे की मांग करते हुए '7 लोक कल्याण मार्ग' के निकट धरना दिया और 'प्रधानमंत्री इस्तीफा दो', 'गुंडागर्दी नहीं चलेगी' तथा 'छात्रों को न्याय दो' जैसे नारे लगाए। धरना शुरू होने के कुछ देर बाद पुलिस ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कई अन्य नेताओं को हिरासत में ले लिया। इससे पहले लोकसभा सदस्य चरणजीत सिंह चन्नी, सुखजिंदर सिंह रंधावा, शशिकांत सेंथिल और अन्य नेताओं को भी हिरासत में लिया गया। धरने के दौरान कांग्रेस नेताओं ने हाथों में हथकड़ियां पहनकर छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई का सांकेतिक विरोध किया। इससे पहले, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह और गृह सचिव गोविंद मोहन मौके पर पहुंचे तथा राहुल गांधी से धरना समाप्त करने का आग्रह किया। राहुल गांधी ने छात्रों को न्याय दिलाने के इच्छुक लोगों से धरने में शामिल होने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि छात्रों पर हमला हर भारतीय परिवार पर हमला है और सरकार को इस मामले में जवाबदेही लेनी चाहिए। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि सरकार न तो घटना की जवाबदेही लेना चाहती है और न ही संसद में इस पर चर्चा की अनुमति दे रही है। प्रियंका गांधी ने कहा कि विपक्ष सदन में इस मुद्दे पर चर्चा करना चाहता है, लेकिन उसे बोलने नहीं दिया जा रहा। उन्होंने छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई का जिक्र करते हुए शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की। इससे पहले, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुंचकर घायल छात्रों से मुलाकात की थी। धरने में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश, रणदीप सुरजेवाला, पवन खेड़ा और कई अन्य सांसद एवं नेता शामिल हुए। **पीएम और गृहमंत्री इस्तीफा दो के नारे-**धरनास्थल पर कांग्रेस कार्यकर्ता पीएम और गृहमंत्री इस्तीफा दो के नारे लगा रहे हैं। प्रदर्शन के बीच यहां पुलिस ने पंजाब के पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी और कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। कांग्रेस का यह प्रदर्शन बेहद सीक्रेट रहा। राहुल समेत सभी नेता कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के घर से पीएम आवास तक पैदल मार्च करके पहुंचे। जब ये लोग 100 मीटर दूर थे तब मीडिया को जानकारी दी गई।

प्रधानमंत्री से जवाब मांगने प्रदर्शन-
प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जवाब मांगने के लिए उनके आवास तक मार्च कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने कुछ दिन पहले छात्रों के साथ बर्बरता की, लेकिन न तो इसकी जिम्मेदारी लेना चाहती है और न ही इस मुद्दे पर संसद में चर्चा कराना चाहती है। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को देश के युवाओं का भविष्य बर्बाद करने के लिए इस्तीफा देना चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने प्रदर्शन के दौरान छात्रों के साथ हुई कार्रवाई की निष्पक्ष जांच की मांग की और सरकार पर युवाओं की आवाज दबाने का आरोप लगाया। वहीं, सरकार की ओर से इस प्रदर्शन पर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई।

जितेंद्र सिंह बोले- नीट पर चर्चा की मांग मानी, लेकिन अब मुकरे—
सरकार ने 3 घंटे के धरने में राहुल से 2 बार बातचीत की, लेकिन वे नहीं माने। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह और गृह सचिव गोविंद मोहन मौके पर पहुंचे तथा राहुल गांधी से धरना समाप्त करने का आग्रह किया। जितेंद्र सिंह के मुताबिक, राहुल गांधी ने कहा कि यदि सरकार नीट और उससे जुड़े आंदोलन के सभी मुद्दों पर संसद में चर्चा के लिए तैयार हो जाती है तो वह धरना समाप्त कर देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बाद राहुल गांधी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग भी रख दी और कहा कि अब उनकी दो मांगें हैं। जितेंद्र सिंह ने कहा कि जब राहुल गांधी को याद दिलाया गया कि उन्होंने पहले केवल संसद में चर्चा की मांग की थी, तो उन्होंने जवाब दिया कि अब उनकी मांगें बदल गई हैं।

फिर जंतर-मंतर पहुंचे ....

मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराई। कई प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सोमवार को सुरक्षाकर्मियों के साथ आमना सामना होने से वे डरे नहीं हैं बल्कि इस घटना ने आंदोलन में और लोगों को जोड़ा है। सोमवार के संसद मार्च में शामिल दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा साक्षी चंदा ने कहा कि पुलिस की कार्रवाई से आंदोलन और तेज हो गया है। उन्होंने कहा, कल हमने जिस तरह की पुलिस की बर्बरता देखी, उससे हमारा संकल्प और मजबूत हुआ है। हम दोबारा इसलिए लौटे हैं क्योंकि यह आंदोलन कई लोगों के त्याग और संघर्ष से खड़ा हुआ है। हम उनके बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने देंगे। जब तक हमारी आवाज नहीं सुनी जाएगी, तब तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा।

दोनों सदन दिनभर ....

अध्यक्ष ओम बिरला के आसन के समीप आकर आक्रामकता के साथ शोर-शराबा और नारेबाजी करना शुरू कर दिया। जिसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि सदन की कार्रवाई में यूं रोजाना व्यवधान डालना उचित नहीं है। हंगामा कर रहे सभी सांसद अपनी-अपनी सीटों पर जाकर बैठिए। जिससे जरूरी कामकाज का सिलसिला आगे बढ़ाया जा सके। इसके बाद भी सदन में हालात नहीं बदले और हंगामा कर रहे सांसदों ने शोर-शराबे के साथ नारेबाजी करना जारी रखा। जिसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ने कार्रवाई को 11 बजे के बाद कुछ मिनटों में 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

सदन में हुए प्रदर्शन के दौरान विपक्षी दलों के जनप्रतिनिधियों ने सरकार विरोधी नारे लिखे हुए पोस्टर, बैनर दिखाए। जबकि कुछ दलों ने काले रंग के कपड़े का टुकड़ा विरोध स्वरूप लहराया। एक बार के स्थगन के बाद 12 बजे दोबारा शुरू हुई सदन की कार्रवाई के साथ विपक्ष के हंगामे पर नाराजगी जताते हुए पीठासीन सभापति संध्या राय ने कहा कि आप सभी लोग अपनी-अपनी सीटों पर जाकर बैठिए, महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होनी है। कई सदस्यों को आज शून्यकाल में बोलना है। जबकि कुछ को नियम-377 के तहत जरूरी मामलों को उठाने का अवसर मिलेगा। ऐसे में अब विपक्ष यह तय करे कि क्या उनका यह व्यवहार उचित है? पूरा देश बड़ी उम्मीदों के साथ लोकसभा की कार्रवाई को देख रहा है। पीठासीन सभापति की इस टिप्पणी का भी हंगामा कर रहे विपक्षी सांसदों पर कोई खास असर नहीं हुआ और उन्होंने शोर-शराबा करना जारी रखा। जिसे देखते हुए राय ने 12 बजकर 9 मिनट पर कार्रवाई को 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। 2 बजे भी सदन के हालात में कोई तब्दीली नहीं आई, उक्त मुद्दों पर विरोधी दलों के सांसदों का हंगामा और शोर-शराबा जारी रहा। जिसके बाद पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने कार्रवाई को 2 बजकर 4 मिनट पर बुधवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

नीट पेपर लीक के ....

से अवगत कराया। पीएम मोदी ने कहा है कि नीट परीक्षा के पेपर लीक को लेकर चिंताओं के बीच सरकार 'स्टूडेंट्स के साथ खड़ी है' और गड़बड़ी में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री ने यह साफ कर दिया है कि पेपर लीक देश की चिंता का विषय है, जिसका राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। बैठक के बाद संवाददाताओं से रिजिजू ने कहा कि बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने देश में भविष्य की परीक्षाओं में पेपर लीक रोकने के लिए सभी संबंधित पक्षों से मिलकर प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मोदी ने परीक्षा पेपर लीक में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और देश के युवाओं के हितों की रक्षा करने के सरकार के संकल्प को दोहराया। प्रधानमंत्री ने कहा कि हाल ही में हुए नीट पेपर लीक मामले में शामिल सभी लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है और 13 आरोपी अभी जेल में हैं। रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा कि जिम्मेदार लोगों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। पीएम मोदी ने बैठक में कहा कि नीट पर विपक्ष देश को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक मामले में हमने तुरंत कार्रवाई की। पीएम मोदी ने कहा कि नीट का रिजल्ट भी हमने जल्दी निकाल दिए. पीएम मोदी ने कहा कि राजनीतिक तौर पर बच्चों का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए. उन्होंने कहा कि बच्चों के भविष्य के साथ नहीं खेलना चाहिए। मोदी ने कहा कि जब पेपर लीक की खबर आई तो सरकार ने इसपर तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि कई लोगों को पकड़कर जेल में डाला गया है। पीएम मोदी ने कहा कि साथ ही साथ जो छात्र हैं उनके भविष्य को नुकसान ना हो इसलिए तुरंत नीट के रीएग्जाम करवाया गया। रिएग्जाम को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया और इसका रिजल्ट देने में भी देरी नहीं की गई। दोबारा पेपरलीक ना हो इसके लिए सख्ती वाले कदम उठाए गए हैं।

शिव प्रकाश की दो ....

के बीच तालमेल बनाकर काम करने पर मंथन किया गया। हर घर तिरंगा अभियान के लिए डिप्टी सीएम अरुण साव को प्रदेश का प्रभारी बनाया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश ने कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में प्रदेश के पदाधिकारियों की बैठक ली। बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय, लता उसेंडी, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, अखिलेश सोनी, डॉ. नवीन मार्कंडेय सहित भाजपा प्रदेश पदाधिकारी मौजूद शामिल हुए। बैठक में सत्ता और संगठन के बीच के तालमेल को लेकर अहम चर्चा की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 साल पूरे होने को लेकर प्रदेश भर में किए गए कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। इसी के साथ आने वाले समय में संत रविदास की 650 वीं जयंती को लेकर 23 जुलाई से लेकर लगातार फरवरी तक होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी साझा की गई। इसको लेकर प्रदेश में 23 जुलाई को कार्यशाला होगी।

बूथों पर फोकस- भाजपा ने अभी से 2028 के चुनाव को लेकर तैयारी प्रारंभ कर दी है। इसको लेकर तय किया गया है कि बूथ स्तर के जो भी पदाधिकारी हैं, जैसे बूथ प्रभारी, बूथ सचिव, बीएलओ-टू, महिला प्रभारी, मन की बात प्रभारी इन सभी को पार्टी का आई कार्ड दिया जाएगा। इसी के साथ बूथ स्तर से लेकर जिला और प्रदेश स्तर की बैठक में बूथों को लेकर लगातार समीक्षा होगी और कमजोर बूथों को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

कोर ग्रुप में भी सत्ता-....

विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम अरूण साव, विजय शर्मा, ओपी चौधरी, लता उसेंडी, प्रदेशाध्यक्ष किरण देव, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, केदार कश्यप, अमर अग्रवाल सहित कोर ग्रुप के सदस्य शामिल हुए।

सरगुजा में क्रिप्टो ....

तलाश जारी है। बताया जा रहा है कि दरिमा इन्दरपुर निवासी विद्याचरण राव ने मणीपुर थाना में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके गांव के त्रिपाल टोप्पो ने ऑनलाइन शेयर मार्केट में फायदा कमाने और खुद भी उस शेयर मार्केट से जुड़े होने की जानकारी दी थी और बाद में उदयपुर निवासी राजकुमार पैंकरा से मिलवाया था। राजकुमार पैंकरा ने उसे ऑनलाइन बिटगेट वॉलेट (एलजीएनएस) क्रिप्टो वायलेट एप के बारे में बताया था। 19 जुलाई को राजकुमार के बहकावे में आकर विद्याचरण राव होटल फिल आनंदम में आयोजित एक ट्रेनिंग सेमीनार में पहुंचा जहां कान्ता प्रसाद राजवाड़े लैपटॉप एवं प्रोजेक्टर के माध्यम से अन्य 10-12 लोगो को बिटगेट वालेट क्रिप्टो वायलेट ऐप के शेयर मार्केट में पैसा बढ़ाने के बारे में बताया जा रहा था। उन्हें बताया गया कि 12 लेवलो में पहुंचने के बाद फ्री में पैसा मिलते रहेगा बस इस शेयर में पैसा लगाना है। ट्रेनिंग के दौरान राजकुमार ने विद्याचरण राव से भी 10 हजार रूपए नगद लेकर एक साल में एक लाख रूपए होने की बात कही गई। बाद में ठगी का एहसास होने पर उसने मामले की शिकायत पुलिस से की थी जिसके बाद पुलिस द्वारा बीएनएस की धारा 318(4), 61(2) के तहत अपराध दर्ज किया गया था और आरोपियों की तलाश चल रही थी। जांच के दौरान पुलिस ने लखनपुर सिंगीटाना निवासी 27 वर्षीय कान्ता प्रसाद आ. दिलु राम राजवाड़े, उदयपुर पंडरीडांड निवासी 42 वर्षीय राजकुमार पैकरा आ. स्व. अमीर साय, दरिमा नवानगर महादेवटिकरा निवासी 36 वर्षीय जीवन साय टोप्पो आ. दिलराम टोप्पो, दरिमा टपरकेला निवासी 35 वर्षीय फिरोज लकड़ा आ. रामसाय लकडा व गांधीनगर अम्बे कालोनी निवासी 46 वर्षीय मुकेश कुमार गुप्ता आ. बिनोद कुमार गुप्ता को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी मणीपुर सीपी तिवारी, सउनि अनिल पाण्डेय, राकेश मिश्रा, आरक्षक रामशंकर यादव, अनिल परिहार, अनिल सिंह, निरंजन बड़ा की सक्रिय भूमिका रही।

नेपाल से आए थे...

सेमिनार में उपयोग किए गए लैपटॉप, लैपटॉप का बैग, चार्ज वायर, प्रोजेक्टर, स्पीकर, मोबाईल, 3 नग डायरी, 1 नग नोटबुक, 1 नग टी-शर्ट जब्त किया है। इसके साथ ही आरोपियों के खिलाफ धारा 317(4) जोड़ी गई है।

नक्सल प्रभाव से ....

कुछ बिंदुओं पर मार्गदर्शन लिया जा रहा है, यह मिलने के बाद गाइडलाइन जारी की जाएगी। इसके सात ही जिला कलेक्टरों द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना सभी विभागों को साझा करने के निर्देश दिए गए हैं। ये है उद्देश्य : इस पहल का उद्देश्य केवल सुरक्षा बनाए रखना नहीं, बल्कि सरकार को गांव के दरवाजे तक ले जाना है। सरकार का मानना है कि जिन क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने के बाद सामान्य स्थिति लौट रही है, वहां लोगों को सरकारी योजनाओं और बुनियादी सुविधाओं तक आसान पहुंच मिलनी चाहिए।

उत्तरभारत में बारिश...

मृतकों की पहचान हुई है उनमें से चार पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी से थे, एक-एक व्यक्ति असम, पंजाब और उत्तराखंड के देहरादून से था तथा एक व्यक्ति नामची का रहने वाला था। तमांग ने एक बयान में कहा, हादसे में अपनी जान गंवाने वाले कर्मियों के परिवारों के प्रति मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। दुख की इस घड़ी में पूरे राज्य की संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ है और हम इस मुश्किल घड़ी में मजबूती से उनके साथ खड़े हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह जारी बचाव अभियान की करीब से निगरानी कर रहे हैं। तमांग ने बताया कि नामची जिला प्रशासन, सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसएसडीएमए), सिक्किम पुलिस, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं और पाकयोंग व सिलीगुड़ी से आए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम के साथ अन्य एजेंसियां सुरंग के अंदर फंसे शेष श्रमिकों के शव निकालने के लिए लगातार काम कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''नामची जिले के समरडुंग, झोलुंगे में एनएचपीसी तीस्ता चरण-छह जल विद्युत परियोजना के तहत निर्माणाधीन सुरंग में हुई दुखद घटना के बाद माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुझसे (फोन पर) बात की और मौजूदा हालात तथा जारी बचाव कार्यों के बारे में जानकारी ली। राजस्थान में फिर सक्रिय मानसून: राजस्थान में करीब दो सप्ताह के अंतराल के बाद दक्षिण-पश्चिम मानसून फिर से सक्रिय हो गया है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के पूर्वी हिस्से के कई जिलों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश दर्ज की गई। मंगलवार सुबह तक बीते 24 घंटों में सीकर में सर्वाधिक 10 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। इसके बाद झुंझुनूं के नवलगढ़ में 9 सेंटीमीटर, बारां के शाहाबाद में 8 सेंटीमीटर तथा झुंझुनूं, धौलपुर के बाड़ी और बसेड़ी में 7-7 सेंटीमीटर वर्षा हुई। धौलपुर, जयपुर, सीकर, झुंझुनूं और बारां जिलों के कुछ स्थानों पर भी भारी से अत्यधिक भारी बारिश दर्ज की गई।

तीन तलाक बोलकर ....

ससुर एवं जेठ द्वारा दहेज में कम पैसा लाने के संबंध में ताना देने लगे और पिता से पैसा मंगवाने को लेकर गाली गलौज तथा मारपीट करने लगे। महिला के दो बच्चे भी हैं।

अवैध उत्खनन, आई ....

के घाट से ही रेत का उत्खनन किया जा सकता है लेकिन तस्कर जिलेभर में बेखौफ होकर नदियों से रेत निकालने और तस्करी का काम कर रहे है लेकिन वर्तमान में बारिश के समय एनजीटी के नियमानुसार 15 अक्टूबर तक रेत के उत्खनन पर पूर्ण रूप से प्रतिबन्ध भी लगाया गया है। एनजीटी और जिला प्रशासन द्वारा लगाए गए प्रतिबंध का कोई ख़ास असर जिले में नहीं हो रहा है। तस्कर शासन प्रशासन के आदेश को ठेंगा दिखाकर नदियों से रेत निकाल रहे है। सीतापुर क्षेत्र में मांड नदी से तेलाईधार, टोकोपारा, रायकेरा, मंगरेलगढ़, ढेलसरा, नावाटोली, केशला, भिठुवा, नवापारा, राधापुर जैसे दर्जनों भर गांव से होकर बहने वाली मांड नदी से रेत का अवैध खनन एवं परिवहन जारी है। वहीं खनिज विभाग द्वारा कार्रवाई के नाम पर वाहनों को जब्त करने के बाद चालानी कार्रवाई कर छोड़ देते है जिससे उनके हौसले बुलंद है। इस बीच मंगलवार की सुबह क्षेत्र में तस्करों की मनमानी उनपर ही भारी पड़ गई। प्रतिबंध के बाद भी नदी से रेत निकालने के दौरान एक ट्रैक्टर चालक की जान खतरे में पड़ गई।

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग
» बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड
» बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

डॉ.वाशानी दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें।
रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100
Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता है

आवश्यकता है- अनुभवी इंडियन/ चाइनीज/ तन्दूर शैफ डिलिवरी ब्वॉय एवं होटल में किचन तथा काउंटर संभालने हेतु लड़कियों की आवश्यकता है। आकर्षक वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- करबला रोड बिलासपुर 7869586011, 9329233000 (41475)

आवश्यकता है- पैथोलॉजी लैब टेक्नीशियन, अनुभवी कार ड्राइवर बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- दोपहर 3 से शाम 5बजे, निष्कर्ष पैथोलॉजी क्लीनिक प्रथम तल, डॉ. अग्रवाल एक्स-रे एवं सोनोग्राफी क्लीनिक, जूनी लाइन, बिलासपुर 7869911027 (41472)

आवश्यकता है- कृष्णा मल्टीस्पेशलिटी डेन्टल क्लीनिक में महिला स्टाफ की आवश्यकता है (अनुभवहीन को शुरुआती वेतन 5000 होगा) जरूरतमंद लड़कियां सम्पर्क करें- सिम्स गेट नम्बर 3 के सामने, प्रिन्स कॉम्प्लेक्स, बिलासपुर 9617773900 (41468)

आवश्यकता है- मित्तल फर्नीचर, अमेरी चौक बिलासपुर में सेल्स के लिए अनुभवी लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 9826663999 (41467)

Requirment- Site Engineer cum Quality Control Engineer and Safety Officer each one no for NTPC Lara Raigarh Contact- No. whats App 62605 74796, 7803080551 (41465)

आवश्यकता है- कास्मेटिक दुकान मे कार्य करने हेतु सेल्समेन एवं जनरल कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है। संपर्क करें सुनील प्लास्टिक, तेलीपारा अजीत होटल के सामने बिलासपुर (41474)

आवश्यकता है- मोटर पार्टस दुकान में कार्य हेतु 10वीं, 12 वीं पास लड़का चाहिए। (जूना बिलासपुर गांधी चौक, शिव टाकिज चौक भगर पारा, मन्दिर चौक का रहने वाला हो) सम्पर्क करें- 8927400000 (41469)

आवश्यकता है- 3 कार 8 बाईक को डेली वॉश करवाना है। शांती नगर रिंग रोड 2 में जिसे कार वॉश का अनुभव हो। संपर्क करे सुनील 9753330000 (41473)

आवश्यकता है- शिवांगी ऑयल्स प्राइवेट लिमिटेड में कम्प्यूटर डाटा एंट्री ऑपरेटर युवक/ युवती चाहिए (टैली, MS, एक्सल अनुभवी हो) अनुभव 5-7वर्ष, वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 11बजे से शाम 6बजे तक 8602512374 (41470)

आवश्यकता है- घर का काम बर्तन झाड़, पोछा डस्टिंग का काम करने हेतु लेडिस या लड़की की आवश्यकता है समय सुबह 9बजे से शाम 6बजे तक, स्थान- मेडिकल काम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर 9425535829 (41471)

आवश्यकता है- बच्चो, मरीजों, बुजुर्गों की देखभाल आल राउण्डर कुक चौकीदार आया ड्राइवर हाउस कीपिंग वेटर, एक पद प्यून पहली से 8वीं तक पढ़ाने हेतु शिक्षक पता- शर्मा केयर टेकर्स बिलासपुर 7024477656 (41466)

RAIPUR GREEN ENERGY PVT. LTD. (TATA MOTORS) RE-WI-RE
WE ARE HIRING!
FIELD PURCHASE EXECUTIVES (SCRAP VEHICLES)
KEY RESPONSIBILITIES
- Field visit to find scrap, accidental & old vehicles.
REQUIREMENTS
- Graduate - Experience in Secondhand Sales of Automobiles or related field preferred.
EARN MORE WITH PERFORMANCE
Send your Resume on WhatsApp
CALL: 9109952355 OR 9399230747

आवश्यकता है- बिजी साफ्टवेयर जानकार महिला कम्प्यूटर ऑपरेटर चाहिए। कार्य समय सुबह 9:30 बजे से शाम 6:30 बजे तक, वेतन- 6000 सम्पर्क करें- जयपुर मूर्ति भंडार, अशोक नगर, सरकंडा बिलासपुर 9827110908 (41477)

आवश्यकता है-सुरक्षा गार्ड- 17000 सुपरवाइजर- 18000 फील्ड अधिकारी- 16000 कंप्यूटर ऑपरेटर- 15000 वेतन योग्यतानुसार मेस सुविधा आवास भोजन फ्री संपर्क- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय 06 जे.शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 77470 00016, 7747000019, 7746000019 (891)

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित साड़ी शॉप में अनुभवी सेल्समैन- 6 (लड़के) हेल्पर- 4 (लड़के/ लड़की) रिसेप्शनिस्ट-2 (लड़की), 2 फ्लोर मैनेजर (लड़के) चाहिए वेतन योग्यतानुसार। पता- वसंत साड़ी सेन्टर, सदर बाजार, बिलासपुर 9755498703, 79870 65573 (41453)

आवश्यकता है-होलसेल कपड़ा दुकान हेतु सेल्समैन एवं दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- हीरा ट्रेडिंग कम्पनी श्रीराम क्लॉथ मार्केट अग्रसेन चौक बिलासपुर 9827112950, 83196 17107 (41430)

आवश्यकता है- बिलासपुर में नेहरु नगर स्थित घर में खाना बनाने एवं गृह कार्य करने हेतु सुबह से शाम तक के लिए बाई की आवश्यकता है सम्पर्क करें 70003 70264 (41461)

आवश्यकता है- दवाई दुकान में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता काम का समय सुबह 9.30 से रात 8.30 तक सम्पर्क करें- 7869797088, 87709 39973 (41460)

आवश्यकता है-कानूनी पुस्तकों की मार्केटिंग एवं दुकान में कार्य हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए टाइपिस्ट को प्राथमिकता वेतन 7000 से 10000+ कमीशन पता- आदर्श लॉ हाउस, डीपी कॉलेज के सामने, बिलासपुर 9827079947 (41463)

आवश्यकता है-तिफरा स्थित डॉक्टर दंपत्ति के घर की देखभाल और घरेलू कामकाज हेतु लड़की/ महिला की अतिशीघ्र आवश्यकता है। 24घंटे वालों को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 7693965549, 70249 75770, 7000087824, 8770661585 (41456)

आवश्यकता है-गनियारी (कोटा रोड) स्थित 1 एकड़ में खेत की देख रेख हेतु आदमी की आवश्यकता है रहने की भी व्यवस्था है सम्पर्क करें- ध्रुव अग्रवाल बिलासपुर 7987165126, 9424143077 (41450)

आवश्यकता है-ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल मिशन हॉस्पिटल रोड बिलासपुर में कार्य करने हेतु ड्राइवर, प्यून, आया की शीघ्र आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 62616 13256 (41451)

आवश्यकता है- Hotel The Tayal में फ्रंट ऑफिस हेतु स्मार्ट, विनम्र लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है। योग्यता- 12वीं ग्रेजुएट, कार्य समय- 10घंटे सम्पर्क- Hotel The Tayal, सीपत रोड, राजकिशोर नगर, बिलासपुर 7987498938 (41476)

आवश्यकता है-प्रो. सोलर एनर्जी कम्पनी में सोलर पैनल के प्रचार प्रसार करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है सैलरी 10000+ पेट्रोल+ कमीशन लोकेशन- बिलासपुर, तखतपुर सम्पर्क करें- 9893674156 (41457)

आवश्यकता है-वेल्डर, हेल्पर की। फायर फाइटिंग प्रोजेक्ट के एमएस पाईप लाइन के कार्य हेतु वेल्डर, हेल्पर की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- एमएस सर्विसेस बिलासपुर 93993 43522, 9039524801 (41454)

आपके सपनों का आशियाना जल्द होगा आपका... पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड सब कुछ है यहां

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारम्भ-फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करे B.Ed, B.A, B.Com B.Sc,Bca,Mca Bba, Llb, M.A, M.Com M.Sc, Mba, Msw, B.Lib, M.Lib, Dca, Pgdca, Polytechnic, B.tech M.tech अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा सम्पर्क करें-Bharti Education Academy Sec.-6, Bhilai 98261 96515, 9826896515 (4157)

फायनेंस

फाइनेन्स-राज्य ग्रामीण बैंकों द्वारा विभिन्न प्रकार के लोन उपलब्ध बिजनेस, कृषि, होम एवं प्रॉपर्टी लोन 1% वार्षिक ब्याज एवं 40% सब्सिडी के साथ प्राप्त करें डाउन सिबिल स्कोर वालों के लिए भी सुविधा सम्पर्क करें-7988465321,79884 65321 (048)

Advertisement Booking Time 10.30 AM To 4.00 PM

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586
- हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:- मो. 8109229025

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

जिम्बाब्वे के खिलाफ सूर्यवंशी का मिशन 150 सिक्स, टी20 में होंगे नंबर-1

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय टीम जिम्बाब्वे के दौरे पर गई है। इस दौरे पर टीम इंडिया को श्रेयस अय्यर की कप्तानी में तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। सीरीज का पहला मुकाबला 23 जुलाई को खेला जाएगा। इस सीरीज में पहली बार वैभव सूर्यवंशी बतौर प्रमुख ओपनर बनकर गए हैं। इंग्लैंड में वैभव का प्रदर्शन खास नहीं था लेकिन अब जिम्बाब्वे सीरीज में उनके पास मौका है अपनी जगह पक्की करने का। जिम्बाब्वे दौरे पर वैभव सूर्यवंशी के निशाने पर टी20 क्रिकेट का खास वर्ल्ड रिकॉर्ड भी है। वह तीन मैचों की सीरीज में अगर 11 छक्के लगा देते हैं तो टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 150 छक्के पूरे करने वाले नंबर 1 बल्लेबाज बन जाएंगे। वैभव के नाम अभी तक 37 पारियों में 139 छक्के टी20 क्रिकेट में दर्ज हैं।

हालांकि, इस मामले में नंबर 1 पर काबिज खिलाड़ी ने 66 पारियों में यह कारनामा किया था। नंबर 1 पर नाम है यूएई के मोहम्मद वसीम का। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर वेस्टइंडीज के एविन लुईस और तीसरे नंबर पर क्रिस गेल हैं। अगर वैभव ने यह कारनामा किया तो वह तीनों खिलाड़ियों को पीछे छोड़ नंबर 1 बन जाएंगे।

23 जुलाई से भारत और जिम्बाब्वे के बीच 3 मैचों की टी20 सीरीज

टी20 सीरीज का शेड्यूल

पहला टी20	: 23 जून हरारे, 4.30 पीएम
दूसरा टी20	: 25 जून हरारे, 4.30 पीएम
तीसरा टी20	: 26 जून हरारे, 4.30 पीएम

टी20 में सबसे तेज 150 छक्के

मोहम्मद वसीम (यूएई)	: 66 पारी
एविन लुईस (वेस्टइंडीज)	: 70 पारी
क्रिस गेल (वेस्टइंडीज)	: 72 पारी

सूर्यकुमार को पीछे छोड़ सकते हैं वैभव

वैभव सूर्यवंशी ने 37 पारियों में 139 छक्के टी20 क्रिकेट में अभी तक लगाए हैं। वह 11 छक्के और लगाते ही भारत समेत पूरी दुनिया में नंबर 1 बन जाएंगे। उनके नाम टी20 में सबसे तेज 150 छक्के लगाने का रिकॉर्ड दर्ज हो सकता है। भारत के लिए यह रिकॉर्ड 86 पारियों में सूर्यकुमार यादव ने बनाया था। यानी वैभव सूर्या को भी पीछे छोड़ सकते हैं।

वैभव-अभिषेक ने की प्रैक्टिस

जिम्बाब्वे दौरे पर वीवीएस लक्ष्मण भारतीय टीम के कोच की भूमिका निभा रहे हैं। उनकी देखरेख में खिलाड़ियों ने प्रैक्टिस की। इस दौरान टीम के दो युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा बल्लेबाजी के साथ-साथ गेंदबाजी का भी अभ्यास करते दिखे। उनके साथ रिंकू सिंह ने भी गेंदबाजी की प्रैक्टिस की।

सीरीज के लिए भारत का स्क्वाड

श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), इशान किशन (विकेटकीपर), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, शिवम दुबे, सूर्यांश शेडगे, रिंकू सिंह, हर्ष दुबे, रवि बिश्नोई, प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा, मयंक यादव, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)।

2024 के बाद पहला जिम्बाब्वे दौरा

भारतीय टीम इससे पहले जिम्बाब्वे दौरे पर 2024 टी20 वर्ल्ड कप के बाद गई थी। अभिषेक शर्मा ने भारत के लिए इसी सीरीज में डेब्यू किया था। शुभमन गिल कप्तान थे। उस सीरीज में यशस्वी जायसवाल और ऋतुराज गायकवाड़ भी खेले थे।

खबर संक्षेप

विश्व जूनियर स्क्वाश अनाहत दूसरे दौर में

नई दिल्ली। भारत की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अनाहत सिंह ने न्यूजीलैंड की क्वालीफायर लिली विल्सन को आसानी से 11-2, 11-1, 11-3 से हराकर कनाडा के ओंटारियो में चल रही विश्व स्क्वाश जूनियर चैंपियनशिप के महिला एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। आर्यवीर दीवान, युशा नफीस और गुरवीर सिंह की भारतीय तिकड़ी ने प्रतियोगिता के पहले दिन पुरुष एकल के तीसरे दौर में प्रवेश किया। पुरव रामभिया ने रोनी हिकलिंग के सामने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन पांच गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी को आखिर में हार का सामना करना पड़ा। महिला वर्ग के पहले दौर में अनिका दुबे ने जापान की अन्ना कुवाहारा को सीधे गेम में हराया और सान्वी ने पांच गेम के मुकाबले में नीदरलैंड की एल्के मोल्स को पराजित किया।

आज से हांगकांग में विश्व तलवारबाजी चैंपियनशिप

नई दिल्ली। भारत का 24 सदस्यीय तलवारबाजी दल बुधवार से हांगकांग में शुरू हो रही सीनियर विश्व चैंपियनशिप में जोर आजमाइश करेगा। नौ दिवसीय चैंपियनशिप एशियावर्ल्ड एक्स्पो पर आयोजित की जाएगी। भारतीय टीम में 12 पुरुष और 12 महिला खिलाड़ी हैं, जो सभी तीन श्रेणियों एपी, फॉइल और साबरे में व्यक्तिगत और टीम वर्गों में भाग लेंगे। भारतीय तलवारबाजी संघ के महासचिव राजीव मेहता ने कहा,' विश्व चैंपियनशिप भारतीय तलवारबाजी के लिए काफी अहम है क्योंकि हमे विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के सामने खुद को आंकने का मौका मिलेगा।' टीम के साथ 5 राष्ट्रीय कोच और 2 फिजियो भी जाएंगे।

बुडापेस्ट में होगी टोटल शतरंज विश्व चैंपियनशिप

FIDE

नई दिल्ली। शतरंज की सर्वोच्च संस्था फिडे से मान्यता प्राप्त टोटल शतरंज विश्व चैंपियनशिप टूर का आधिकारिक पायलट संस्करण 10 से 21 नवंबर तक हंगरी के बुडापेस्ट में आयोजित किया जाएगा। यहां प्रतियोगिता शतरंज के तीनों प्रारुप क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज में आयोजित की जाएगी। इन तीनों प्रारुप में सबसे अधिक अंक हासिल करने वाला खिलाड़ी चैंपियन बनेगा। बुडापेस्ट में होने वाली प्रतियोगिता चैंपियनशिप के प्रारुप के लिए पायलट प्रोजेक्ट के रूप में काम करेगी, जिसे 2027 में विश्व स्तर पर लागू किया जाना है। फिडे ने यह भी घोषणा की है कि टोटल शतरंज विश्व चैंपियनशिप टूर विश्व चैंपियनशिप के लिए चैलेंजर का निर्धारण करने वाले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाइंग प्रक्रिया का हिस्सा होगा।

ग्लासगो में 23 जुलाई से 2 अगस्त तक होंगे गेम्स

10 खेलों में सिमटा कॉमनवेल्थ हॉकी-कुश्ती समेत कई खेल बाहर

कॉमनवेल्थ गेम्स का स्वरूप पहले के मुकाबले काफी बदला हुआ

एजेंसी ▶▶| ग्लासगो

स्काडलैंड के ग्लासगो में 23 जुलाई से 2 अगस्त तक होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारतीय दल की घोषणा हो चुकी है। इस बार कॉमनवेल्थ गेम्स का स्वरूप पहले के मुकाबले काफी बदला हुआ है।

लागत कम करने के लिए खेलों को सिर्फ 10 स्पर्धाओं तक सीमित रखा गया है। हॉकी, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कुश्ती और क्रिकेट जैसे वे खेल इस बार कार्यक्रम का हिस्सा नहीं हैं, जिनमें भारत पारंपरिक रूप से सबसे ज्यादा पदक जीतता रहा है। ऐसे में इस बार भारत की पदक उम्मीदों का बड़ा दारोमदार एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स के खिलाड़ियों पर रहेगा।

उद्घाटन समारोह में ध्वजवाहक मीराबाई

भारतीय दल में दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा, टोक्यो ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई चानू और बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन मुख्य रूप से शामिल हैं। वेटलिफ्टर मीराबाई चानू उद्घाटन समारोह में देश की ध्वजवाहक हैं। खेल मंत्रालय ने इन खेलों के लिए 191 सदस्यों वाले भारतीय दल को मंजूरी दी है, जिसमें 126 खिलाड़ी (78 पुरुष और 48 महिला) और 51 टीम पदाधिकारी शामिल हैं।

नीरज चोपड़ा, मीराबाई चानू, लवलीना समेत भारतीय खिलाड़ियों की सूची

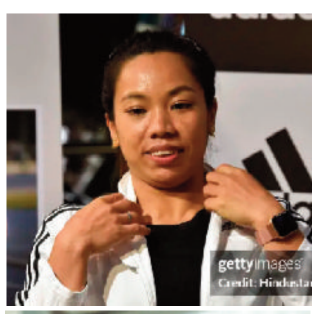

एथलेटिक्स पुरुष टीम

गुरिंदरवीर सिंह (100 मीटर), अनिमेष कुजूर (200 मीटर), गुलवीर सिंह (5000 मीटर/10000 मीटर), तेजस शिर्से (110 मीटर बाधा दौड़), यशस पलक्ष (400 मीटर बाधा दौड़), संतोष कुमार तमिलरासन (400 मीटर बाधा दौड़), सर्वेश कुशारे (ऊंची कूद), आदर्श राम (ऊंची कूद), देव मीना (पोल वॉल्ट), कुलदीप कुमार (पोल वॉल्ट), मुरली श्रीशंकर (लंबी कूद), लोकेश सत्यनाथन (लंबी कूद), प्रवीण चित्रवेल (ट्रिपल जंप), सेल्वा प्रभु (ट्रिपल जंप), समरदीप सिंह गिल (शॉट पुट), तेजिंदरपाल सिंह तूर (शॉट पुट), नीरज चोपड़ा (जैवलिन थ्रो), रोहित यादव (जैवलिन थ्रो), यश वीर सिंह (जैवलिन थ्रो), तेजस्विन शंकर (डेकाथलॉन), विशाल थेन्नारासु कयालविझी (400 मीटर/4×400 मीटर मिक्स्ड रिले), राजेश रमेश (400 मीटर/4×400 मीटर मिक्स्ड रिले), अंसा बाबू (400 मीटर/4×400 मीटर मिक्स्ड रिले)।

राष्ट्रमंडल खेलों में होने वाली प्रतियोगिताएं

3×3 बास्केटबॉल और 3×3 व्हीलचेयर बास्केटबॉल, आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स, एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स (ट्रैक एंड फील्ड) ,बॉल्स और पैरा बॉल्स, बॉक्सिंग , साइकिलिंग ट्रैक और पैरा साइकिलिंग ट्रैक, जूडो, नेटबॉल स्विमिंग (तैराकी) और पैरा स्विमिंग, वेटलिफ्टिंग (भारोत्तोलन) और पैरा पावरलिफ्टिंग

वेटलिफ्टिंग (पुरुष) टीम

ऋषिकांत सिंह (60 किग्रा), एम राजा (65 किग्रा), अजय बाबू (79 किग्रा), दिलबाग सिंह (94 किग्रा), लवप्रीत सिंह (+110 किग्रा)

वेटलिफ्टिंग (महिला) टीम

मीराबाई चानू (48 किग्रा), ज्ञानेश्वरी यादव (53 किग्रा), बिंद्यारानी देवी (58 किग्रा), हरजिंदर कौर (69 किग्रा), संजना (77 किग्रा), सीरम निरुपमा देवी (86 किग्रा), मार्टिना देवी (+86 किग्रा)।

मुक्केबाजी (पुरुष) टीम

जेदुमणि सिंह (55 किग्रा), सचिन सिवाच (60 किग्रा), आदित्य प्रताप सिंह (65 किग्रा), सुमित कुंडू (70 किग्रा), अंकुश अंकुश (80 किग्रा), कपिल पोखरिया (90 किग्रा), नरेंद्र बेरवाल (+90 किग्रा)।

मुक्केबाजी (महिला) टीम

साक्षी चौधरी (51 किग्र), प्रीति पवार (54 किग्रा), जैस्मीन लेम्बोरिया (57 किग्रा), प्रिया घनघास (60 किग्रा), परवीन हुडा (65 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा)।

महिला वनडे रैंकिंग

टॉप-10 में हैली मैथ्यूज की स्थिति और मजबूत

एजेंसी ▶▶| दुबई

आईसीसी महिला चैंपियनशिप में आयरलैंड के खिलाफ 3-0 से सीरीज जीतने के बाद, वेस्टइंडीज की कप्तान हैली मैथ्यूज और उनकी कई साथी खिलाड़ियों ने ताजा महिला वनडे रैंकिंग में अच्छी बढ़त हासिल की है। आयरलैंड सीरीज में वेस्टइंडीज की कप्तान हैली मैथ्यूज का गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन रहा था।

प्लेयर ऑफ द सीरीज रहीं मैथ्यूज की आईसीसी की महिला बल्लेबाजों, गेंदबाजों और ऑलराउंडरों की रैंकिंग में टॉप-10 में उनकी स्थिति और मजबूत हुई है। तीन वनडे मैचों की सीरीज में मैथ्यूज ने 265 रन बनाए और 7 विकेट लिए।

आयरलैंड पर जीत के बाद वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों को फायदा

स्टेफनी, आलिया एलेन, एफी फ्लेचर को बढ़त

अनुभवी बल्लेबाज स्टेफनी टेलर, ऑलराउंडर आलिया एलेन, स्पिनर एफी फ्लेचर और ऑलराउंडर डिएंड्रा डॉटिन को ताजा रैंकिंग अपडेट में फायदा हुआ। आयरलैंड के खिलाफ तीसरे और आखिरी वनडे में शानदार शतक लगाने के बाद टेलर वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर 22वें नंबर पर आ गईं। उसी मैच में 33 रन की पारी खेलने के बाद एलेन वनडे बल्लेबाजों की सूची में चार स्थान ऊपर चढ़कर 73वें नंबर पर पहुंच गईं।

गेंदबाजी रैंकिंग में फ्लेचर ने किया सुधार

वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में, फ्लेचर ने एक स्थान का सुधार किया और संयुक्त रूप से 21वें नंबर पर पहुंच गईं। उन्होंने सीरीज में आठ विकेट लिए, जो तीनों मैचों में किसी भी गेंदबाज द्वारा लिए गए सबसे ज्यादा विकेट थे। सीरीज में अपने प्रदर्शन के बाद डॉटिन की गेंदबाजी रैंकिंग में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ और वह छह स्थान ऊपर चढ़कर 75वें नंबर पर पहुंच गईं। इस क्लीन स्वीप से कैरेबियाई टीम आठ अंकों के साथ आईसीसी महिला चैंपियनशिप सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गई है।

फुटबॉल

वर्ल्ड कप हारने के बाद अर्जेंटीना के खिलाड़ियों पर बैन होने का खतरा

एजेंसी ▶▶| ईस्ट रदरफोर्ड

विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने स्पेन और अर्जेंटीना के बीच खेले गए विश्व का फाइनल के बाद दोनों टीम के खिलाड़ियों के बीच हुई झड़प की जांच शुरू कर दी है। स्पेन ने अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर दूसरी बार खिताब जीता लेकिन अंतिम सीटी बजाने के बाद दोनों टीम के खिलाड़ी आपस में भिड़ गए, जिससे जश्न का माहौल खराब हो गया। वीडियो रीप्ले में अर्जेंटीना के मिडफील्डर लिएंड्रो पारेडेस समेत कई खिलाड़ी हाथापाई में शामिल दिखे। वीडियो में देखने से ऐसा लग रहा है कि पोरडेस ने स्पेन के एरिक गार्सिया का गला पकड़ा। जब स्पेन के स्थानापन्न खिलाड़ी गावी बीच-बचाव करने के लिए आए तो पोरडेस ने उन्हें धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया।

- फीफा ने शुरू की खिलाड़ियों के बीच झड़प की जांच

स्पेनिश कप्तान को मोलिना ने की चोट पहुंचाने की कोशिश

स्पेन के कप्तान रौड्रि को अर्जेंटीना के डिफेंडर नाहूएल मोलिना ने चोट पहुंचाने की कोशिश की। मोलिना ने बाद में उन्हें घेर भी लिया था। अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी और अन्य खिलाड़ी स्थिति को शांत करने के लिए तुरंत बीच में आ गए।

अर्जेंटीना के पोरडेस हो सकते हैं निलंबित

फीफा ने कहा कि उसकी 'अनुशासनात्मक समिति ने मैच के बाद की घटनाओं के संबंध में (फीफा अनुशासनात्मक संहिता के) संभावित उल्लंघनों की जांच के लिए एक अनुशासनात्मक और नैतिक अभियोजक नियुक्त किया है।' इस संक्षिप्त बयान में जांच के लिए कोई समयसीमा नहीं दी गई और ना ही पोरडेस का नाम लिया गया। पोरडेस को मैच के बाद लाल कार्ड नहीं दिखाया गया था, लेकिन उन्हें निलंबन का सामना करना पड़ सकता है।

ऑस्ट्रेलिया- बांग्लादेश टेस्ट सीरीज में कमिंस, हेजलवुड और लियोन की वापसी

एजेंसी ▶▶| ब्रिस्बेन

पैट कमिंस, जोश हेज़लवुड और नाथन लियोन के चोट से उबरकर वापसी करने से बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की क्रिकेट श्रृंखला में उसके चारों प्रमुख गेंदबाज फिर से अंतिम एकादश में दिखाई दे सकते हैं।

तेज गेंदबाज कमिंस, हेज़लवुड और मिचेल स्टार्क तथा ऑफ स्पिनर लियोन लंबे समय से ऑस्ट्रेलिया के आक्रमण प्रमुख हिस्सा रहे हैं, लेकिन चोटिल होने के कारण हाल के समय में यह चारों गेंदबाज बहुत कम मैचों में एक साथ खेल पाए। ऑस्ट्रेलिया की चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा कि वापसी करने वाले सभी गेंदबाज 'खेलने के लिए फिट हैं।'उन्होंने कहा, ' हम अभी से अंतिम एकादश को अंतिम रूप नहीं देंगे, लेकिन हम जानते हैं कि इस दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए हमारे पास मजबूत टीम है। मुझे विश्वास है कि भविष्य में भी यह चारों गेंदबाज एक साथ खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे।' बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 13 से 17 अगस्त तक डार्विन और दूसरा टेस्ट मैच 22 से 26 अगस्त तक मैकाय में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया टीम

पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरन ग्रीन, जोश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड, ब्यू वेबस्टर।

चीन मास्टर्स टूर्नामेंट : पहले दौर में बाहर देविका और प्रणय

चांग्झू। भारत की देविका सिहाग और एचएस प्रणय चीन मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले दौर में हारकर बाहर हो गए। थाईलैंड ओपन सुपर 300 चैंपियन देविका ने शुरुआती गेम हारने के बाद वापसी की कोशिश की, लेकिन वह लय बरकरार नहीं रख सकीं और महिला एकल के पहले दौर में थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान से 19-21, 21-19, 13-21 से हार गईं।

BILASPUR SMART CITY LIMITED
3rd Floor, Integrated Command and Control Center (ICCC) Building, Tarbahar Police Station, Bilaspur. E-mail: tenders.bscl@gmail.com

निविदा आमंत्रण सूचना

No.309/BSCL/2026-27 Bilaspur, Dated 21/07/2026

BSCL invites proposal for following work mentioned as below:

NIT No.	System Tender No.	Name of work	PAC (in Lakh)	Bid Due Date
261	195907	Selection of Consulting Firm for Project Design and Management Consultant (PDMC) for Bilaspur Smart City Ltd. under CITIIS 2.0 Program (Online Tender)	140.00	11/08/2026 IST 05:30 PM

Interested parties may view and download RFP Document details online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in

G.MANAGER (T)
BILASPUR SMART CITY LIMITED

Green City, Clean City, Smart City.

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD
शाखा- पावर हाउस रोड, कोरबा

कब्जा नोटिस (अचल संपत्ति हेतु)
(प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम-8(1) अंतर्गत)

यतः अधोहस्ताक्षरी ने **इंडियन बैंक, पावर हाउस रोड, कोरबा शाखा** के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पूर्णगठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 की धारा 13(12), सपठित नियम 8 एवं 9 के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए **पावर हाउस रोड, कोरबा शाखा** के निम्नलिखित **उधारकर्ता- मेसर्स महामाया थ्रेड एंड मैचिंग, प्रोपराइटर - श्री विनोद पिंजानी, सह-उधारकर्ता एवं जमानतदार- श्रीमती पायल पिंजानी, जमानतदारों - श्री संजय पिंजानी एवं श्रीमती निर्मला पिंजानी, दिनांक** 05.05.2026 को डिमांड नोटिस जारी किया, जिसमें ऋणि को देय नोटिस में उल्लेखित ऋण खाता बकाया राशि **रु. 1,02,18,285.00/- (रूपये एक करोड़ दो लाख अठारह हज़ार दो सौ पचासी मात्र)** से 60 दिनों के भीतर जमा करने के लिए कहा गया था। ऋणि द्वारा राशि के भुगतान करने में असफल हो जाने पर ऋणि एवं आम जनता को एतद् द्वारा नोटिस दिया जाता है कि उपरोक्त कथित अधिनियम की धारा 13(4) सपठित उक्त नियम के नियम 8 एवं 9 के अधीन, निम्न हस्ताक्षरकर्ता ने उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित संपत्ति को **दिनांक 21.07.2026** को अपने कब्जे में लिया है। ऋणि को विशेष रूप से एवं आम जनता को एतद् द्वारा सावधान किया जाता है कि इस संपत्ति बाबत् कोई व्यवहार न करें और इस संपत्ति के बाबत् किये गये व्यवहार पर **इंडियन बैंक** को देय राशि **रु. 1,02,18,285.00/- (रूपये एक करोड़ दो लाख अठारह हज़ार दो सौ पचासी मात्र)** तथा उस पर ब्याज के अध्यधीन होगें।
देनदारों का ध्यान रक्षित संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय हेतु अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकृष्ट किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

संपत्ति क्रमांक 1) खसरा नंबर 494/3 (494 का भाग), 493/313, तुलसी मार्ग, गांजा गली, वार्ड नंबर 10, कोरबा (छ.ग) में क्षेत्रफल -1341 वर्गफ़ीट पर स्थित आवासीय भूमि एवं भवन, मालिकाना हक श्रीमति निर्मला देवी। सीमाएँ:- उत्तर: सड़क, पूर्व: निर्मला देवी, दक्षिण: गुड्डा साहू, पश्चिम: निर्मला देवी।
संपत्ति क्रमांक 2) खसरा नंबर 599/11, प.ह नंबर 09/16 (नया), वार्ड नंबर 02, साकेत नगर, आरआईसी एवं तहसील- कोरबा (छ.ग) में क्षेत्रफल - 663 वर्गफ़ीट पर स्थित व्यावसायिक दुकान, मालिकाना हक - श्री विनोद पिंजानी। सीमाएँ:- उत्तर: राम चंद्र, पूर्व: बलजीत सिंह होरा, दक्षिण: सड़क, पश्चिम: मंजीत सिंह।

दिनांक: 22.07.2026, स्थान- कोरबा
प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक

प्रपत्र संख्या 3
[विनियम-13 (1)(क) देखें]
ऋण वसूली न्यायाधिकरण
कोलकाता (डीआरटी)
9वीं मंजिल, जीवन सुधा बिल्डिंग,
42-सी, जे.एल. नेहरू रोड,
कोलकाता-700071
प्रकरण संख्या: OA/635/2025
अधिनियम की धारा 19 की उप-धारा (4) जिसे ऋण वसूली न्यायाधिकरण (प्रक्रिया) नियम, 1993 के नियम 5 के उप-नियम (2A) के साथ पढ़ा जाए, के तहत समन
Exh.No.: 7447
यस बैंक
बनाम
ऋतुराज

प्रति,
(1) ऋतुराज
D/W/S/O-रत्नेश कुमार सिंह, निवासी M (282) विकास नगर कुसमुंडा, कोरबा, छत्तीसगढ़-495454
(2) दीप्ति सिंह
पत्नी ऋतुराज, निवासी M (282)
विकास नगर कुसमुंडा कोरबा, छत्तीसगढ़-495454

समन

चूंकि, **OA/635/2025** को माननीय पीठासीन अधिकारी/रजिस्ट्रार के समक्ष **19/06/2026** को सूचीबद्ध किया गया था।
चूंकि यह माननीय न्यायाधिकरण, आपके विरुद्ध **₹69,26,822.28/-** की ऋण वसूली के लिए दायर आवेदन (OA) पर अधिनियम की धारा 19(4) के तहत समन/नोटिस जारी कर रहा है (आवेदन के साथ दस्तावेजों की प्रतियां आदि संलग्न हैं)।
अधिनियम की धारा 19 की उप-धारा (4) के अनुसार, प्रतिवादियों (आप) को निम्नलिखित निर्देश दिए जाते हैं:-
(i) समन मिलने के तीस दिनों के भीतर कारण बताएं कि मांगी गई राहत क्यों नहीं दी जानी चाहिए; (ii) मूल आवेदन के क्रम संख्या 3A में आवेदक द्वारा बताई गई संपत्तियों और परिसंपत्तियों के अलावा अन्य संपत्तियों या परिसंपत्तियों का विवरण दें; (iii) आपको सुरक्षित परिसंपत्तियों या मूल आवेदन के क्रम संख्या 3A में बताई गई अन्य परिसंपत्तियों और संपत्तियों के साथ व्यवहार करने या उन्हें बेचने/हस्तांतरित करने से रोका जाता है; जब तक कि संपत्तियों की कुर्की के आवेदन पर सुनवाई और निपटारा न हो जाए; (iv) आप न्यायाधिकरण की पूर्व अनुमति के बिना, सामान्य व्यवसायिक कामकाज के अलावा, ऐसी किसी भी परिसंपत्ति को बिक्री, पट्टे या किसी अन्य तरीके से हस्तांतरित नहीं करेंगे जिस पर सुरक्षा हित बनाया गया है और/या मूल आवेदन के क्रम संख्या 3A में बताई गई अन्य परिसंपत्तियां और संपत्तियां हैं; (v) आप सामान्य व्यवसायिक कामकाज में सुरक्षित परिसंपत्तियों या अन्य परिसंपत्तियों और संपत्तियों की बिक्री से प्राप्त राशि का हिसाब देने और ऐसी बिक्री से प्राप्त राशि को उस बैंक या वित्तीय संस्थान के खाते में जमा करने के लिए उत्तरदायी होंगे जिसके पास ऐसी परिसंपत्तियों पर सुरक्षा हित है। आपको यह भी निर्देश दिया जाता है कि आप लिखित में बयान दाखिल करें, जिसकी एक प्रति आवेदक को भी दें, और **04/08/2026 को सुबह 10:30 बजे रजिस्ट्रार** के सामने पेश हों। ऐसा न करने पर, आपकी अनुपस्थिति में ही आवेदन पर सुनवाई और फैसला किया जाएगा।
आज दिनांक **09/07/2026** को मेरे हस्ताक्षर और इस ट्रिब्यूनल की मुहर के तहत जारी।

हस्ताक्षर/- रजिस्ट्रार-इन-चार्ज,
ऋण वसूली न्यायाधिकरण -I,
कोलकाता,
वित्त मंत्रालय,
भारत सरकार

देश के लिए बारिश का मौसम खुशाहली लेकर आता है। किसानों के लिए बारिश किसी वरदान से कम नहीं है, क्योंकि भारत में 50 फीसदी से ज्यादा कृषि भूमि बारिश पर निर्भर है। बारिश होने से लोगों को गर्मी से राहत मिलती है, लेकिन दूसरी तरफ बारिश के मौसम में बाढ़, लैंडस्लाइड और बादल फटने की घटनाएं बढ़ जाती हैं।

अचानक क्यों और कैसे फटता है बादल? जानिए आखिर क्या है वजह

पहाड़ी क्षेत्रों में हर साल मानसून के दौरान इसी तरह की आपदाएं आती हैं

नई दिल्ली। बादल फटने की घटना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। पहाड़ी इलाकों में अक्सर बादल फटने की घटना सामने आती हैं। बादल फटने की घटनाएं हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के राज्यों में होती है। हाल के दिनों में जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में बादल फटने की घटनाएं हुई हैं। पहलगाम, उधमपुर के अलावा राजौरी और पुंछ के पहाड़ी इलाकों में भी बादल फटे हैं, जिसके कारण भारी नुकसान हुआ है। अचानक आए सैलाब और भूस्खलन से कई घर बह गए और कई लोगों की मौत हुई है। पहाड़ी क्षेत्रों में हर साल मानसून के दौरान इसी तरह की आपदाएं आती हैं।

क्यों फटते हैं बादल?

अगर किसी जगह पर 20 सेंटीमीटर से अधिक बारिश होती है, तो उसे बादल फटना कहा जाता है। बादलों को नमी न पहुंचने की वजह से यह घटना होती है। बादलों को नमी नहीं पहुंचती है या पहुंचनी बंद हो जाती है, तो ठंडी हवा इसमें प्रवेश कर जाती है, जिसके सफेद बादल काले बादलों में बदल जाते हैं और तेजी से बारिश होती है। वातावरण में नमी और गर्मी का स्तर दोनों काफी बढ़ने पर बादल फटता है। अक्सर पहाड़ी इलाकों में ऐसी स्थिति बन जाती है। बादल फटने की पूरी प्रक्रिया विज्ञान से जुड़ी है।

ठंडी और गर्म हवाएं टकराती हैं तो भी फट जाता है बादल

पहाड़ी क्षेत्रों में ढलान की वजह से तेजी से हवा ऊपर जाती है और बादल बन जाता है। इसके बाद ठंडी हवा के संपर्क में आते ही बारिश होने लगती है। बारिश के मौसम में जिस स्थान पर कम का हवा का दबाव होता है, उस इलाके में गर्म और नमी वाली हवा तेजी से ऊपर जाती है। इससे बादल फटने की संभावना ज्यादा होती है। इसके साथ ही अगर ठंडी और गर्म हवाएं आपस में टकराती हैं तो भी बादल फट जाता है।

बारिश 100 किलोमीटर/घंटा

बादल फटने से होने वाली बारिश 100 किलोमीटर/घंटा होती है। बादल फटने के कारण अचानक बाढ़ आती है, जिसे कुमुलोनिम्बस बादल कहा जाता है, क्योंकि इसके कारण भारी बारिश होती है। बादल फटने की प्रक्रिया में पानी की छोटी छोटी बूंदें आपस में टकराती हैं और एक विकराल रूप धारण कर लेती हैं। इस प्रक्रिया को लैंगमुइर प्रेसिपिटेशन कहते हैं, जिसमें बारिश की बड़ी बूंदें छोटी बूंदों के साथ मिलकर तेजी से नीचे आती हैं।

भूतिया घर में रहने की नौकरी

टोक्यो। क्या आप किसी भूतिया घर में रह सकते हैं? ज्यादातर लोग ऐसे घर में रहने के पहले सौ बार सोचेंगे। लेकिन, जापान में लोगों के ऐसे घरों में रहने पैसे दिए जा रहे हैं। अगर कोई भूतिया घर में रहता है, तो उसे 88,000 येन यानी करीब 52 हजार रुपए मिलते हैं।

इस काम के पीछे की वजह सिर्फ भूतों की तलाश करना नहीं है, बल्कि खाली पड़े मकानों को फिर से बेचने या किराए पर देने में मदद करना है। यहां पर लोग पूरी रात रहकर कैमरों और दूसरे उपकरणों की मदद से कथित पैरानॉर्मल एक्टिविटी की जांच करते हैं। अगर रात के समय कुछ असामान्य नहीं होता, तो प्रॉपर्टी के बारे में एक सर्टिफिकेट जारी किया जाता है ,वहां कोई पैरानॉर्मल एक्टिविटी नहीं दिखाई दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जापान में इस तरह की प्रॉपर्टी को जिक्को बुक्केन कहा जाता है।

इस स्थान पर किसी व्यक्ति की मौत असामान्य या परेशान करने वाली परिस्थितियों में हुई हो। इनमें हत्या, आत्महत्या, जानलेवा आग या लोनली डेथ जैसे मामले शामिल होते हैं। लोनली डेथ यानी जब किसी व्यक्ति की अकेले घर में मौत हो जाती है और फिर कई दिनों किसी को पता नहीं चलता है। इस तरह की संपत्ति का इतिहास सामने आने पर कई लोग वहां रहने से डरते है। इस डर को दूर करने के लिए कथित हॉन्टेड हाउस सिटर की मदद ली जा रही है। इस काम से जुड़े लोग पूरी रात इस तरह के घर में रहते हैं। अगर रातभर कोई असामान्य गतिविधि नहीं होती है, तो प्रॉपर्टी में पैरानॉर्मल एक्टिविटी नहीं मिलने का सर्टिफिकेट जारी किया जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ कंपनियां यह भी दावा करती हैं कि अगर किसी घर को भूतों से मुक्त घोषित होने के बाद वहां प्रमाणित पैरानॉर्मल एक्टिविटी देखी जाती है, तो वे मुआवजा भी दे सकती हैं।

चीन की 2030 से पहले एक स्पेसक्राफ्ट को एस्टेरॉयड से टकराने की योजना

आवाज से 26 गुना तेज रफ्तार अंतरिक्ष यान से एस्टेरॉयड को टक्कर मारेंगे

बीजिंग। चीन अपने पहले 'प्लेनेटरी डिफेंस टेस्ट' के तहत अंतरिक्ष में एक एस्टेरॉयड यानी क्षुद्रग्रह से मैक 26 यानी ध्वनि की गति से 26 गुना ज्यादा तेज रफ्तार वाले प्रोजेक्टाइल को टकराने की तैयारी कर रहा है। ये प्रोजेक्टाइल एक अंतरिक्ष यान होगा। ये मिशन अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के 'डबल एस्टेरॉयड रीडायरेक्शन टेस्ट' के मुकाबले ज्यादा एडवांस होगा। एक नए पेपर में 2030 से पहले एक स्पेसक्राफ्ट को एस्टेरॉयड से टकराने की योजना बताई गई है।

नासा का डार्ट एक 'प्रूफ-ऑफ-कांसेप्ट' था जिसने एक एस्टेरॉयड की कक्षा को थोड़ा सा बदला था। जबकि इसके उलट चीन एक ज्यादा व्यावहारिक प्लैनेटरी डिफेंस टेस्ट करना चाहता है। चीन नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन में प्लैनेटरी डिफेंस के चीफ साइंटिस्ट ली मिंगताओ की अगुवाई वाली टीम ने बताया है कि इसका मकसद पृथ्वी के सापेक्ष एस्टेरॉयड की कक्षा को सीधे तौर पर बदलना 'या यहां तक कि उसकी संरचना को तोड़ना' है।

नासा के 'डार्ट मिशन' से कितना अलग है?

आपको बता दें कि इससे पहले अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने साल 2022 में अपने डार्ट मिशन के जरिए एक एस्टेरॉयड का रास्ता सफलतापूर्वक बदला था। हालांकि चीन का यह प्लान नासा के मिशन से काफी ज्यादा एडवांस और चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है। नासा का डार्ट यान 6.1 किमी/सेकंड की रफ्तार से टकराया था, जबकि चीन का यान इससे करीब 50% ज्यादा रफ्तार (9 किमी/सेकंड) से टकराने जा रहा है। नासा ने एक एस्टेरॉयड के चक्कर लगा रहे छोटे चंद्रमा की कक्षा बदली थी जबकि चीन सीधे सूर्य का चक्कर लगा रहे स्वतंत्र एस्टेरॉयड की पृथ्वी के सापेक्ष कक्षा को बदलने का अधिक वास्तविक टेस्ट कर रहा है।

कौन सा एस्टेरॉयड है निशाने पर और कब होगी टक्कर?

इसका टारगेट '2015 Xएफ261' नाम का एक कम जाना-पहचाना 'नियर-अर्थ एस्टेरॉयड' है जिसे पहली बार 2015 में खोजा गया था। अनुमान है कि इसका आकार लगभग 30 मीटर है हालांकि इसके सटीक आकार के बारे में अभी भी निश्चितता नहीं है। यह टक्कर 2029 या 2030 के दौरान होने की उम्मीद है जब यह एस्टेरॉयड पृथ्वी से करीब 70 लाख किलोमीटर की दूरी से गुजरेगा। इस एस्टेरॉयड के घूमने और बनावट के बारे में कोई जानकारी नहीं है लेकिन संभावना है कि यह एक ठोस चट्टान या बहुत मजबूत चीज हो।

चीन का एस्टेरॉयड तोड़ने वाले मिशन का मकसद क्या है?

चीन नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन के प्लैनेटरी डिफेंस के चीफ साइंटिस्ट ली मिंगताओ की अगुवाई में इस मिशन को तैयार किया गया है। इस प्लान का मकसद पृथ्वी को भविष्य में किसी खतरनाक एस्टेरॉयड के टकराने से बचाना है। चीनी वैज्ञानिक इस टक्कर के जरिए एस्टेरॉयड की कक्षा को सीधे तौर पर बदलना चाहते हैं या जरूरत पड़ने पर उसके ढांचे को तोड़ना चाहते हैं।

Ajay Advt.

छत ही नहीं, अब गाड़ियों पर भी लगेंगे सोलर पैनल!

नई दिल्ली। क्या आप जानते हैं कि जिस मधुमक्खी के छत्ते को हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं, उसने सौर ऊर्जा की दुनिया में एक बहुत बड़ी क्रांति ला दी है? जी हां, आज की सबसे बड़ी समस्या यह है कि पुराने सोलर पैनल सूरज की पूरी रोशनी को बिजली में नहीं बदल पाते। जब धूप सीधे पैनल पर नहीं पड़ती, तो काफी रोशनी टकराकर वापस लौट जाती है। लेकिन, अब इंजीनियर्स ने प्रकृति से प्रेरणा लेते हुए मधुमक्खियों के 6-कोने वाले छत्ते की नकल करके एक ऐसा 3D सोलर पैनल तैयार किया है, जो रोशनी को बाहर भागने ही नहीं देता।

सोलर ऊर्जा की पुरानी समस्या और उसका समाधान : आजकल इस्तेमाल होने वाले आम सोलर पैनल केवल तभी सबसे अच्छा काम करते हैं जब सूरज की किरणें बिल्कुल सीधे उन पर पड़ती हैं। जैसे ही सूरज ढलता है या कोण बदलता है, रोशनी का बड़ा हिस्सा पैनल की सतह से टकराकर रिफ्लेक्ट हो जाता है। इससे बिजली का उत्पादन काफी कम हो जाता है। इंजीनियर्स काफी समय से इस समस्या का समाधान ढूंढ रहे थे। आखिरकार उन्हें इसका जवाब प्रकृति में मधुमक्खियों के छत्ते के स्ट्रक्चर में मिला। शुरुआती टेस्ट और रिपोर्ट्स के आंकड़े बेहद चौंकाने वाले हैं। इस नए हनीकॉम्ब डिजाइन वाले पैनल ने पारंपरिक सपाट सोलर पैनल के मुकाबले अधिकतम पावर आउटपुट में 142.3% की भारी बढ़ोतरी दर्ज की है।

मधुमक्खी के छत्ते का 3डी जादू

इंजीनियर्स ने मधुमक्खियों द्वारा बनाए जाने वाले षट्भुज। यानी छह कोणों वाले आकार की नकल की है। उन्होंने एक 3डी अवतल सोलर पैनल तैयार किया है। जब सूरज की रोशनी इस खास पैटर्न पर पड़ती है, तो वह टकराकर बाहर जाने के बजाय अंदर की दीवारों से ही बार-बार टकराती रहती है। इससे सोलर पैनल को रोशनी से ज्यादा से ज्यादा ऊर्जा सोखने का दूसरा मौका मिल जाता है। रोशनी का कम नुकसान यानी ज्यादा बिजली का निर्माण।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com